उत्तराखंड, नई दिल्ली व हरियाणा से प्रकाशित/उत्तर प्रदेश में प्रसारित

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

सत्य, निष्पक्ष भारत

उत्तम भारत

कार्तिक शुक्ल पक्ष नवमी, विक्रम संवत् 2082 ▸▸ वर्ष: 1 ▸▸ अंक: 192 ▸▸ देहरादून ▸▸ शुक्रवार, 27 नवम्बर 2026 ▸▸ मूल्य: 3.00 ▸▸ पृष्ठ: 12, (www.uttambharatnews.com), RNI.No. UAHIN/26/A3885



यादों में हरिवंश : कभी श्यामा.....

उत्तराखंड विधानसभा चुनाव 2027 के लिए भाजपा का चुनावी शंखनाद

धामी सरकार ने पेश किया अपना रिपोर्ट कार्ड

उत्तम भारत संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड विधानसभा चुनाव 2027 के लिए भाजपा ने बड़ा कदम उठाते हुए धामी सरकार के पिछले 5 साल के कार्यकाल का रिपोर्ट कार्ड पेश कर दिया है। देहरादून के एक निजी होटल में भाजपा द्वारा आयोजित कार्यक्रम में धामी सरकार ने अपना रिपोर्ट कार्ड पेश किया। इस मोके पर पूरी सरकार और भाजपा का संगठन मौजूद रहा। इस मौके पर सीएम धामी ने कहा कि, हम जनता के बीच में अपना रिपोर्ट कार्ड लेकर आए हैं। 2022 में भी लेकर आए थे, जो भी संकल्प हमने जनता को दिया था, वो हमने पूरा किया था और आगे बढ़ रहे हैं। 2022 में उत्तराखंड की जनता ने मिथक को तोड़ा और लगातार बीजेपी पर विश्वास जताया। हम लगातार तीसरी बार सरकार बनाने की ओर अग्रसर हैं।

सीएम धामी ने सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि आज उत्तराखंड के अंदर लगभग 2000 स्टार्टअप चल रहे हैं। नए उद्योगों के लिए 200 करोड़ रुपए के आर्थिक वेंचर फंड की व्यवस्था है। मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना से युवाओं को अपना काम शुरू करने में सहायता मिल रही है। वरदान छात्रवृत्ति योजना के तहत मेधावी और जरूरतमंद छात्रों को आर्थिक सहायता की मदद मिल रही है। अब तक 21 हजार से ज्यादा छात्रों को लाभ मिल चुका है। मुख्यमंत्री मेधावी छात्र प्रोत्साहन योजना छात्रवृत्ति योजना है। इसमें प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को उनके शैक्षणिक उपलब्धियां के आधार पर छात्रवृत्ति प्रदान की जा रही है। इसका उद्देश्य है कि कोई ऐसा बच्चा जिसके माता-पिता आर्थिक रूप से संपन्न न हो, लेकिन उनकी क्षमता रुकनी नहीं चाहिए।



सीएम धामी ने सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि आज उत्तराखंड के अंदर लगभग 2000 स्टार्टअप चल रहे हैं। नए उद्योगों के लिए 200 करोड़ रुपए के आर्थिक वेंचर फंड की व्यवस्था है। मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना से युवाओं को अपना काम शुरू करने में सहायता मिल रही है।

मुख्यमंत्री धामी ने गिनाईं सरकार की उपलब्धियां

2021 कोरोना महामारी के समय हमने पर्यटन, परिवहन और संस्कृति के क्षेत्र में काम करने वाले लोगों के लिए 200 करोड़ रुपए का आर्थिक पैकेज दिया था।
चिकित्सा क्षेत्र के लिए 205 करोड़ और स्वयं सहायता समूहों और स्वरोजगार से जुड़े लोगों के लिए 118 करोड़ के राहत पैकेज जारी किया।
कोविड वॉरियर्स का सम्मान किया। महामारी में अपने परिवार को खोने वाले बच्चों के लिए वात्सल्य योजना शुरू की थी।
कोविड वॉरियर्स का सम्मान किया। महामारी में अपने परिवार को खोने वाले बच्चों के लिए वात्सल्य योजना शुरू की थी।
भर्ती की तैयारी करने वाले युवाओं के लिए नकल विरोधी कानून लागू किया।
इन वर्षों में 36 हजार युवाओं को नौकरी मिली। बिना पर्ची-बिना खर्ची के नौकरी मिली है।
प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने के लिए नई योजना मुख्यमंत्री भविष्य निर्माण योजना शुरू की है।
योजना के पहले साल में भी प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे 11 हजार युवाओं को कोचिंग उनके घर पर ही मिलेगी।
वैश्विक रोजगार योजना के तहत युवाओं को जर्मन और जापानी भाषा की ट्रेनिंग दी जा रही है। इस पहल के तहत 106 युवाओं को विदेश में रोजगार मिला है।
युवाओं के लिए युवा आयोग गठन का फैसला लिया है, जल्द धरातल पर उतरेगा।

सीएम धामी ने मातृशक्ति पर बात करते हुए कहा कि मातृशक्ति हमारे राज्य के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। उनका जीवन बहुत कठिनाइयों में आगे बढ़ता है। यह परिस्थितियां देखते हुए सरकारी नौकरियों में 30 प्रतिशत का क्षैतिज आरक्षण सुनिश्चित किया है। उत्पादों की आज डिमांड काफी सहकारी प्रबंध समितियों में 33 फीसदी का आरक्षण सुनिश्चित किया है। साढ़े 3 लाख से अधिक बहनें आज लखपति दीदी बनी हैं, जो अपने रोजगार के साथ दूसरों को भी रोजगार दे रही हैं। 5 लाख महिलाएं स्वयं सहायता समूह से जुड़ी हैं और इनको 5 लाख तक ऋण बिना ब्याज के दिया जा रहा है। हाउस ऑफ हिमालय ब्रांड के तहत पूरे देश और दुनिया में राज्य की महिलाओं द्वारा बनाए गए बढ़ी है। उनको अच्छा बाजार मिल रहा है। इस ब्रांड के तहत साढ़े 6 करोड़ से अधिक का टर्नओवर किया है।

बहनें अपना कारोबार आगे बढ़ा सकें, इसके लिए बैंणी-भुली योजना को भी अभी शुरू करने का फैसला लिया है। इसमें साढ़े 5 लाख के लगभग बहनों को सीधे-सीधे सहायता मिलेगी। एकल महिला रोजगार योजना शुरू करने के लिए 75 फीसदी सरकारी सहायता प्रावधान किया गया है। नंदा गौरा योजना में बेटी के जन्म लेते ही 11 हजार और 12वीं की पढ़ाई पूरी करने पर 51 हजार की सहायता दी जाती है। महालक्ष्मी किट योजना के तहत मां और नवजात शिशु की देखभाल के लिए एक किट उनको दी जाती है। अभी हमने देवभूमि परिवार योजना में परिवार की सबसे वरिष्ठ महिला को परिवार का मुखिया माना है.। देवभूमि परिवार पोर्टल शुरू किया गया है, जो महिला सशक्तिकरण में हमारा एक कदम है।

संविधान एवं विधि दिवस पर सीएम पुष्कर सिंह धामी की बड़ी सौगात

उत्तम भारत संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने संविधान एवं विधि दिवस के अवसर पर पुलिस लाइन देहरादून में आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। इस दौरान उन्होंने अभियोजन विभाग के लिए तीन महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। उन्होंने नए आपराधिक कानूनों की प्रशिक्षण और जन-जागरूकता के लिए संविधान सभा के सदस्यों के योगदान को याद किया। सीएम ने विधि, समाजसेवा, चिकित्सा, शिक्षा और अभियोजन क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाली 12 विभूतियों को भी सम्मानित किया। साथ ही सीएम ने उत्तराखण्ड अभियोजन पत्रिका और हमारा राज्य, हमारा कानून का विमोचन किया।

सीएम ने कहा कि अभियोजन सेवा आपराधिक न्याय व्यवस्था का महत्वपूर्ण स्तंभ है। अभियोजन अधिकारियों की जिम्मेदारी है कि वे साक्ष्यों का विधिक परीक्षण करें, तथ्यों को न्यायालय के समक्ष निष्पक्ष रूप से प्रस्तुत करें। पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए मजबूत पक्ष रखें। उन्होंने कहा कि नए आपराधिक कानूनों के लागू होने से अभियोजन अधिकारियों की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। राज्य सरकार न्याय व्यवस्था को आधुनिक और सशक्त बनाने के लिए ई-फाइलिंग, डिजिटल न्यायालयों तथा वर्चुअल सुनवाई की सुविधाओं का विस्तार कर रही है।



अभियोजन विभाग के लिए की तीन महत्वपूर्ण घोषणाएं

सीएम धामी ने प्रदेश में कानून के शासन और अपराध के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि कानून तभी प्रभावी होता है, जब उसका पालन बिना भेदभाव हो और उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो। उन्होंने अभियोजन विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों से ईमानदारी, पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने उपस्थित लोगों को संविधान की शपथ दिलाई और विधि रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने भारतीय संविधान के शिल्पकार डॉ. भीमराव आंबेडकर तथा संविधान सभा के सदस्यों के योगदान को याद किया। सीएम ने विधि, समाजसेवा, चिकित्सा, शिक्षा और अभियोजन क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाली 12 विभूतियों को भी सम्मानित किया। साथ ही सीएम ने उत्तराखण्ड अभियोजन पत्रिका और हमारा राज्य, हमारा कानून का विमोचन किया।

सीएम ने कहा कि अभियोजन सेवा आपराधिक न्याय व्यवस्था का महत्वपूर्ण स्तंभ है। अभियोजन अधिकारियों की जिम्मेदारी है कि वे साक्ष्यों का विधिक परीक्षण करें, तथ्यों को न्यायालय के समक्ष निष्पक्ष रूप से प्रस्तुत करें। पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए मजबूत पक्ष रखें। उन्होंने कहा कि नए आपराधिक कानूनों के लागू होने से अभियोजन अधिकारियों की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। राज्य सरकार न्याय व्यवस्था को आधुनिक और सशक्त बनाने के लिए ई-फाइलिंग, डिजिटल न्यायालयों तथा वर्चुअल सुनवाई की सुविधाओं का विस्तार कर रही है।

सीएम धामी ने प्रदेश में कानून के शासन और अपराध के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि कानून तभी प्रभावी होता है, जब उसका पालन बिना भेदभाव हो और उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो। उन्होंने अभियोजन विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों से ईमानदारी, पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने का आह्वान किया।

संविधान की शक्ति से सामान्य मानव हुआ सशक्त : मोदी



लेख में संविधान की ताकत बताई

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संविधान दिवस के अवसर पर गुरुवार को एक लेख लिखा है। उन्होंने लेख में कहा है कि संविधान की शक्ति से सामान्य मानव को सशक्त बनाने के आज ऐसे कई और उदाहरण हैं। पीएम मोदी ने लेख में लिखा कि प्रख्यात संवैधानिक विशेषज्ञ ग्रैनविले ऑस्टिन ने हमारे संविधान को फर्स्ट एंड फोरमोस्ट अ सोशल डॉक्यूमेंट बताया था। सामाजिक और आर्थिक न्याय की भावना हमारे संविधान के मूल में समाहित है। ऐसे में संविधान निर्माताओं के इस बहुमूल्य सपने को साकार करने के प्रयासों से अधिक संतोषजनक और क्या हो सकता है? पीएम मोदी ने लेख में लिखा कि विश्व बैंक की हाल में आई एक रिपोर्ट बताती है कि भारत के करीब 50 करोड़ लोग अत्यंत गरीबी से बाहर निकले हैं। पीढ़ियों से चले आ रहे अभावों से मुक्ति पाकर आज करोड़ों माता-पिता अपने बच्चों के बेहतर भविष्य के सपने देख पा रहे हैं। जब प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से किसी परिवार को झोपड़ी से निकलकर पक्के मकान में गृह प्रवेश का अवसर मिलता है, तब गरिमापूर्ण जीवन जीने का संवैधानिक संकल्प सही मायनों में साकार होता है। जब उज्ज्वला योजना किसी मां को धुएं से भरी रसोई की तकलीफों से मुक्ति दिलाती है, तब हम समानता और जनकल्याण के आदर्शों को आगे बढ़ाते हैं। पीएम मोदी ने लेख के जरिए बताया है कि जब आयुष्मान भारत की वजह से किसी गरीब परिवार को कर्ज की चिंता किए बिना अच्छा इलाज मिलता है, तब उसके जीवन में सामाजिक न्याय का संकल्प साकार होता है।

पूर्व सांसद आनंद मोहन को सरेंडर करने का आदेश, सुप्रीम कोर्ट ने रिहाई से जुड़े बिहार सरकार के फैसले को पलटा

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को पूर्व सांसद आनंद मोहन को समय से पहले रिहा करने के बिहार सरकार के फैसले को पलट दिया। साथ ही, आनंद मोहन को एक महीने में सरेंडर करने का आदेश दिया गया है। आनंद मोहन 1994 में गोपालगंज के तत्कालीन जिलाधिकारी जी कृष्णैया की हत्या के मामले में दोषी ठहराए गए थे।

बिहार सरकार की ओर से जेल नियमों में किए गए संशोधन के चलते आनंद मोहन की रिहाई हुई थी। आनंद मोहन की रिहाई के बाद जिलाधिकारी जी कृष्णैया की पत्नी उमा देवी कृष्णैया ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था और पूर्व सांसद को फिर से जेल भेजे जाने की मांग की। गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने बिहार सरकार के 2023 के संशोधन को भी असंवैधानिक घोषित किया।

अपने फैसले में कोर्ट ने कहा, 10 अप्रैल 2023 की अधिसूचना को असंवैधानिक, अमान्य और निष्प्रभावी घोषित किया जाता है, और इसे रद्द किया जाता है। इस फैसले में दर्ज निष्कर्षों को ध्यान में रखते हुए प्रतिवादी को समय से पहले रिहा करने का 24 अप्रैल 2023 का आदेश रद्द किया जाता है। प्रतिवादी को आज से एक महीने के भीतर सक्षम जेल प्राधिकरण के समक्ष अनिवार्य रूप से आत्मसमर्पण करना होगा। अदालत ने स्पष्ट किया है कि समयपूर्व रिहाई पर विचार करते समय पीड़ित को सुनवाई से वंचित नहीं किया जा सकता है।

अपनी भाषा में संविधान को समझना न्याय और सुशासन की कुंजी : अर्जुन मेघवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने गुरुवार को कहा कि अपनी भाषा में संविधान को समझना प्रभावी न्याय और सुशासन के लिए जरूरी है। उन्होंने नागरिकों को अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक करने के महत्व पर जोर दिया।



केंद्रीय मंत्री मेघवाल ने संविधान अंगीकार किए जाने की 77वीं वर्षगांठ के अवसर पर दिल्ली में कानून मंत्रालय द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि देश के इस मूलभूत दस्तावेज को, आठवीं अनुसूची में शामिल सभी 22 भाषाओं में उपलब्ध कराने से संवैधानिक जागरूकता और लोकतांत्रिक भागीदारी मजबूत होगी। इस कार्यक्रम में उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन भी शामिल हुए। उन्होंने संविधान के अद्यतन संस्करणों का विमोचन किया।

अपने संबोधन में मेघवाल ने कहा कि नागरिकों को अपनी भाषाओं में अपने अधिकारों, संस्थाओं की जिम्मेदारियों और सहायता प्राप्त करने के तरीकों को समझने में सक्षम होना चाहिए। इस पहल को बी आर आंबेडकर के एक व्यक्ति, एक वोट और एक मूल्य के सिद्धांत का प्रतिबिंब बताते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इससे विद्यार्थियों, महिलाओं और दूरदराज के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को संवैधानिक मूल्यों को बेहतर ढंग से समझने में मदद मिलेगी।

आतंकवाद कभी भी साहस और दृढ़ता से एकजुट राष्ट्र के हौसले को नहीं तोड़ सकता : मुर्मु

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को 26/11 मुंबई आतंकी हमलों के पीड़ितों और शहीदों को श्रद्धांजलि दी। इस दौरान उन्होंने कहा कि आतंकवाद कभी भी उस राष्ट्र के हौसले को नहीं तोड़ सकता, जो एकजुट होकर खड़ा हो।

राष्ट्रपति मुर्मु ने बयान में कहा कि 26/11 के मुंबई आतंकी हमलों की इस बरसी पर मैं अपनी जान गंवाने वाले निर्दोष लोगों को नमन करती हूं। साथ ही, मैं हमारे बहादुर सैनिकों, पुलिसकर्मियों और उन सभी लोगों के साहस को सलाम करती हूं, जो आतंकवाद के खिलाफ निडर होकर खड़े रहे। उनका बलिदान और निस्वार्थ सेवा हमेशा हमारे देश की आत्मा में बसी रहेगी।

उन्होंने कहा कि आतंकवाद भले ही लोगों की जिंदगी तबाह कर दे लेकिन यह उस देश के हौसले को कभी नहीं तोड़ सकता, जो साहस, करुणा और दृढ़ता के साथ एकजुट हो। राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि आज हम पीड़ितों और उनके परिवारों के साथ खड़े हैं।

संविधान सिर्फ गाइडबुक नहीं, पीएम मोदी ने नागरिकों तक पहुंचाए इसके मूल्य : शाह

शैलेंद्र कुमार शर्मा/उत्तम भारत

नई दिल्ली। गृह मंत्री अमित शाह ने दिल्ली भाजपा द्वारा आयोजित संविधान गौरव दिवस सेमिनार को संबोधित किया। संविधान दिवस के अवसर पर, अमित शाह, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और अन्य लोगों ने मिलकर भारत के संविधान की प्रस्तावना पढ़ी। इस दौरान अमित शाह ने कहा कि संविधान का सम्मान करना हम सभी भारतीयों के लिए एक बहुत ही महत्वपूर्ण और गर्व की जिम्मेदारी है। लेकिन, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि आजादी के बाद, संविधान को केवल सरकार चलाने के लिए एक गाइडबुक की तरह मानने की कोशिश की गई और देश के किशोरों, युवाओं और नागरिकों के बीच इसकी भावना को जगाने और मजबूत करने की प्रक्रिया को भुला दिया गया।





गृहमंत्री ने कसा विपक्ष पर करारा तंज

विपक्ष पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि जो लोग अपने हाथों में संविधान लेकर चलते हैं, उनसे मेरी विनम्र प्रार्थना है कि वे संसद की लाइब्रेरी में जाएँ, संविधान के लिए 15 मिनट का समय निकालें और संविधान की मूल भावना को समझने के लिए नंदलाल बोस द्वारा बनाए गए चित्रों को देखें।

शाह ने कहा कि जब 2014 में नरेंद्र मोदी जी देश के प्रधानमंत्री बने, तो 2015 में उन्होंने यह तय किया कि हर साल 26 नवंबर को संविधान गौरव दिवस के रूप में मनाया जाएगा, ताकि हमारे संविधान के सर्वोच्च मूल्यों को हर स्कूल, कॉलेज और सभी नागरिकों तक पहुँचाया जा सके। उन्होंने कहा कि जो लोग हमारी सभ्यता का विरोध कर रहे हैं, उनसे मैं कहना चाहता हूँ कि यदि आपके पास अपने जीवन में संविधान के लिए 10 से 15 मिनट का समय है, तो कृपया एक बार संविधान की मूल प्रति को देखें... संविधान की मूल प्रति के अध्यायों की शुरूआत उन चित्रों से होती है, जिनमें भगवान श्री राम का अयोध्या आगमन, भगवान बुद्ध, भगवान महावीर, दशम पिता गुरु गोबिंद सिंह जी, रानी लक्ष्मीबाई, दांडी मार्च और नेताजी सुभाष चंद्र बोस को दर्शाया गया है।

विपक्ष पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि जो लोग अपने हाथों में संविधान लेकर चलते हैं, उनसे मेरी विनम्र प्रार्थना है कि वे संसद की लाइब्रेरी में जाएँ, संविधान के लिए 15 मिनट का समय निकालें और संविधान की मूल भावना को समझने के लिए नंदलाल बोस द्वारा बनाए गए चित्रों को देखें। उन्होंने कहा कि हमारे संविधान निर्माताओं ने तय किया था कि सत्ता मिलेगी भी जनता के माध्यम से और जाएगी भी जनता के माध्यम से। सत्ता किसे सौंपनी है, इसका अधिकार जनता को दे दिया गया। और जिन्हें सत्ता मिलती है, उनके लिए यह मार्ग भी तय कर दिया कि शासन संविधान की मर्यादाओं के भीतर ही चलाना है।

शाह ने कहा कि दोस्तों, 26 नवंबर 1949 को हमारे देश की एक नई यात्रा शुरू हुई। 1857 से 1947 तक चले 90 साल के स्वतंत्रता संग्राम में अनगिनत बलिदान दिए गए, और कई महान स्वतंत्रता सेनानियों ने भारत माता को आजाद कराने के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए। बहुत से लोगों ने इस महान राष्ट्र को आजाद कराने के लिए अपना घर, कारोबार, करियर और पढ़ाई-लिखाई तक छोड़ दी। 90 सालों की उन अनगिनत और असहनीय कठिनाइयों का ही परिणाम हमारा संविधान है, जिसे हमारे संविधान निर्माताओं ने देश की जनता के सामने एक महान दस्तावेज के रूप में रखा। एक तरह से देखा जाए तो, संविधान भले ही कागज पर लिखा गया हो, लेकिन इसमें उन सभी स्वतंत्रता सेनानियों की आकांक्षाएं, उम्मीदें और इच्छाएं समाहित हैं, जिन्होंने आजादी के 90 साल लंबे संघर्ष में अपना बलिदान दिया। अगर हम संविधान को सिर्फ एक किताब के तौर पर देखेंगे, तो हम इसे कभी नहीं समझ पाएंगे।

सरस मेले में परिवार संग पहुंचे सीडीओ, खरीदारी कर महिला समूहों का बढ़ाया हौसला

उत्तम भारत संवाददाता

हल्द्वानी। महिला स्वयं सहायता समूहों के उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने और स्थानीय हुनर को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित सरस मेले में मुख्य विकास अधिकारी अरविंद कुमार पाण्डेय ने अनूठी पहल की। गुरुवार को वह परिवार सहित मेले में पहुंचे और विभिन्न स्टॉलों से 37,325 रुपये की खरीदारी की। उन्होंने खास तौर पर महिला स्वयं सहायता समूहों की ओर से तैयार स्थानीय उत्पादों, पहाड़ी खाद्य सामग्री और हस्तशिल्प को प्राथमिकता दी।



सीडीओ ने कहा कि स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देना केवल खरीदारी तक सीमित नहीं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का महत्वपूर्ण माध्यम है। 'लोकल फॉर वोकल' की भावना को धरातल पर उतारने के लिए जरूरी है कि स्थानीय उत्पादों और पारंपरिक हस्तशिल्प को अधिक से अधिक बाजार मिले। इससे महिला स्वयं सहायता समूहों की आमदनी बढ़ेगी और मातृशक्ति आर्थिक रूप से सशक्त बनेगी। उन्होंने आमजन से भी अपील की कि सरस मेले में पहुंचकर स्थानीय उत्पादों की खरीदारी करें और महिला समूहों के मेहनत व हुनर को प्रोत्साहित करें। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से ग्रामीण क्षेत्रों में तैयार होने वाले उत्पादों को नई पहचान और विपणन के बेहतर अवसर मिलते हैं। सरस मेले में उत्तराखंड सहित देश के विभिन्न राज्यों के पारंपरिक और स्थानीय उत्पादों की बड़ी श्रृंखला लोगों को आकर्षित कर रही है। यहां झंगोरा, मांडुवा, लाल चावल, पहाड़ी नमक, विभिन्न प्रकार की बड़ियां और बद्री गाय का देसी घी उपलब्ध है। इसके अलावा ड्राई फ्रूट, काष्ठ शिल्प, हस्तनिर्मित कपड़े, शॉल और अन्य हस्तशिल्प उत्पाद भी लोगों की पसंद बने हुए हैं। मेले में खरीदारी के साथ बच्चों और बड़ों के मनोरंजन के लिए विभिन्न प्रकार के झूलों की व्यवस्था भी की गई है।

संविधान में जनता मालिक, फिर जनता के वोट का मालिक कौन?

उत्तम भारत संवाददाता

बाजपुर। संविधान दिवस पर शिक्षक एवं समाजसेवी डॉ. सौरभ परमार ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (रक्फ़) को लेकर सवाल उठाते हुए कहा कि लोकतंत्र में जनता सर्वोच्च है, लेकिन यदि किसी पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची से गायब हो जाए तो उसके लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा कौन करेगा?

डॉ. परमार ने कहा कि संविधान दिवस पर सरकारी कार्यालयों में प्रस्तावना पढ़ी जाएगी, विद्यालयों में कार्यक्रम होंगे और डॉ. भीमराव अंबेडकर के विचारों का गुणगान किया जाएगा, लेकिन संविधान के सिद्धांतों को जमीन पर उतारना भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची का शुद्धिकरण आवश्यक है, मगर किसी पात्र जीवित नागरिक का नाम गलत तरीके से काटना लोकतंत्र के लिए गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने चुनाव आयोग से पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने की मांग करते हुए कहा कि नाम हटाने से पहले उचित सूचना और सुनवाई का अवसर दिया जाना चाहिए। गरीब, मजदूर, बुजुर्ग और प्रवासी नागरिकों के मताधिकार की विशेष सुरक्षा होनी चाहिए।

डॉ. परमार ने कहा कि संविधान किसी राजनीतिक दल की निजी संपत्ति नहीं, बल्कि देश के नागरिकों की सामूहिक विरासत है। उन्होंने सवाल उठाया कि हम संविधान दिवस पर प्रस्तावना तो पढ़ते हैं, लेकिन क्या उन लोगों की पीड़ा भी पढ़ेंगे, जिनका नाम मतदाता सूची से गायब हो गया है?

प्रतापपुर चौकी पुलिस ने स्मैक के साथ युवक को किया गिरफ्तार

उत्तम भारत संवाददाता

नानकमत्ता (उधमसिंहनगर)। गस्त पर निकली पुलिस ने एक युवक को मादक पदार्थ के साथ गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया ।

गुरुवार को पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत प्रभारी निरीक्षक शंकर सिंह बिष्ट के नेतृत्व में बंगाली कालोनी प्रतापपुर चौकी पुलिस ने ग्राम प्रतापपुर नम्बर तीन में आनन्दनगर की ओर जाने वाले कच्चे रास्ते से एक मोटरसाइकिल सवार को शक होने पर गिरफ्तार किया तलाशी लेने के दौरान आरोपी के कब्जे से पुलिस को 4.90, ग्राम स्मैक बरामद हुई, पुलिस पूछताछ में पकड़े गये युवक ने अपना नाम लवप्रीत सिंह उर्फ लवी पुत्र स्वर्गीय मक्खन सिंह निवासी प्रतापपुर नंबर 7 जोगीठेर नानकमत्ता बताया हैं । पकड़े गए आरोपी ने बताया कि वह स्मैक गांव के ही मंगल सिंह से 2600 प्रति ग्राम के हिसाब से खरीद कर लाया था। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध धारा 8/21/60 नारकोटी एक्ट के तहत मुकदमा पंजीकृत कर आरोपी का चलन न्यायालय के समक्ष पेश किया है। पकड़ने वाली पुलिस टीम में प्रतापपुर चौकी प्रभारी उप निरीक्षक राजेंद्र पन्त, सिपाही गिरीश चंद, दिनेश पांडे शामिल है।

24 हजार मानदेय और 10 लाख रिटायरमेंट फंड की मांग पर अड़ीं आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां

उत्तम भारत संवाददाता

बाजपुर। तहसील परिसर में अपनी विभिन्न मांगों को लेकर आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों का धरना-प्रदर्शन 15वें दिन भी जारी रहा। कार्यकत्रियां 24 हजार रुपये मासिक मानदेय, सेवानिवृत्ति पर 10 लाख रुपये की एकमुश्त धनराशि और अन्य सरकारी सुविधाओं सहित चार प्रमुख मांगों को लेकर आंदोलन कर रही हैं।

धरना स्थल पर पहुंचे जिला पंचायत सदस्य पंडित जितेंद्र शर्मा उर्फ सोनू शर्मा ने कार्यकत्रियों को अपना समर्थन दिया। इस दौरान जिला उपाध्यक्ष मंजू



गोस्वामी ने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों से लगातार अतिरिक्त कार्य लिया जा रहा है, लेकिन इसके अनुरूप उन्हें मानदेय नहीं दिया जा रहा। उन्होंने सरकार से मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुसार मांगों पर जल्द लिखित शासनादेश जारी करने की मांग की। कार्यकत्रियों ने नारेबाजी करते हुए कहा, 9 हजार में दम नहीं, 24 हजार से कम नहीं। मंजू गोस्वामी ने स्पष्ट किया कि जब तक मांगों के संबंध में लिखित आदेश जारी नहीं होता, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। शासनादेश जारी होते ही धरना समाप्त कर दिया जाएगा।

इस मौके पर ब्लॉक अध्यक्ष ललित भट्ट, कोषाध्यक्ष रेखा पांडे, मीडिया प्रभारी मेघा आहूजा, ममता, वीना, रितिका, माधुरी, अनीता, कमलेश, ममता भटनागर, संगीता, मोना, कृष्णा, उर्मिला, गीता और नजमा सहित बड़ी संख्या में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां मौजूद रहीं।

संविधान दिवस पर बाबा साहेब को किया नमन, मिष्ठान वितरण

उत्तम भारत संवाददाता

बाजपुर। उत्तराखंड वाल्मीकि दलित समाज सुधार संगठन के अध्यक्ष अनिल वाल्मीकि ने संविधान दिवस के अवसर पर आलापुर वार्ड नंबर 4 में भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा का जलाभिषेक व माल्यार्पण कर मिष्ठान वितरित किया। इस दौरान अनिल वाल्मीकि ने कहा कि 2 वर्ष 11 माह 18 दिन में बनकर तैयार हुए संविधान ने समाज के हर वर्ग को समान अधिकार दिए हैं। उन्होंने बाबा साहेब के संदेश को दोहराते हुए कहा



कि शिक्षा ही समाज की सबसे बड़ी पूंजी है और शिक्षित होकर ही समाज आगे बढ़ सकता है। कार्यक्रम में उत्तराखंड देवभूमि सफाई कर्मचारी संघ अध्यक्ष सुरेश कुमार लाला, महामंत्री मुकेश कुमार, उमेश कुमार, दीपक, सौरभ और कपिल सहित कई लोग मौजूद रहे।

पर्यटन छात्रों को मिलेगा उद्योग जगत का व्यावहारिक ज्ञान

उत्तम भारत संवाददाता

श्रीनगर गढ़वाल। पर्यटन शिक्षा को उद्योग जगत की वास्तविक कार्यप्रणाली से जोड़ने के उद्देश्य से पर्वतीय पर्यटन एवं आतिथ्य अध्ययन केंद्र में तीन दिवसीय इंडस्ट्री एक्सपर्ट लेक्चर सीरीज का शुभारंभ किया गया। नई शिक्षा नीति के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों को पर्यटन उद्योग की आधुनिक कार्यशैली, व्यावहारिक अनुभव और रोजगार की संभावनाओं से परिचित कराया जा रहा है। व्याख्यान श्रृंखला में अंतरराष्ट्रीय पर्यटन उद्योग में 20 वर्षों से अधिक का अनुभव रखने वाले वरिष्ठ ट्रैवल एंड टूरिज्म प्रोफेशनल हरीश सुंदरियाल विद्यार्थियों को प्रशिक्षण दे रहे हैं। उन्होंने 20 से अधिक देशों में अंतरराष्ट्रीय टूर कार्यक्रमों के आयोजन का अनुभव साझा करते हुए सर्विस मैनेजमेंट, ऑपरेशन मैनेजमेंट, प्रोडक्शन और डेस्टिनेशन मैनेजमेंट जैसे विषयों की जानकारी दी। कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए केंद्र के निदेशक प्रोफेसर राकेश ड्योढ़ी ने कहा कि वर्तमान समय में पर्यटन शिक्षा को केवल किताबी ज्ञान तक सीमित रखना पर्याप्त नहीं है। विद्यार्थियों को उद्योग जगत की जरूरतों और व्यावहारिक कार्यप्रणाली से परिचित कराना जरूरी है। उन्होंने कहा कि अनुभवी विशेषज्ञों के मार्गदर्शन से विद्यार्थियों का कौशल विकसित होगा और उन्हें रोजगार की चुनौतियों के लिए तैयार होने में मदद मिलेगी।

उद्योग, रोजगार और आय में बढ़ोतरी से बदल रही उत्तराखंड की आर्थिक तस्वीर

उत्तम भारत संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड की अर्थव्यवस्था में बीते साढ़े चार वर्षों के दौरान उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। औद्योगिक गतिविधियों के विस्तार, रोजगार के नए अवसरों और प्रति व्यक्ति आय में बढ़ोतरी से प्रदेश की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है। वर्ष 2024-25 में राज्य का सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) बढ़कर 3,81,889 करोड़ रुपये पहुंच गया, जो वर्ष 2021-22 के मुकाबले डेढ़ गुने से अधिक है। प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय भी वर्ष 2021-22 के 1,94,670 रुपये से बढ़कर 2024-25 में 2,73,921 रुपये हो गई। इस दौरान आर्थिक विकास दर 7.23 प्रतिशत दर्ज की गई। वहीं, वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 1,11,703.21 करोड़ रुपये का बजट पारित किया गया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 10.41 प्रतिशत अधिक है।

एमएसएमई और स्टार्टअप से बढ़ा रोजगार

प्रदेश में एमएसएमई इकाइयों की संख्या वर्ष 2021-22 के 59,798 से बढ़कर 2024-25 में 79,394 हो गई है। इन इकाइयों में रोजगार पाने वालों की संख्या भी 3,43,922 से बढ़कर 4,56,605 पहुंच गई। इसके अलावा राज्य में 128 बड़े उद्योग भी संचालित हैं। स्टार्टअप के क्षेत्र में भी तेजी आई है। वर्ष 2017 में शून्य रही स्टार्टअप की संख्या 2024-25 में बढ़कर 1,750 हो गई।

गरीबी दर में आई गिरावट

आर्थिक विकास के साथ सामाजिक संकेतकों में भी सुधार दर्ज किया गया है। बहुआयामी गरीबी सूचकांक वर्ष 2021-22 के 9.7 प्रतिशत से घटकर 2024-25 में 6.92 प्रतिशत रह गया। इसी अवधि में श्रम बल भागीदारी दर 60.1 प्रतिशत से बढ़कर 64.4 प्रतिशत हो गई। स्वास्थ्य क्षेत्र में शिशु मृत्यु दर घटकर 20 और मातृ मृत्यु दर 91 दर्ज की गई है। औद्योगिक विकास, रोजगार सृजन और सामाजिक संकेतकों में सुधार को प्रदेश की आर्थिक प्रगति के महत्वपूर्ण संकेतक माना जा रहा है।

पांच साल में 3.10 लाख महिलाएं बनीं लखपति दीदी

उत्तम भारत संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में महिला सशक्तीकरण और आर्थिक स्वावलंबन को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार विभिन्न योजनाएं संचालित कर रही है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में पिछले पांच वर्षों में 3.10 लाख महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं। वहीं, स्वयं सहायता समूहों को स्वरोजगार के लिए पांच लाख रुपये तक ब्याजमुक्त ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है।

प्रदेश में सरकारी नौकरियों में महिलाओं को 30 प्रतिशत आरक्षण और सहकारी प्रबंध समितियों में 33 प्रतिशत आरक्षण दिया गया है। उत्तराखंड राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत 5,19,943 महिलाओं को जोड़कर 70,767 स्वयं सहायता समूहों का गठन किया गया है। महिला समूहों के उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने के लिए शुरू किए गए 'हाउस ऑफ हिमालयाज' ब्रांड की बिक्री छह करोड़ रुपये से अधिक पहुंच चुकी है। इससे करीब 5,500 महिलाएं सीधे आर्थिक गतिविधियों से जुड़ी हैं। वहीं, नमो ड्रोन दीदी योजना के तहत महिला समूहों को ड्रोन संचालन का प्रशिक्षण देकर कृषि क्षेत्र में रोजगार के अवसर दिए जा रहे हैं। बेटियों की शिक्षा और आर्थिक सुरक्षा के लिए नंदा गौरा योजना संचालित की जा रही है। इसके तहत बेटी के जन्म पर 11 हजार रुपये तथा 12वीं उत्तीर्ण करने पर 51 हजार रुपये की सहायता दी जाती है। अक्टूबर 2026 तक चार लाख से अधिक बेटियां इस योजना से लाभान्वित हो चुकी हैं।

इसके अलावा मुख्यमंत्री महालक्ष्मी किट योजना के माध्यम से प्रसव के बाद महिलाओं को मातृ एवं शिशु देखभाल के लिए आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है। सरकार का उद्देश्य महिलाओं को रोजगार, स्वरोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाकर उनकी सामाजिक एवं आर्थिक भागीदारी को मजबूत करना है।

8.26 ग्राम स्मैक के साथ दो तस्कर गिरफ्तार, बाइक बरामद

उत्तम भारत संवाददाता

बाजपुर। नशा मुक्त देवभूमि अभियान के तहत बाजपुर कोतवाली पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से कुल 8.26 ग्राम स्मैक (हेरोइन) बरामद की है। एक आरोपी के पास से तस्करी में इस्तेमाल की जा रही मोटरसाइकिल भी बरामद हुई है। पुलिस के अनुसार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ऊधम सिंह नगर के निर्देश पर जिले में नशे के अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में 25 नवंबर को पुलिस की अलग-अलग टीमों ने कार्रवाई करते हुए राजेन्द्र सिंह रौतेला निवासी वार्ड नंबर एक, कालाढूंगी (नैनीताल) को 4.49 ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार किया। वहीं, दूसरे आरोपी विक्की निवासी नंदपुर नरका टोपा, बाजपुर के कब्जे से 3.77 ग्राम स्मैक और तस्करी में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद की गई।

पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ कोतवाली बाजपुर में एनडीपीएस एक्ट के तहत अलग-अलग मुकदमे दर्ज किए हैं। राजेन्द्र सिंह रौतेला के खिलाफ एफ आई आर संख्या 449/2026 तथा विक्की के खिलाफ एफआईआर संख्या 450/2026 दर्ज की गई है। आवश्यक वैधानिक कार्रवाई के बाद दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया।

कार्रवाई करने वाली पुलिस टीम में कोतवाली प्रभारी जसविन्दर सिंह, उपनिरीक्षक प्रहलाद सिंह, बन्नाखेड़ा चौकी प्रभारी सुरेन्द्र सिंह खड़ायत, एएसआई राकेश सिंह रौंकली, कांस्टेबल अमित देवरानी और मोहम्मद इरफान शामिल रहे। पुलिस ने बताया कि क्षेत्र में नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

17 दिसंबर को हल्द्वानी में मनेगा जिला स्तरीय पेंशनर दिवस

उत्तम भारत संवाददाता

हल्द्वानी। हल्द्वानी में आगामी 17 दिसंबर को जिला स्तरीय पेंशनर दिवस आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर 80 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ पेंशनरों को सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम के आयोजन को लेकर मुख्य कोषाधिकारी कमलेश भंडारी की अध्यक्षता में बुधवार को कोषागार हल्द्वानी में पेंशनर संगठनों के पदाधिकारियों के साथ बैठक हुई, जिसमें आयोजन की रूपरेखा और व्यवस्थाओं पर चर्चा कर आवश्यक निर्णय लिए गए।

शासन के निदेर्शों के अनुसार प्रत्येक



वर्ष 17 दिसंबर को जिलाधिकारी की अध्यक्षता और मुख्य कोषाधिकारी के समन्वय से जिला स्तरीय पेंशनर दिवस आयोजित किया जाता है।

बैठक में वरिष्ठ पेंशनरों के सम्मान के साथ उनकी समस्याओं पर संवाद और समाधान को भी कार्यक्रम का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाने पर जोर दिया गया। वक्ताओं ने कहा कि पेंशनर समाज के अनुभवी और सम्मानित सदस्य हैं। उनके लंबे सेवाकाल और समाज के प्रति योगदान को सम्मान देना सभी का दायित्व है। पेंशनर दिवस उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने और उनकी समस्याओं के समाधान का महत्वपूर्ण अवसर है। बैठक में मुख्य कोषाधिकारी कमलेश भंडारी, कोषाधिकारी हल्द्वानी द्वारिका प्रसाद वर्मा, सहायक कोषाधिकारी तथा पेंशनर संगठनों के पदाधिकारी एससी पंत, जेसी पंत, ईपीसी जोशी, विजय कुमार तिवारी, रमेश चंद्र पांडे, एलएम लोहनी, बीएस गैड़ा, वीर सिंह बिष्ट, यतीश पंत और गणेश चंद्र जोशी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय और स्विट्जरलैंड के बीच शैक्षणिक समझौता

उत्तम भारत संवाददाता

हल्द्वानी। उत्तराखंड मुक्त विश्व विद्यालय ने उच्च शिक्षा में तकनीकी नवाचार और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने के लिए स्विट्जरलैंड की स्विस यूनिवर्सिटी ऑफ एप्लाइड साइंसेज (एफएफएचएस) के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं। इस अवसर पर पाठ्यक्रम निर्माण एवं शिक्षण में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के उपयोग को लेकर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी भी आयोजित की गई।



कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी और कुलसचिव ने समझौते पर हस्ताक्षर किए। संगोष्ठी में विशेषज्ञों ने एआई आधारित पाठ्यक्रम विकास, डिजिटल शिक्षा और साइबर सुरक्षा के महत्व पर विचार रखे। कुलपति ने कहा कि बदलती तकनीक के अनुरूप शिक्षा व्यवस्था को विकसित करना समय की आवश्यकता है। इस साझेदारी से विद्यार्थियों को आधुनिक शिक्षण संसाधनों, शोध और अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक अनुभवों का लाभ मिलेगा।

शीतलहर से निपटने को पौड़ी प्रशासन अलर्ट

उत्तम भारत संवाददाता

पौड़ी/श्रीनगर गढ़वाल। शीतलहर से आमजन की सुरक्षा और जरूरतमंदों को राहत पहुंचाने के लिए पौड़ी जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया ने जिला कार्यालय के एनआईसी कक्ष में संबंधित अधिकारियों की बैठक लेकर शीतकालीन व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि ठंड के दौरान कोई भी निराश्रित या जरूरतमंद व्यक्ति खुले में रात बिताने को मजबूर न हो।

डीएम ने नगर निकायों और उपजिलाधिकारियों को रैन बसेरों में बिस्तर, कंबल, पेयजल, शौचालय और हीटर की पर्याप्त व्यवस्था करने को कहा। साथ ही बस स्टेशन, चौराहों, बाजारों और सार्वजनिक स्थलों पर नियमित अलाव जलाने तथा जरूरतमंदों को निःशुल्क कंबल वितरित करने के निर्देश दिए। पाला प्रभावित क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश देते हुए उन्होंने लोक निर्माण विभाग को संवेदनशील मार्गों और तीखे मोड़ों पर चूना व नमक



का छिड़काव कराने को कहा। बर्फबारी की आशंका वाले क्षेत्रों में भी आवश्यक तैयारियां रखने के निर्देश दिए। वहीं निराश्रित पशुओं के लिए गौशालाओं में सुरक्षित आश्रय, चारा, अलाव और दवाओं की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा।

स्वास्थ्य विभाग को ठंड से होने वाली बीमारियों, विशेषकर गर्भवती महिलाओं और स्ट्रोक के मरीजों की सुरक्षा को लेकर जागरूकता अभियान चलाने तथा प्रमुख स्थानों पर होर्डिंग लगाने के निर्देश दिए। इसके अलावा दूरस्थ क्षेत्रों में खाद्यान्न की उपलब्धता बनाए रखने और बिजली आपूर्ति बाधित होने पर तत्काल कार्रवाई करने को कहा। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि शीतलहर, पाला और बर्फबारी के दौरान जनसुरक्षा में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

कमिश्नरी में आग लगने का मॉक ड्रिल, 20 मिनट में पहुंची फायर और एसडीआरएफ की टीम

उत्तम भारत संवाददाता

नैनीताल। मंडलायुक्त कार्यालय में गुरुवार को शॉर्ट सर्किट से आग लगने की काल्पनिक घटना को लेकर मॉक ड्रिल आयोजित की गई। अभ्यास के दौरान आग बुझाने, घायलों को सुरक्षित निकालने और राहत-बचाव कार्यों का वास्तविक परिस्थितियों के अनुरूप परीक्षण किया गया। सूचना मिलने के करीब 20 मिनट के भीतर फायर सेफ्टी और एसडीआरएफ की टीमें मौके पर पहुंच गईं।

मॉक ड्रिल के दौरान दोपहर 12:17 बजे कमिश्नरी कार्यालय में शॉर्ट सर्किट से धुआं निकलने की सूचना आपदा कंट्रोल रूम को दी गई। जिला आपातकालीन परिचालन केंद्र के टोल फ्री नंबर 1077 पर सूचना मिलते ही संबंधित टीमें रवाना हो गईं। मौके पर पहुंचकर सबसे पहले बिजली आपूर्ति बंद कराई गई और आग बुझाने का अभियान शुरू किया गया। अभ्यास में आग से झुलसे दो तथा अफरातफरी में घायल हुए तीन कर्मचारियों को रेस्क्यू कर बीडी पांडे अस्पताल पहुंचाया गया।

अभ्यास के दौरान कमिश्नरी और



जिला न्यायालय के समीप लगे फायर हाइड्रेंट का प्रेशर कम मिलने तथा बिजली के तारों के कारण अग्निशमन वाहन के कमिश्नरी गेट तक नहीं पहुंच पाने जैसी खामियां सामने आईं। इस पर मंडलायुक्त दीपक रावत ने नाराजगी जताते हुए संबंधित अधिकारियों को तत्काल सुधार के निर्देश दिए। उन्होंने जल संस्थान के अभियंताओं को ऐतिहासिक, लकड़ी से निर्मित इमारतों और संवेदनशील क्षेत्रों में लगे सभी फायर हाइड्रेंट का प्रेशर जांचने तथा कमियों को दूर करने को कहा। साथ ही विद्युत तारों और अन्य केबलों की भी जांच कराने के निर्देश दिए। मंडलायुक्त ने कहा कि जिन क्षेत्रों में अग्निशमन विभाग के बड़े वाहन नहीं पहुंच सकते या रास्तों में सीढ़ियों के कारण आवागमन बाधित है, वहां का विस्तृत आकलन कर वैकल्पिक राहत एवं बचाव व्यवस्था तैयार की जाए। उन्होंने कहा कि मॉक ड्रिल का उद्देश्य आपात स्थिति में विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय, त्वरित प्रतिक्रिया और आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

इस दौरान अपर आयुक्त त्रिलोक सिंह मर्तोलिया सहित संबंधित विभागों के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

ऑपरेशन ट्रैक-7 में नैनीताल पुलिस की बड़ी कार्रवाई, भारी मात्रा में नशीले पदार्थ बरामद

उत्तम भारत संवाददाता

हल्द्वानी। नशे के अवैध कारोबार और आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए नैनीताल पुलिस ने दो दिवसीय विशेष अभियान ऑपरेशन ट्रैक-7 के तहत व्यापक कार्रवाई की। एसएसपी डॉ. मंजूनाथ टीसी के निर्देशन में चलाए गए अभियान के दौरान पुलिस ने 48.14 ग्राम स्मैक, 103 ग्राम चरस और 34.308 किलोग्राम गांजा बरामद किया। इसके अलावा नशीले इंजेक्शन और टैबलेट भी जब्त किए गए। विभिन्न मामलों में आरोपियों के कब्जे से 3.54 लाख रुपये से अधिक की नकदी भी बरामद हुई।

पुलिस ने कार्रवाई के दौरान चार एविल इंजेक्शन, चार ब्यूप्रेन इंजेक्शन और 22 ब्यूप्रेन टैबलेट भी बरामद कीं। अभियान के तहत संदिग्ध व्यक्तियों के खिलाफ 218 चालान किए गए तथा 54,500 रुपये का संयोजन शुल्क वसूला गया। वहीं, आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त एक आरोपी को जिला बदर किया गया, जबकि बीएनएसएस की धारा 172(2) के तहत पांच आरोपियों को निरुद्ध किया गया।

एसएसपी डॉ. मंजूनाथ टीसी ने अभियान के माध्यम से नशे के अवैध कारोबार में संलिप्त लोगों और संदिग्ध गतिविधियों में शामिल व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। पुलिस ने स्पष्ट किया कि जनपद में कानून व्यवस्था बनाए रखने और नशे के कारोबार पर प्रभावी रोक लगाने के लिए इस तरह के अभियान आगे भी जारी रहेंगे।

संविधान दिवस पर कांग्रेस का राजभवन कूच

उत्तम भारत संवाददाता

देहरादून। संविधान दिवस पर उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने गुरुवार को केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकार के खिलाफ ह्यसंविधान बचाओ मार्चह्न निकाला। प्रदेश प्रभारी कुमारी शैलजा के नेतृत्व में कांग्रेस मुख्यालय से राजभवन तक निकाले गए मार्च में नेताओं और कार्यकताओं ने भ्रष्टाचार की प्रतीकात्मक पोटली लेकर विरोध जताया।

कांग्रेस नेताओं ने भाजपा सरकार पर भ्रष्टाचार, जनहित के मुद्दों की अनदेखी और संवैधानिक मूल्यों को कमजोर करने के आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि संविधान में दिए गए समानता, स्वतंत्रता और न्याय के अधिकारों की रक्षा के लिए कांग्रेस संघर्ष जारी रखेगी।



मार्च में प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल, पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत, नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा, प्रीतम सिंह, डॉ. हरक सिंह रावत सहित अनेक वरिष्ठ नेता, विधायक और कार्यकर्ता शामिल रहे।

देहरादून

विजय कॉलोनी में 5.36 करोड़ से बनेगा दो लेन पुल, गणेश जोशी ने किया शिलान्यास

सड़कों के निर्माण पर भी खर्च होंगे 227 लाख रुपये

उत्तम भारत संवाददाता

देहरादून। विजय कॉलोनी क्षेत्र में आवागमन की सुविधा बेहतर बनाने के लिए न्यू कैंट रोड पर 30 मीटर स्पान के दो लेन पुल का निर्माण किया जाएगा। बृहस्पतिवार को कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने राज्य योजना के तहत 536.10 लाख रुपये की लागत से बनने वाले पुल का शिलान्यास किया। इस अवसर पर मंत्री ने कहा कि विजय कॉलोनी से उनका विशेष



जुड़ाव है और वर्ष 2027 की विजयगाथा का आगाज इसी वार्ड से होगा। उन्होंने बताया कि एमडीडीए के माध्यम से सड़कों के निर्माण पर 132 लाख रुपये तथा मुख्यमंत्री की घोषणा के तहत करीब 95 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। लोक निर्माण विभाग के माध्यम से भी सड़क निर्माण के प्रस्ताव भेजे गए हैं। क्षेत्र में सामुदायिक भवनों का निर्माण भी कराया जा रहा है।

मंत्री ने अधिकारियों को पुल निर्माण में गुणवत्ता बनाए रखने और निर्धारित समय सीमा में कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में सरकार क्षेत्र की बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष प्रदीप रावत, पार्षद भूपेंद्र कठैत, संजय नौटियाल, बीएन द्विवेदी सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के धरने को पूर्व मेयर गौरव गोयल ने दिया समर्थन

उत्तम भारत संवाददाता

रुड़की। पुरानी कचहरी परिसर में 23 अक्टूबर से मानदेय वृद्धि सहित दो सूत्रीय मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन धरने पर बैठी आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को पूर्व मेयर गौरव गोयल ने समर्थन दिया। उन्होंने धरना स्थल पर पहुंचकर कार्यकत्रियों की मांगों को जायज बताते हुए सरकार से तत्काल पूरा करने की अपील की।

ब्लॉक अध्यक्ष ममता पुरी ने बताया कि उनकी प्रमुख मांगों में सेवानिवृत्ति पर 10 लाख रुपये की आर्थिक सहायता और मानदेय बढ़ाकर 24 हजार रुपये प्रतिमाह करना शामिल है। उन्होंने कहा कि सरकार ने एक



दिसंबर तक मानदेय बढ़ाने का आश्वासन दिया है, लेकिन पहले भी कई बार आश्वासन मिलने के बावजूद ठोस कार्रवाई नहीं हुई। मांगें पूरी होने तक आंदोलन जारी रहेगा।

पूर्व मेयर गौरव गोयल ने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाती हैं। उनकी मांगें जायज हैं और सरकार को इन पर शीघ्र निर्णय लेना चाहिए। इस दौरान अंजू, अनुराधा, राधा देवी, रोमी, रूबी, ममता गोयल सहित बड़ी संख्या में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां मौजूद रहीं।

सपना चौहान बनीं अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार जर्नलिस्ट एसोसिएशन की हरिद्वार जिलाध्यक्ष

उत्तम भारत संवाददाता

रुड़की। अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार जर्नलिस्ट एसोसिएशन ने संगठन का विस्तार करते हुए पत्रकार सपना चौहान को हरिद्वार जनपद का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया है। देहरादून स्थित राष्ट्रीय कार्यालय में आयोजित बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष अकील खान के निर्देश पर राष्ट्रीय महासचिव जीएस मिश्रा और राष्ट्रीय संयुक्त सचिव सूरजभान चौहान की अनुशंसा पर यह नियुक्ति की गई।

राष्ट्रीय अध्यक्ष अकील खान ने कहा कि संगठन का उद्देश्य मानवाधिकारों की रक्षा, पत्रकारों के उत्पीड़न के खिलाफ आवाज उठाना और गरीब, असहाय एवं पीड़ित लोगों को न्याय दिलाने में सहयोग करना है। उन्होंने विश्वास जताया कि सपना चौहान अपने दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करते



हुए हरिद्वार में संगठन को मजबूत करेंगी। नवनियुक्त जिलाध्यक्ष सपना चौहान ने राष्ट्रीय नेतृत्व का आभार जताते हुए कहा कि वह पूरी ईमानदारी और समर्पण के साथ जिम्मेदारी निभाएंगी। उनका प्रयास रहेगा कि जिले में मानवाधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़े और जरूरतमंदों को न्याय दिलाने में संगठन प्रभावी भूमिका निभाए।

इस अवसर पर राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष बीपी शर्मा, राष्ट्रीय महासचिव सलीम भारती, एडवोकेट गुलबहार राव, आमिर मिर्जा, रजिया, ललिता बौद्धा, समीर मलिक और आमिर सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

संविधान सामाजिक समरसता और राष्ट्र निर्माण का आधार : राम माधव



उत्तम भारत संवाददाता

देहरादून। भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राम माधव ने कहा कि भारतीय संविधान देश की एकता, अखंडता, सामाजिक समरसता और लोकतंत्र का आधार है। संविधान प्रत्येक नागरिक को समान अधिकार और अवसर प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि संविधान को खतरा बताकर राजनीतिक भ्रम फैलाया जा रहा है, जबकि कांग्रेस को अपने राजनीतिक अस्तित्व की चिंता है।

राम माधव गुरुवार को संविधान दिवस पर दून मेडिकल कॉलेज, देहरादून में आयोजित प्रबुद्ध जन सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के योगदान को याद करते हुए कहा कि संविधान के मूल सिद्धांतों और लोकतांत्रिक मूल्यों का सम्मान करना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। उन्होंने युवाओं और प्रबुद्धजनों से संविधान में निहित अधिकारों के साथ नागरिक कर्तव्यों की जानकारी भी समाज तक पहुंचाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट, प्रदेश महामंत्री संगठन फणींद्रनाथ शर्मा, कार्यक्रम संयोजक राकेश गिरी, सिद्धार्थ उमेश अग्रवाल सहित शिक्षाविद्, अधिवक्ता और विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

जनगणना-2027 को लेकर दून विश्वविद्यालय में जागरूकता शिविर युवाओं से स्व-गणना की अपील



उत्तम भारत संवाददाता

देहरादून। जनगणना-2027 के तहत डिजिटल स्व-गणना को बढ़ावा देने के लिए गुरुवार को दून विश्वविद्यालय में जागरूकता एवं सहायता शिविर आयोजित किया गया। जनगणना कार्य निदेशालय, उत्तराखंड की निदेशक इवा आशीष श्रीवास्तव ने छात्र-छात्राओं और शिक्षकों को ऑनलाइन स्व-गणना की प्रक्रिया समझाते हुए अधिक से अधिक लोगों को इससे जोड़ने की अपील की। कुलपति प्रो. सुरेखा डंगवाल ने कहा कि युवा डिजिटल माध्यम से समाज में जागरूकता फैलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। शिविर में उप निदेशक आरके बनवारी और तकनीकी टीम ने ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से स्व-गणना का लाइव डेमो दिया तथा प्रतिभागियों को मौके पर ही प्रक्रिया पूरी करने में सहायता प्रदान की।

आपदा में अहम भूमिका निभा सकते हैं गाइड्स : राज्यपाल

संविधान दिवस पर युवाओं से राष्ट्रहित, सेवा और सामाजिक जिम्मेदारी निभाने का आह्वान

उत्तम भारत संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड जैसे आपदा संवेदनशील राज्य में स्काउट्स एवं गाइड्स आपदा प्रबंधन और राहत-बचाव कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। यदि ग्रामीण युवाओं, किसानों और विद्यार्थियों को भी आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण दिया जाए तो राहत दलों के पहुंचने से पहले स्थानीय स्तर पर प्रभावित लोगों को तत्काल सहायता मिल सकती है। यह बात राज्यपाल डॉ. ढाल सिंह बिसेन ने गुरुवार को लोक भवन में हिन्दुस्तान स्काउट्स एवं गाइड्स के स्थापना दिवस पर कही।

स्थापना दिवस के अवसर पर संगठन के प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल से भेंट की। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने उन्हें संगठन का बैज और स्कार्फ पहनाकर सम्मानित किया तथा संगठन की गतिविधियों, उपलब्धियों और



भावी योजनाओं की जानकारी दी।

राज्यपाल ने स्थापना दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि स्काउट्स एवं गाइड्स युवाओं में अनुशासन, सेवा, सहयोग, नेतृत्व क्षमता और राष्ट्रप्रेम की भावना विकसित करने का सशक्त माध्यम हैं। उन्होंने कहा कि संविधान दिवस के अवसर पर युवाओं को संविधान में निहित एकता, समरसता, भाईचारे और राष्ट्रीय कर्तव्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहरानी चाहिए।

उन्होंने कहा कि आपदा के समय शुरूआती सहायता बेहद महत्वपूर्ण होती है। स्काउट्स एवं गाइड्स के साथ ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं और शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों को प्रशिक्षित करने से जनहानि और संपत्ति के नुकसान को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

राज्यपाल ने युवाओं से राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए समाज सेवा के कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। उन्होंने सही संगति और अच्छे संस्कारों को जीवन की सफलता का आधार बताते हुए युवाओं को नशे से दूर रहने और समाज में इसके विरुद्ध जागरूकता फैलाने की अपील की।

जल्दी शुरू होगा डामरीकरण व सुधारीकरण का कार्य-मंत्री कैड़ा

उत्तम भारत संवाददाता

भीमताल। विधानसभा के रामगढ़ ब्लॉक के मल्ला रामगढ़ से उमागढ़ मोटर मार्ग लम्बे समय से खराब था, जिस कारण ग्रामीणों, किसानो, को अवागमन मै काफी परेशानियों का समना करना पड़ रहा था, बरसात के दिनों ग्रामीणों को काफी परेशानिया होती थी ग्रामीणों ने मंत्री राम सिंह कैड़ा से मोटर मार्ग पर सुधारीकरण व डामरीकरण करने की मांग की! मंत्री कैड़ा ने जनता की समस्याओं को देखते हुऐ स्र६ि विभाग के अधिकारियो से डीपीआर तैयार कर शासन को भेजनें को कहा था, मंत्री कैड़ा ने मल्ला रामगढ़ से



उमागढ़ मोटर मार्ग पर डामरीकरण, सुधारीकरण के लिए 1करोड़ 78 लाख स्वीकृति कर !जिसका शासन से शासनादेश जारी करा दिया है मंत्री कैड़ा ने अधिकारियो से शीघ्र टैण्डर प्रकिया पूर्ण करने के निर्देश दिये है मंत्री कैड़ा ने कहा जल्दी मोटर मार्ग पर, सुधारीकरण व डामरीकरण का कार्य किया जायेगा! मंत्री कैड़ा ने कहा भीमताल विधानसभा क्षेत्र के ओखलकांडा, धारी,, रामगढ़ व भीमताल ब्लॉक के क्षतिग्रस्त मोटर मार्गो पर लगातार डामरीकरण करने का कार्य किया जा रहा है! क्षेत्र जी जनता ने मंत्री कैड़ा का आभार व्यक्त किया! मंत्री कैड़ा ने कहा प्रदेश की जनता की समस्याओं का समाधान हो इस दिशा में हमारी सरकार लगातार कार्य कर रही है! मंत्री कैड़ा ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त कर धन्यवाद दिया!

एंटीबायोटिक का गलत इस्तेमाल बढ़ा रहा स्वास्थ्य संकट : राज्यपाल

उत्तम भारत संवाददाता

देहरादून। राज्यपाल डॉ. ढाल सिंह बिसेन ने कहा कि बिना चिकित्सकीय सलाह एंटीबायोटिक का सेवन और निर्धारित अवधि से पहले दवा बंद करना गंभीर स्वास्थ्य संकट को बढ़ावा दे रहा है। रोगाणुरोधी प्रतिरोध (एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस) चिकित्सा जगत के सामने बड़ी चुनौती है। उन्होंने फार्मासिस्टों से मरीजों को दवाओं के सही इस्तेमाल के प्रति जागरूक करने की अपील की।

गढ़ी कैंट स्थित हिमालयन सांस्कृतिक केंद्र में विश्व फार्मासिस्ट दिवस एवं राष्ट्रीय फार्मेसी सप्ताह-2026 के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में राज्यपाल ने कहा कि फार्मासिस्ट स्वास्थ्य सेवाओं की अहम कड़ी हैं।



दवाओं की सही खुराक, सेवन का समय और सावधानियों की जानकारी देना उनकी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत, आयुष्मान आरोग्य मंदिर और जनऔषधि परियोजना जैसी योजनाएं सस्ती एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने में सहायक हैं। उत्तराखंड के दूरस्थ पर्वतीय क्षेत्रों तक दवाएं पहुंचाने में फार्मासिस्टों की भूमिका अहम है। साथ ही राज्य की औषधीय वनस्पतियों पर शोध और औषधि उद्योग के विकास की अपार संभावनाएं हैं।

संविधान के मूल्यों और महिला अधिकारों के प्रति जागरूक रहें युवा

उत्तम भारत संवाददाता

पौड़ी। संविधान दिवस एवं महिलाओं के विरुद्ध हिंसा उन्मूलन के अंतरराष्ट्रीय दिवस पर गुरुवार को हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय के बीजीआर परिसर में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किया गया।

शिविर में प्राधिकरण की सचिव एवं सिविल जज नाज़िश कलीम ने विद्यार्थियों को संविधान के मौलिक अधिकारों, कर्तव्यों और महिलाओं के कानूनी अधिकारों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि संविधान प्रत्येक नागरिक को समानता, स्वतंत्रता और न्याय का अधिकार देता है। महिलाओं के विरुद्ध हिंसा और लैंगिक भेदभाव



समाप्त करने के लिए सामाजिक जागरूकता जरूरी है। उन्होंने निःशुल्क कानूनी सहायता की जानकारी देते हुए हेल्पलाइन नंबर 15100 भी बताया।

इस अवसर पर आयोजित निबंध प्रतियोगिता में खुशबू भट्ट प्रथम, शिवम नेगी द्वितीय और निशांत गोदियाल तृतीय रहे। चित्रकला प्रतियोगिता में सुरभि थपलियाल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। विजेताओं को पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में अधिवक्ता गजेन्द्र सिंह रावत, विभागाध्यक्ष रामप्रकाश, पंकज कार्की, सोना धंगार सहित विद्यार्थी मौजूद रहे।

संविधान के आदर्शों को जीवन में उतारना हर नागरिक का कर्तव्य : राज्यपाल



उत्तम भारत संवाददाता

देहरादून। संविधान दिवस के अवसर पर गुरुवार को लोक भवन में आयोजित कार्यक्रम में राज्यपाल डॉ. ढाल सिंह बिसेन ने संविधान की उद्देशिका का पाठ किया और अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संवैधानिक मूल्यों के पालन की शपथ दिलाई। राज्यपाल ने कहा कि संविधान केवल अधिकारों का दस्तावेज नहीं, बल्कि लोकतंत्र, राष्ट्रीय एकता और नागरिकों की गरिमा का आधार है। संविधान में निहित न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुता के आदर्शों को प्रत्येक नागरिक को अपने जीवन में अपनाना चाहिए। उन्होंने संविधान निमार्ता डॉ. भीमराव आंबेडकर सहित संविधान सभा के सदस्यों को नमन करते हुए कहा कि संविधान दिवस अपने अधिकारों के साथ मूल कर्तव्यों के प्रति जिम्मेदारी समझने का भी अवसर है। उन्होंने प्रदेशवासियों से संवैधानिक मूल्यों को अपनाकर राष्ट्र की एकता, अखंडता और लोकतांत्रिक परंपराओं को मजबूत बनाने का आह्वान किया।

चार पुलिस अधिकारियों को भावभीनी विदाई, सेवाओं को किया याद

उत्तम भारत संवाददाता

गोपेश्वर। चमोली पुलिस परिवार की ओर से गुरुवार को पुलिस कार्यालय गोपेश्वर में स्थानांतरित चार पुलिस अधिकारियों को भावभीनी विदाई दी गई। आगामी विधानसभा चुनाव के दृष्टिगत निरीक्षक राकेश भट्ट का हरिद्वार, निरीक्षक चित्रगुप्त का पौड़ी गढ़वाल तथा



उपनिरीक्षक लक्ष्मी प्रसाद बिजल्वाण और नवनीत भंडारी का देहरादून स्थानांतरण हुआ है।

ईमानदारी और निष्पक्षता पुलिस सेवा की पहचान : राज्यपाल

उत्तम भारत संवाददाता

देहरादून। पुलिस सेवा केवल कानून-व्यवस्था बनाए रखने का माध्यम नहीं, बल्कि समाज में सुरक्षा और विश्वास का वातावरण कायम करने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी भी है। इसमें ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा, अनुशासन और निष्पक्षता सर्वोपरि हैं। यह बात राज्यपाल डॉ. ढाल सिंह बिसेन ने गुरुवार को लोक भवन में प्रशिक्षु आईपीएस अधिकारी दीपेश सिंह कैड़ा और राजहंस सिंह



से मुलाकात के दौरान कही। राज्यपाल ने दोनों अधिकारियों को पुलिस सेवा में चयनित होने पर बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य और सफल सेवाकाल की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि पुलिस अधिकारियों को अपनी जिम्मेदारियों के प्रति सदैव सजग रहना चाहिए और जनसेवा की भावना को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि संवेदनशील और कर्तव्यनिष्ठ पुलिस अधिकारी कानून-व्यवस्था मजबूत करने के साथ आमजन में सुरक्षा और विश्वास की भावना भी पैदा करता है।

संविधान के मूल्यों की रक्षा और राष्ट्रसेवा का संकल्प लिया चमोली पुलिस ने

पुलिस कार्यालय, पुलिस लाइन और थानों में हुए कार्यक्रम, पुलिसकर्मियों ने ली संविधान की प्रस्तावना की शपथ



उत्तम भारत संवाददाता

गोपेश्वर। संविधान दिवस के अवसर पर चमोली पुलिस ने गुरुवार को संवैधानिक मूल्यों की रक्षा, राष्ट्र की एकता और अखंडता बनाए रखने तथा जनसेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। इस अवसर पर पुलिस कार्यालय, पुलिस लाइन गोपेश्वर और जनपद के सभी थानों में कार्यक्रम आयोजित किए गए।

पुलिस लाइन में पुलिस उपाधीक्षक मदन सिंह बिष्ट ने पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को संविधान की प्रस्तावना की शपथ दिलाई। उन्होंने पुलिसकर्मियों से संविधान में निहित न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुता के आदर्शों को अपने आचरण और कार्यशैली में अपनाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में पुलिसकर्मियों ने राष्ट्र की एकता, अखंडता और संप्रभुता की रक्षा के साथ नागरिकों के अधिकारों एवं सम्मान की सुरक्षा का संकल्प लिया। साथ ही पूर्ण निष्ठा, ईमानदारी, अनुशासन और संवेदनशीलता के साथ कर्तव्यों का निर्वहन करने तथा आमजन के प्रति निष्पक्ष व्यवहार बनाए रखने के लिए प्रेरित किया गया। उल्लेखनीय है कि 26 नवंबर 1949 को संविधान सभा ने भारतीय संविधान को अंगीकृत किया था। इसी उपलक्ष्य में प्रतिवर्ष 26 नवंबर को संविधान दिवस मनाया जाता है।

खोया क्रिकेट बैट ढूंढने थाने पहुंचा मासूम गोपेश्वर पुलिस ने लौटाई चेहरे की मुस्कान



उत्तम भारत संवाददाता

गोपेश्वर। किसी बच्चे के लिए उसका पसंदीदा क्रिकेट बैट सिर्फ सामान नहीं, बल्कि उसकी खुशियों का हिस्सा होता है। ऐसा ही एक मामला गोपेश्वर में सामने आया, जहां खोया क्रिकेट बैट वापस पाने की उम्मीद लेकर थाने पहुंचे मासूम को पुलिस ने निराश नहीं किया।

कुंजौ मैकोट निवासी बालक रविन्द्र सिंह बिष्ट का क्रिकेट बैट स्कूटी से जाते समय रास्ते में गिर गया था। पीछे से आ रहे एक वाहन चालक ने बैट उठाकर अपने वाहन में रख लिया। बैट खोने से मायूस रविन्द्र थाना गोपेश्वर पहुंचा और पुलिस से मदद मांगी।

बालक की परेशानी समझते हुए थानाध्यक्ष नवनीत भंडारी ने तत्काल पुलिस टीम को बैट की तलाश में लगाया। टीम ने नगर क्षेत्र के विभिन्न सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और बैट ले जाने वाले वाहन का पता लगाकर उसे बरामद कर लिया। इसके बाद खोया हुआ बैट बालक को सौंप दिया गया। अपना पसंदीदा बैट वापस पाकर रविन्द्र के चेहरे पर खुशी लौट आई। पुलिस की इस संवेदनशील पहल की सराहना हो रही है। गोपेश्वर पुलिस ने साबित किया कि खाकी का मानवीय चेहरा किसी मासूम की मुस्कान लौटाने में भी नजर आता है।

आपदा से बचाव के गुर सीखेंगे विद्यार्थी, 170 से अधिक छात्र-छात्राओं को दिया प्रशिक्षण



उत्तम भारत संवाददाता

चम्पावत। आपदा के समय सतर्कता और सही जानकारी कई जिंदगियां बचा सकती है। इसी उद्देश्य से राज्य आपदा प्रबंधन दिवस के अवसर पर गुरुवार को अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कॉलेज पाटी में जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें 170 से अधिक छात्र-छात्राओं और शिक्षकों को आपदा से बचाव के व्यावहारिक तरीके सिखाए गए। एसडीआरएफ, अग्निशमन एवं आपात सेवा लोहाघाट तथा पाटी पुलिस की ओर से आयोजित कार्यक्रम में भूकंप के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों, मॉक ड्रिल और सुरक्षित निकासी का प्रशिक्षण दिया गया। इसके साथ ही स्ट्रेचर निर्माण, प्राथमिक उपचार और अग्नि सुरक्षा के उपायों की जानकारी भी दी गई।

प्रशिक्षकों ने विद्यार्थियों को आपात स्थिति में घबराने के बजाय सूझबूझ और सतर्कता से काम लेने के तरीके बताए। प्रशिक्षण के दौरान विभिन्न सुरक्षा उपायों का व्यावहारिक अभ्यास भी कराया गया।

चम्पावत पुलिस ने लोगों से अपील की कि आपदा के समय धैर्य बनाए रखें और सुरक्षा संबंधी उपायों का पालन करें। पुलिस के अनुसार जागरूकता और पूर्व तैयारी से आपदा के दौरान होने वाले नुकसान को कम किया जा सकता है।

चम्पावत पुलिस ने ली संविधान के मूल्यों की रक्षा और निष्पक्ष जनसेवा की शपथ



उत्तम भारत संवाददाता

चम्पावत। संविधान दिवस के अवसर पर गुरुवार को चम्पावत पुलिस ने संवैधानिक मूल्यों की रक्षा और निष्पक्ष जनसेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। इस अवसर पर पुलिस कार्यालय सहित जनपद के सभी थानों, चौकियों, पुलिस लाइन और फायर स्टेशनों में सामूहिक शपथ कार्यक्रम आयोजित किए गए।

पुलिस कार्यालय में पुलिस अधीक्षक श्रीमती रेखा यादव और क्षेत्राधिकारी देवेन्द्र सिंह कप्रवाण ने पुलिसकर्मियों को भारतीय संविधान की प्रस्तावना की शपथ दिलाई। इस दौरान पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने संविधान में निहित न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुता के आदर्शों को अपने आचरण में अपनाने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम में राष्ट्र की एकता और अखंडता की रक्षा करने के साथ नागरिकों के अधिकारों एवं सम्मान को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की प्रतिबद्धता जताई गई। पुलिसकर्मियों को पूरी ईमानदारी, निष्पक्षता और कर्तव्यनिष्ठा के साथ आमजन की सेवा करने के लिए प्रेरित किया गया।

चम्पावत पुलिस ने कहा कि संविधान के मूल्यों का सम्मान और उनका पालन प्रत्येक नागरिक एवं लोकसेवक की जिम्मेदारी है।

पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा को लेकर पुलिस अलर्ट, परीक्षा केंद्रों का किया निरीक्षण

उत्तम भारत संवाददाता

रुद्रप्रयाग। उत्तराखंड सम्मिलित राज्य सिविल/प्रवर अधीनस्थ सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2026 को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष संपन्न कराने के लिए रुद्रप्रयाग पुलिस ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में पुलिस उपाधीक्षक अवनी तिवारी ने प्रभारी निरीक्षक अशोक कुमार के साथ विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया।

इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था, अभ्यर्थियों के आवागमन और कानून-व्यवस्था से जुड़ी तैयारियों का जायजा लिया गया। उन्होंने परीक्षा केंद्रों के प्रधानाचार्यों एवं प्रबंधकों से भी जानकारी ली।

सीओ ने संबंधित अधिकारियों को परीक्षा केंद्रों के आसपास शांति व्यवस्था बनाए रखने, यातायात सुचारू रखने और किसी भी प्रकार की अव्यवस्था रोकने के लिए सतर्क रहने के निर्देश दिए। साथ ही परीक्षा की निष्पक्षता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक इंतजाम समय से पूरे करने को कहा।

30 नवम्बर तक कर सकते हैं नंदा-गौरा योजना के लिए आवेदन: नीतू

नई टिहरी (एजेंसी)। प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी नंदा गौरा योजना के लाभार्थियों के लिए अच्छी खबर है। इस योजना से वंचित रहे गए अभ्यर्थी 30 नवम्बर तक पुनः आवेदन कर सकते हैं। योजना के तहत 12वीं पास बालिका को 51 हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी जाती है। बाल विकास परियोजना अधिकारी नीतू बधानी ने बताया कि वर्ष 2026 में नंदा गौरा योजना के अंतर्गत कीर्तिनगर ब्लॉक से कुल 121 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इनमें से 101 आवेदनों को आवश्यक प्रक्रिया के बाद जनपद स्तर के लिए अग्रसारित किया जा चुका है।

मुनिकीरेती से कीर्तिनगर तक हाईवे का सेफ्टी ऑडिट करें: डीएम

नई टिहरी, (एजेंसी)। जिलाधिकारी नितिका खंडेलवाल की अध्यक्षता में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। जिसमें जिले में जनवरी से अक्तूबर तक घटित सड़क दुर्घटनाओं का तुलनात्मक विवरण प्रस्तुत किया गया। इसमें दुर्घटनाओं का प्रत्येक स्तर का विश्लेषण किया गया।

वीरवार को जिला सभागर में हुई बैठक में बीते 17 नवम्बर को ऋषिकेश-बदरीनाथ हाईवे पर गूलर में हुई सड़क दुर्घटना पर विस्तार से चर्चा की गई। डीएम ने एआरटीओ को निर्देश दिए कि इंडियन रोड कांग्रेस (आईआरसी) की गाइडलाइन के अनुरूप अधिकृत एवं प्रमाणित रोड सेफ्टी कंसल्टेंट के माध्यम से मुनिकीरेती से कीर्तिनगर तक सड़क का सेफ्टी ऑडिट कराएं। जिससे दुर्घटना संभावित स्थलों की पहचान कर आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाए जा सकें।

जनपद के सभी तीव्र मार्गों पर रिफ्लेक्टर तत्काल लगाने के निर्देश दिए। कहा कि सड़क सुरक्षा के दृष्टिगत किए जा रहे कार्यों की प्रगति एवं अनुपालन रिपोर्ट आगामी बैठक में प्रस्तुत करें। बैठक में बीआरओ ने सड़क मार्गों पर किए जा रहे पैचवर्क एवं रम्बल स्ट्रिप कार्यों की जानकारी दी गई। क्रैश बैरियर स्थापित किए जाने के कार्यों की प्रगति तथा परिवहन विभाग द्वारा नई सड़कों के संबंध में किए गए निरीक्षण एवं अनुमोदन की जानकारी भी प्रस्तुत की गई। डीएम ने एआरटीओ ज्योति शंकर मिश्रा व राजेंद्र बिराटिया और सीएमओ राम प्रकाश को पीएम-राहत योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार के निर्देश दिए।

दो लाख किसानों को 600 करोड़ रुपये ऋण देने का लक्ष्य : धन सिंह रावत



उत्तम भारत संवाददाता

देहरादून। प्रदेश के सहकारिता मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि सरकार इस वर्ष सहकारी बैंकों के माध्यम से दो लाख किसानों को 600 करोड़ रुपये का ऋण वितरित करेगी। इसके लिए एक दिसंबर से प्रदेश के सभी 95 विकासखंडों में सहकारिता ऋण मेले आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने अधिकारियों को ऋण वितरण प्रक्रिया सरल बनाने और जनप्रतिनिधियों की भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

गुरुवार को सहस्त्रधारा रोड स्थित नाबार्ड मुख्यालय में सहकारिता विभाग एवं नाबार्ड की समीक्षा बैठक में मंत्री ने जिला सहकारी बैंकों के करीब 400 करोड़ रुपये के एनपीए की वसूली के लिए प्रभावी कार्ययोजना बनाने को कहा। उन्होंने अधिकारियों को सात दिसंबर तक योजनाओं की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए।

बैठक में ऋण वितरण की जनपदवार समीक्षा में चमोली 63 प्रतिशत उपलब्धि के साथ आगे रहा। वहीं ऊधमसिंह नगर में 52, अल्मोड़ा में 50 और हरिद्वार में 49 प्रतिशत लक्ष्य हासिल किया गया। मंत्री ने दीनदयाल उपाध्याय सहकारिता किसान कल्याण योजना के तहत शून्य ब्याज पर ऋण वितरण की भी समीक्षा की। बैठक में नाबार्ड और सहकारिता विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

नदियों में गिरने वाले सात नालों को एसटीपी से जोड़ा जाएगा : डीएम



उत्तम भारत संवाददाता

देहरादून। शहर की रिस्पना और बिंदाल नदियों को प्रदूषणमुक्त बनाने के लिए जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने अधिकारियों को नदियों में सीधे गिरने वाले सात नालों को सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) से जोड़ने के निर्देश दिए हैं। गुरुवार को जिला गंगा संरक्षण समिति की बैठक में उन्होंने निमार्णाधीन एसटीपी का काम जल्द पूरा करने और प्रस्तावित नए प्लांट का निर्माण चुनाव आचार संहिता लागू होने से पहले शुरू कराने को कहा।

डीएम ने नदी किनारे संवेदनशील स्थानों पर जाली और स्क्रीन लगाने, कूड़ा डालने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने तथा सभी घरों को सीवेज कनेक्शन से जोड़ने के निर्देश दिए। उन्होंने सेप्टिक टैंकरों के अपशिष्ट का एसटीपी में उपचार के बाद ही निस्तारण सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया।

बैठक में बताया गया कि देहरादून में 166.45 एमएलडी क्षमता के 15 एसटीपी संचालित हैं। निर्धारित 1,55,601 सीवेज कनेक्शन के लक्ष्य के सापेक्ष अब तक 73,767 घरों को कनेक्शन दिए जा चुके हैं। इसके अलावा सात नए एसटउीपी प्रस्तावित हैं। डीएम ने कचरा प्रबंधन और बायोमेडिकल वेस्ट के सुरक्षित निस्तारण को लेकर भी अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

शैक्षणिक सहयोग को लेकर अनुबंध



हल्द्वानी (एजेंसी)। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी एवं स्विट्जरलैंड स्थित स्विस यूनिवर्सिटी ऑफ एप्लाइड साइंसेज (ऋक्षहृर) के मध्य शैक्षणिक सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। यह समझौता दोनों संस्थानों के मध्य अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक सहयोग, ज्ञान एवं अनुभव के आदान-प्रदान तथा भविष्य में संयुक्त शैक्षणिक गतिविधियों के संचालन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अंतरराष्ट्रीय संबंध प्रकोष्ठ द्वारा अंतरराष्ट्रीय अतिथि प्राध्यापक फेलोशिप कार्यक्रम के अंतर्गत ह्यपाठ्यक्रम निर्माण एवं शिक्षण में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का समावेशह्ण विषय पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन भी किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं विश्वविद्यालय के कुलगीत के गायन के साथ हुआ। कार्यक्रम का समन्वयन जितेंद्र पांडे ने किया। एफएफएचएस के प्रो. तोबियास हैबरलिन एवं अन्जा बूरों ऑनलाइन माध्यम से कार्यक्रम से जुड़े।

स्वागत संबोधन प्रो. पीडी पंत ने दिया। उन्होंने कहा कि यह समझौता विश्वविद्यालय के शैक्षणिक प्रयासों को सुदृढ़ करने में सहायक होगा। उन्होंने पाठ्यक्रम विकास में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के बढ़ते महत्व पर भी प्रकाश डाला। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी ने स्विट्जरलैंड में टैगोर चेयर फेलोशिप के दौरान अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा कि स्विट्जरलैंड की शैक्षणिक गतिविधियों में गुणवत्ता और केंद्रित दृष्टिकोण स्पष्ट दिखाई देता है। उन्होंने डॉ. लुसिने मक्त्र्च्यान के विश्वविद्यालय प्रवास के दौरान उनके साथ कार्य करने के अनुभव को भी साझा किया। प्रो. लोहनी ने कहा कि यह एमओयू विश्वविद्यालय की शैक्षणिक एवं शिक्षण पद्धतियों को और सशक्त बनाने में सहायक सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में उच्च शिक्षा में हो रहे तकनीकी परिवर्तनों के अनुरूप शिक्षण एवं अधिगम की प्रक्रियाओं को विकसित करना आवश्यक है, तथा विश्वविद्यालयों में तकनीकी नवाचार, शैक्षणिक उत्कृष्टता और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

इसके पश्चात कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी एवं कुलसचिव ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर प्रो. तोबियास हैबरलिन ने कहा कि यह एक महत्वपूर्ण एमओयू है, जिससे उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के विशाल विद्यार्थी वर्ग को लाभ मिलेगा। अन्जा बूरों ने कहा कि यह समझौता शोध एवं शैक्षणिक कार्यक्रमों को और समृद्ध करेगा। दोनों ने भविष्य में संबंधों को और प्रगाढ़ करने की आशा व्यक्त की।

इसके बाद मुख्य वक्ता डॉ. लुसिने मक्त्र्च्यान, विजिटिंग प्रोफेसर, उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय एवं स्विस यूनिवर्सिटी ऑफ एप्लाइड साइंसेज (ऋक्षहृर) ने संगोष्ठी में व्याख्यान दिया। उन्होंने स्विट्जरलैंड की सबसे कम बेरोजगारी दर का उल्लेख करते हुए कृत्रिम बुद्धिमत्ता के आधार पर पाठ्यक्रम निर्माण पर प्रकाश डाला। उन्होंने एफएफएचएस की एआई रणनीति साझा करते हुए बताया कि संस्थान एआई साक्षरता से आगे बढ़कर मानव-नेतृत्व वाले एआई सहयोग, एआई-सहायित मॉड्यूल विकास एवं एआई-सहायित पाठ्यक्रम विकास की ओर अग्रसर है। उन्होंने भारत और स्विट्जरलैंड, दोनों में साइबर सुरक्षा की बढ़ती मांग तथा उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों में इसकी प्रासंगिकता पर भी बल दिया। साथ ही उन्होंने नॉलेज ग्राफ्स पर भी जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार और नई संभावनाओं के द्वार खोल रही है और इसके माध्यम से शिक्षण को अधिक संवादपरक, विद्यार्थी-केंद्रित एवं आवश्यकता आधारित बनाया जा सकता है। हालांकि, इसके उपयोग में शैक्षणिक नैतिकता, मानवीय विवेक और अकादमिक गुणवत्ता को प्राथमिकता देना भी आवश्यक है। अपने व्याख्यान के समापन पर डॉ. मक्त्र्च्यान ने नई दिल्ली, हल्द्वानी और उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय में बिताए समय, उत्तराखंड के पर्वतीय स्थलों एवं मंदिरों के भ्रमण के अनुभव साझा किए। उन्होंने विश्वविद्यालय के 11वें दीक्षांत समारोह का उल्लेख करते हुए कहा कि यह आयोजन अत्यंत गरिमामय ढंग से संपन्न हुआ। उन्होंने भारत के आतिथ्य सत्कार से अभिभूत होने की बात भी कही। संगोष्ठी में विश्वविद्यालय के शिक्षकों ने प्रतिभाग किया। इस दौरान कृत्रिम बुद्धिमत्ता के शैक्षणिक उपयोग, डिजिटल शिक्षण संसाधनों के विकास तथा भविष्य की शिक्षा व्यवस्था में तकनीकी नवाचारों की भूमिका पर सार्थक चर्चा हुई।

एशियन वोविनाम चौंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व करेगा नैनीताल का सागर अधिकारी



नैनीताल (एजेंसी)। कंबोडिया की राजधानी नोम पेन्ह में 24 से 30 नवंबर तक आयोजित हो रही छठी एशियन वोविनाम चौंपियनशिप-2026 में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए नैनीताल के होनहार खिलाड़ी सागर सिंह अधिकारी कंबोडिया पहुंच गए हैं। इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में सागर आज से अपने मुकाबलों में उतरेंगे। वह 48 से 51 किलोग्राम फाइटिंग भार वर्ग में भारत की चुनौती पेश करेंगे।

इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए कंबोडिया रवाना होने से पूर्व भारतीय वोविनाम दल ने नई दिल्ली में देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान रक्षा मंत्री ने खिलाड़ियों एवं पदाधिकारियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर देश का नाम रोशन करने की शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर वोविनाम एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष मास्टर प्रवीण गर्ग, महासचिव मास्टर शंकर महाबले और तकनीकी निदेशक देवेन मोइरंगथेम प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। वहीं वोविनाम एसोसिएशन ऑफ उत्तराखंड के अध्यक्ष ऋषिपाल भारती, महासचिव विनोद लखेड़ा तथा उपाध्यक्ष देवेंद्र रावत भी भारतीय दल के साथ मौजूद रहे।

नैनीताल ताइक्वांडो क्लब के खिलाड़ी सागर सिंह अधिकारी का इस प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए भारतीय दल में चयन होने पर उनके पिता चंदन सिंह अधिकारी, माता लक्ष्मी देवी, नैनीताल ताइक्वांडो क्लब के सचिव विनोद वैद्य, योगेंद्र (योगी), विभोर भट्ट, महिला प्रशिक्षक भूमिका बनवाल, मानसी बर्गली सहित क्लब के समस्त पदाधिकारियों, खिलाड़ियों, अभिभावकों और खेल प्रशिक्षकों ने हर्ष व्यक्त किया है, और उनके चयन को क्षेत्र के लिए गौरव का विषय बताया है, और सागर सहित पूरी भारतीय टीम को प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दी हैं। नगर के खेल प्रेमियों ने उम्मीद जताई है कि सागर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर पदक जीतेंगे और नैनीताल के साथ ही उत्तराखंड एवं देश का नाम रोशन करेंगे।

कुमाऊं कमिश्नरी में आग का मॉक अभ्यास, खुली ऐतिहासिक भवनों में अग्नि सुरक्षा के प्रबंधों की पोल

20 मिनट में पहुंचीं बचाव टीमें, फायर हाइड्रेंट में पानी का दबाव भी मिला कम, मंडलायुक्त हुए नाराज

नैनीताल (एजेंसी)। नैनीताल स्थित कुमाऊँ कमिश्नरी यानी कुमाऊँ के मंडलायुक्त कार्यालय में गुरुवार को शॉर्ट सर्किट से आग लगने की काल्पनिक घटना पर अग्नि सुरक्षा के प्रबंधों का मॉक अभ्यास किया गया। इस दौरान अग्निशमन विभाग, एसडीआरएफ और स्वास्थ्य विभाग की आपातकालीन प्रतिक्रिया को परखा गया। अभ्यास में सभी विभागों का रिस्पॉन्स टाइम संतोषजनक रहा, लेकिन फायर हाइड्रेंट में पानी का दबाव कम होने और बिजली सहित अन्य तारों के झूलने से अग्निशमन वाहन के कमिश्नरी गेट तक नहीं पहुंच पाने जैसी गंभीर कमियां भी सामने आईं। इस पर मंडलायुक्त दीपक रावत ने संबंधित अधिकारियों को तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई के निर्देश दिए।

उल्लेखनीय है कि कुमाऊं कमिश्नरी अंग्रेजी दौर में 1854 से 1856 के बीच बना एक ऐतिहासिक व विरासत महत्व का भवन है। इसके पास इसी दौर में बने जिला एवं सत्र न्यायालय तथा जिला 1898 में बना जिला कलक्ट्रेट यानी जिलाधिकारी कार्यालय भवन भी स्थित है। पूर्व में 5 अक्टूबर 2010 को भीषण अग्निकांड में इस भवन के 16 कमरे जलकर राख हो गये थे। इस प्रकार मंडलायुक्त कार्यालय में आज सामने आयी अग्नि सुरक्षा की कमियां जनपद व मंडल मुख्यालय में ऐतिहासिक भवनों की अग्नि सुरक्षा व्यवस्था



की पोल भी खोलने वाली हैं।

मॉक अभ्यास के तहत अपराह्न 12.17 बजे कमिश्नरी कार्यालय में धुआं उठने की सूचना जिला आपदा कंट्रोल रूम को दी गई। जिला आपातकालीन परिचालन केंद्र के टोल फ्री नंबर 1077 पर सूचना प्राप्त होते ही अग्निशमन विभाग और राहत एवं बचाव दल को घटनास्थल के लिए रवाना किया गया। सूचना मिलने के लगभग 20 मिनट के भीतर अग्निशमन विभाग और एसडीआरएफ की टीमें मौके पर पहुंच पाईं।

अभ्यास के निर्धारित घटनाक्रम के अनुसार, राहत एवं बचाव दल ने सबसे पहले विद्युत आपूर्ति बंद कराई और आग बुझाने की कार्रवाई शुरू की। इस दौरान आग से झुलसे दो कार्मिकों तथा भगदड़ और अफरातफरी में घायल हुए तीन अन्य कार्मिकों को सुरक्षित निकालकर बीडी पांडे जिला चिकित्सालय पहुंचाने का अभ्यास किया गया। साथ ही आसपास के प्रभावित क्षेत्र में स्थित भवनों की सुरक्षा जांच की गई तथा संभावित खतरे वाले स्थानों पर बैरिकेडिंग की गई।

अभ्यास में सामने आईं अग्नि सुरक्षा व्यवस्था की गंभीर खामियां

मॉक अभ्यास के दौरान कमिश्नरी और जिला न्यायालय के समीप स्थापित फायर हाइड्रेंट में पानी का दबाव कम पाया गया। इसके अलावा बिजली के खंभों पर झूल रहे विभिन्न तारों के कारण अग्निशमन विभाग का वाहन कमिश्नरी गेट तक नहीं पहुंच सका। इन कमियों पर मंडलायुक्त दीपक रावत ने नाराजगी व्यक्त करते हुए जल संस्थान के अभियंताओं को निर्देश दिए कि ऐतिहासिक एवं लकड़ी से निर्मित भवनों सहित आग की दृष्टि से संवेदनशील सभी क्षेत्रों में स्थापित फायर हाइड्रेंट का दबाव जांचा जाए। जहां भी कमियां मिलें, उन्हें वैज्ञानिक तरीके से दूर किया जाए।

उन्होंने विद्युत तारों के साथ ही अन्य केबलों का भी परीक्षण कराने के निर्देश दिए, ताकि आपातकालीन स्थिति में अग्निशमन वाहनों की आवाजाही बाधित न हो।

मंडलायुक्त ने उन क्षेत्रों का विशेष आकलन कराने को भी कहा, जहां संकरी सड़कों, रास्तों में बनी सीढ़ियों अथवा अन्य बाधाओं के कारण अग्निशमन विभाग के बड़े वाहन नहीं पहुंच सकते। ऐसे क्षेत्रों के लिए वैकल्पिक राहत एवं अग्निशमन व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिए।

मंडलायुक्त दीपक रावत ने कहा कि मॉक अभ्यास का उद्देश्य आपातकालीन परिस्थितियों में विभिन्न विभागों के बीच त्वरित समन्वय, समयबद्ध प्रतिक्रिया और आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करने की तैयारियों को परखना था। उन्होंने अभ्यास को सफल बताते हुए सामने आई कमियों को शीघ्र दूर करने पर जोर दिया। इस दौरान अपर आयुक्त त्रिलोक सिंह मर्तोलिया सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

राजकीय व्यावसायिक महाविद्यालय बनास पैठाणी में शुरू हुआ स्टार्टअप बूट कैंप

पौड़ी गढ़वाल (एजेंसी)। उत्तराखंड उच्च शिक्षा विभाग एवं भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद, गुजरात के सहयोग से राजकीय व्यावसायिक महाविद्यालय बनास, पैठाणी में स्थापित देवभूमि उद्यमिता विकास केंद्र के तत्वावधान में तीन दिवसीय आवासीय स्टार्टअप बूट कैंप का शुभारंभ हो गया।

प्रशिक्षण शिविर में पौड़ी जिले के राजकीय व्यावसायिक महाविद्यालय पैठाणी, राजकीय महाविद्यालय मजरा महादेव, राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय थलीसैंण, राजकीय महाविद्यालय सतपुली, राजकीय महाविद्यालय उफ्रेखाल, राजकीय महाविद्यालय वेदीखाल, राजकीय महाविद्यालय पोखड़ा एवं राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोटद्वार सहित आठ राजकीय महाविद्यालयों के पंजीकृत 60 छात्र-छात्राएं प्रतिभाग कर रहे हैं। कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं को नौकरी तलाशने वाले के स्थान पर रोजगार सृजित करने वाला उद्यमी बनाने तथा स्थानीय संसाधनों पर आधारित नए स्टार्टअप विकसित करने के लिए प्रेरित किया गया।

गुरुवार को कैंप का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विजय कुमार अग्रवाल द्वारा किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में युवाओं के लिए केवल सरकारी नौकरी पर निर्भर रहने के स्थान पर स्वरोजगार एवं उद्यमिता के क्षेत्र में भी संभावनाएं तलाशना आवश्यक है। युवाओं में नवाचार, रचनात्मकता एवं उद्यमशीलता की भावना विकसित करके ही आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत के संकल्प को साकार किया जा सकता है। उन्होंने प्रतिभागियों से प्रशिक्षण का अधिकतम लाभ उठाकर अपने उद्यम स्थापित करने की दिशा में प्रयास करने का आह्वान किया। देवभूमि उद्यमिता योजना के संयोजक डॉ. पुनीत चंद्र वर्मा ने बताया कि इस तीन दिवसीय आवासीय बूट कैंप का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में उद्यमिता के प्रति रुचि विकसित करना, नए व्यावसायिक विचारों को प्रोत्साहित करना और उन्हें स्टार्टअप स्थापित करने की व्यावहारिक जानकारी प्रदान करना है।

उन्होंने कहा कि महाविद्यालय का देवभूमि उद्यमिता विकास केंद्र युवाओं को उद्यम स्थापना एवं स्वरोजगार के लिए निरंतर मार्गदर्शन प्रदान कर रहा है। देवभूमि उद्यमिता योजना के पौड़ी जिला समंवयक डॉ. देवेंद्र ने कहा कि उत्तराखंड में प्राकृतिक संसाधनों, स्थानीय उत्पादों, कृषि, बागवानी, पर्यटन एवं पारंपरिक ज्ञान पर आधारित उद्यमों की अपार संभावनाएं हैं। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद से आए विषय विशेषज्ञ एवं फैकल्टी डॉ. रजत शर्मा ने विद्यार्थियों को स्टार्टअप की अवधारणा, ग्रुप डिस्कशन, व्यावसायिक विचारों की पहचान, उद्यम स्थापना की प्रक्रिया, बाजार की मांग, बिजनेस मॉडल तैयार करने, वित्तीय प्रबंधन एवं सरकारी योजनाओं के माध्यम से उद्यमों को प्रोत्साहित करने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी दी। विशेषज्ञों ने कहा कि एक सफल उद्यमी बनने के लिए केवल विचार होना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उस विचार को धरातल पर उतारने के लिए निरंतर प्रयास, उचित योजना, नवाचार एवं जोखिम उठाने की क्षमता भी आवश्यक है। देवभूमि उद्यमिता योजना के टिहरी जिला समंवयक दिग्विजय सिंह ने कहा कि उत्तराखंड के युवाओं के पास स्थानीय प्राकृतिक संसाधनों, पारंपरिक ज्ञान, कृषि, जड़ी-बूटियों, पर्यटन एवं स्थानीय उत्पादों पर आधारित स्टार्टअप स्थापित करने की अपार संभावनाएं हैं।

महाविद्यालय के मीडिया प्रभारी एवं देवभूमि उद्यमिता योजना के फैकल्टी मेंटर डॉ. प्रकाश फोंदणी ने कहा कि इस प्रकार के आवासीय स्टार्टअप बूट कैंप युवाओं के भीतर छिपी उद्यमशील प्रतिभा को पहचानने एवं उसे विकसित करने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम युवाओं को नए विचारों को व्यावहारिक रूप देने, आत्मनिर्भर बनने तथा अन्य लोगों के लिए रोजगार के अवसर सृजित करने की दिशा में प्रेरित करेंगे। इस मौके पर डॉ. कुमार गौरव जैन, डॉ. कामिका चौधरी, डॉ. उर्वशी, डॉ. आलोक कंडारी, डॉ. खिलाप सिंह, डॉ. पूजा बर्धन आदि शामिल रहे।

संवैधानिक मूल्यों के प्रति जागरूकता के संदेश के साथ जनपद में मनाया गया संविधान दिवस



चमोली,(एजेंसी)। भारतीय संविधान के महत्व, उसके मूल आदर्शों एवं लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से गुरुवार को संविधान दिवस के अवसर पर जनपद चमोली के विभिन्न सरकारी कार्यालयों एवं शैक्षणिक संस्थानों में कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान अधिकारियों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों ने भारतीय संविधान की प्रस्तावना (उद्देशिका) का सामूहिक पाठ कर संविधान के प्रति अपनी निष्ठा व्यक्त की तथा इसके मूल सिद्धांतों को अपने जीवन एवं कार्यव्यवहार में अपनाने का संकल्प लिया।

कलेक्ट्रेट परिसर चमोली में विशेष शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में परियोजना निदेशक आनंद सिंह ने कलेक्ट्रेट के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भारतीय संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक पाठ कराते हुए शपथ दिलाई। इस दौरान सभी कार्मिकों ने संविधान में निहित आदर्शों एवं मूल्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए उनके अनुरूप अपने दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने का संकल्प लिया। इसके साथ ही मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय, जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास कार्यालय, बाल विकास विभाग, लोक निर्माण विभाग, समाज कल्याण विभाग तथा लघु सिंचाई विभाग सहित जनपद के विभिन्न विभागीय कार्यालयों में भी संविधान दिवस के उपलक्ष्य में शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रमों में विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने एकजुट होकर संविधान की प्रस्तावना का पाठ किया। सभी ने भारत को संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष एवं लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाए रखने तथा देश के समस्त नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक न्याय, विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा एवं अवसर की समानता सुनिश्चित करने के संवैधानिक संकल्प को दोहराया।

वहीं, जनपद के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में भी संविधान दिवस के अवसर पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों को भारतीय संविधान के निर्माण एवं उसके ऐतिहासिक महत्व, मौलिक अधिकारों, मौलिक कर्तव्यों तथा लोकतांत्रिक व्यवस्था के मूल सिद्धांतों की जानकारी दी गई। विद्यार्थियों को संविधान में निहित आदर्शों को आत्मसात करने तथा एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रमों में संविधान की प्रस्तावना में उल्लेखित न्याय, स्वतंत्रता, समानता एवं बंधुता के मूल भाव को विशेष रूप से रेखांकित किया गया। साथ ही सभी नागरिकों से संविधान की गरिमा बनाए रखने, लोकतांत्रिक परंपराओं का सम्मान करने तथा देश की एकता एवं अखंडता को सुदृढ़ बनाने में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया गया।

उत्तराखंड में 76 नशा तस्कर गिरफ्तार

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड पुलिस ने नशा तस्करों और उनके संगठित नेटवर्क के खिलाफ प्रदेशव्यापी अभियान चलाकर बड़ी कार्रवाई की है। 24 और 25 नवंबर को चलाए गए दो दिवसीय विशेष अभियान 'ऑपरेशन ट्रैक-7' के दौरान पुलिस ने 76 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया और एनडीपीएस एक्ट के तहत 69 मुकदमे दर्ज किए। इस दौरान करीब 1.35 करोड़ रुपये मूल्य के मादक पदार्थ और अवैध शराब जब्त की।

विशेष अभियान के तहत प्रदेशभर में गठित 181 पुलिस टीमों ने 273 चिन्हित संवेदनशील क्षेत्रों में छापेमारी और सघन चेकिंग की। इस दौरान 968 संदिग्ध व्यक्तियों का सत्यापन किया गया। अभियान का नेतृत्व एसटीएफ के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक और संबंधित जिलों के पुलिस कप्तानों, अपर पुलिस अधीक्षकों तथा क्षेत्राधिकारियों ने किया।

पुलिस के अनुसार, देहरादून में सपेरा बस्ती, बिंदाल पुल और ऋषिकेश के गुमानीवाला, नैनीताल में गूलरभोज और गुल्लरघट्टी, कोटद्वार में कोड़िया बैरियर, टिहरी में मुनि की रेती तथा ऊधमसिंह नगर में भूरारानी और रम्पुरा जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष कार्रवाई की गई।

अभियान के दौरान 450 ग्राम हेरोइन, 4.9 किलोग्राम चरस, 45 किलोग्राम गांजा, 1,510 नशीली टैबलेट और कैप्सूल तथा अंग्रेजी शराब की 40 पेटियां बरामद की गईं। बरामदगी का अनुमानित बाजार मूल्य करीब 1.35 करोड़ रुपये बताया गया है। इसके अलावा मादक पदार्थों से जुड़े दो मामलों में विशेष कार्रवाई करते हुए 4.1 किलोग्राम चरस और 1,282 नशीली टैबलेट एवं कैप्सूल बरामद किए।

पुलिस ने नशा तस्करों के नेटवर्क पर कार्रवाई करते हुए दो आरोपितों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की, जबकि पांच गैर जमानती वारंट निष्पादित किए गए। इसके अलावा 61 नई हिस्ट्रीशीट खोली गईं और मानस हेल्पलाइन 1933 पर मिली आठ शिकायतों का सत्यापन किया गया। अभियान के तहत 1.3 एकड़ भूमि पर उगाई गई अवैध मादक फसल को भी नष्ट किया गया।

पुलिस के मुताबिक, वर्ष 2026 में अब तक एनडीपीएस एक्ट के तहत 1,340 मुकदमे दर्ज कर 1,601 आरोपितों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इस दौरान करीब 62 करोड़ रुपये मूल्य के मादक पदार्थ बरामद किए गए हैं। वहीं, पीआईटीएनडीपीएस एक्ट के तहत 16 लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई है।

नशा तस्करी से अर्जित अवैध संपत्तियों पर कार्रवाई करते हुए वित्तीय अन्वेषण के माध्यम से करीब 6.30 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की गई है। पुलिस ने कहा कि नशा तस्करों, उनके संगठित नेटवर्क और अवैध संपत्तियों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

गुरुकुल कांगड़ी में एनएसएस स्वयंसेवकों को कौशल का प्रशिक्षण

हरिद्वार (एजेंसी)। गुरुकुल कांगड़ी (सम विश्वविद्यालय), हरिद्वार में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना एम्पैनल्ड ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत विभिन्न विषयों पर विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित किए गए। कार्यक्रम का उद्देश्य स्वयंसेवकों एवं प्रतिभागियों का ज्ञानवर्धन करने के साथ उनके व्यक्तित्व विकास और क्षमता संवर्धन को बढ़ावा देना रहा।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रो. संगीता मदान ने किया। उन्होंने प्रशिक्षण की रूपरेखा और उद्देश्यों की जानकारी देते हुए प्रतिभागियों से अनुशासन एवं उत्साह के साथ प्रशिक्षण में सहभागिता करने का आह्वान किया।

प्रथम सत्र में भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य एवं युवा भारत साधु समाज के विशेष आमंत्रित सदस्य मोहित जोशी ने युवाओं की सामाजिक सहभागिता और राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका पर विचार रखे। उन्होंने युवाओं से सामाजिक कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाने और सकारात्मक सोच के साथ देश के विकास में योगदान देने की अपील की।



दूसरे सत्र में जंतु विज्ञान एवं पर्यावरण विज्ञान विभाग के प्रो. राकेश भूटानी ने श्मेरा युवा भारत एवं युवा सहभागिताश विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने युवाओं को सामाजिक गतिविधियों से जोड़ने, नेतृत्व क्षमता विकसित करने और स्वयंसेवा के माध्यम से सामुदायिक सहभागिता बढ़ाने पर जोर दिया।

जिला राष्ट्रीय सेवा योजना समन्वयक डॉ. एसपी सिंह ने विशेष शिविर का उद्देश्य एवं उसकी तैयारी विषय पर जानकारी दी। उन्होंने कहा कि विशेष शिविर स्वयंसेवकों को ग्रामीण एवं सामुदायिक परिवेश से जुड़कर सामाजिक समस्याओं को समझने और उनके समाधान में योगदान देने का अवसर प्रदान करते हैं। शिविर के सफल आयोजन के लिए पूर्व नियोजन, अनुशासन, टीम भावना और बेहतर समन्वय को आवश्यक बताया।

इसके बाद डॉ. सुशील उपाध्याय ने संवैधानिक मूल्य एवं जिम्मेदार नागरिक विषय पर व्याख्यान देते हुए संविधान में निहित लोकतांत्रिक आदर्शों, मौलिक अधिकारों एवं कर्तव्यों की जानकारी दी। उन्होंने समानता, स्वतंत्रता, न्याय, बंधुत्व और सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देने का आह्वान किया।

आईबीएम इंडिया के प्रोग्राम लीड डॉ. मणि मधुकर ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डिजिटल कौशल एवं शैक्षणिक सहयोग विषय पर युवाओं को संबोधित किया। उन्होंने कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजिटल तकनीकों की बढ़ती उपयोगिता बताते हुए युवाओं को तकनीकी दक्षता विकसित करने और भविष्य की रोजगार संबंधी चुनौतियों के लिए तैयार रहने की प्रेरणा दी।

कार्यक्रम में डॉ. मयंक पोखरियाल, डॉ. नवीन चंद्र, सुमित पुरोहित, कृष्णा चौधरी एवं गोविंद आचार्य सहित समस्त अनुसेवक उपस्थित रहे। विशेषज्ञों के व्याख्यानों से प्रतिभागियों को युवा नेतृत्व, सामाजिक उत्तरदायित्व, संवैधानिक मूल्यों और आधुनिक तकनीकों के विभिन्न पहलुओं की जानकारी मिली।

होटलों का सघन निरीक्षण किया

नई टिहरी। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने खाद्य तेल के सुरक्षित उपयोग और किसी खाद्य पदार्थ को एक ही तेल में दो बार से अधिक न तलने के संबंध में नई टिहरी और बौराड़ी के विभिन्न होटल, ढाबों का औचक निरीक्षण किया।

वीरवार को वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी शारदा शर्मा ने नई टिहरी और बौराड़ी के एक दर्जन से अधिक होटल, रेस्टोरेंट, ढाबों का निरीक्षण कर खाद्य कारोबारियों को खाद्य तेल के सुरक्षित उपयोग के संबंध में जानकारी दी।

बताया गया कि खाद्य तेल को बार-बार गर्म करने अथवा एक ही तेल में खाद्य पदार्थों को दो बार से अधिक तलने से तेल की गुणवत्ता प्रभावित होती है। बार-बार गर्म करने पर तेल में ऑक्सीकरण की प्रक्रिया तेज हो जाती है, जिससे हानिकारक रासायनिक तत्व एवं ट्रांस फैट उत्पन्न हो सकते हैं।

कुंभ में संतों और आश्रमों को निशुल्क भूमि-सुविधाएं देने की मांग

हरिद्वार (एजेंसी)। कुंभ मेला 2027 में संत-महात्माओं, मठों, मढ़ियों, मंदिरों और आश्रमों को शिविर लगाने के लिए निशुल्क भूमि और सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की है। षड्दर्शन साधुसमाज, अखिल भारतीय सनातन धर्म रक्षा समिति ने इस संबंध में कुंभ मेलाधिकारी से आज मेला भवन में भेंटकर प्रयागराज, नासिक और उज्जैन कुंभ की तर्ज पर सुविधाएं देने का आग्रह किया है।

समिति की ओर से दिए गए पत्र में कहा गया है कि हरिद्वार में वर्ष 2027 में आयोजित होने वाले कुंभ मेले के लिए देशभर से संत-महात्माओं और धार्मिक संस्थाओं ने शिविर लगाने के लिए आवेदन किए हैं। हालांकि, आवेदनकताओं को भूमि आवंटन के लिए शुल्क देने और टेंट, बिजली, पानी, शौचालय सहित अन्य व्यवस्थाएं स्वयं करने की जानकारी दी जा रही है। जबकि प्रयागराज, नासिक और उज्जैन के कुंभ मेलों में साधु-संतों, अखाड़ों, मठों, मंदिरों और आश्रमों को निशुल्क भूमि के साथ टेंट, बिजली, पानी, शौचालय और टिन की बाउंड्री जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं।

डदर्शन साधु समाज अखिल भारतीय सनातन धर्म रक्षा समिति के अध्यक्ष श्रीमहंत गोपाल गिरि व उपाध्यक्ष श्री महंत चेतनानंद गिरि महाराज ने मेला अधिकारी सोनिका को दिए पत्र में कहा कि हरिद्वार में वर्ष 2016 में उज्जैन सिंहस्थ के साथ अर्धकुंभ का आयोजन हुआ था और अब वर्ष 2027 में सरकार हरिद्वार में कुंभ की तर्ज पर अर्ध कुंभ मेले का आयोजन करा रही है। समिति ने ऋषिकेश के त्रिवेणी घाट को भी कुंभ स्नान की दृष्टि से विकसित करने की मांग की है। कहा कि 14 जनवरी को देवप्रयाग में अमृत स्नान, छह फरवरी को मौनी अमावस्या और 11 फरवरी 2027 को बसंत पंचमी पर ऋषिकेश के त्रिवेणी संगम में स्नान का कार्यक्रम प्रस्तावित है।

समिति ने त्रिवेणी घाट को सुंदर बनाने के साथ गंगा के भीतर संगम घाट से करीब 20 फीट अंदर 10 फीट ऊंची सुरक्षा रेलिंग लगाने की मांग की है।

कहा कि देशभर से संत-महात्माओं ने अपने मठों, मढ़ियों, मंदिरों और आश्रमों की ओर से शिविर लगाने के लिए आवेदन किए हैं। ऐसे में प्रशासन को सभी धार्मिक संस्थाओं के लिए निशुल्क भूमि और मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था करनी चाहिए, जिससे संत-महात्मा और श्रद्धालु शांतिपूर्ण ढंग से कुंभ स्नान कर सकें।

संतों के बात सुनने के बाद मेला अधिकारी सोनिका ने संतों को मांगों पर शीघ्र यथासंभव कार्यवाही का आश्वासन दिया। इस अवसर पर श्रीमहंत गोपाल गिरि

92 निरीक्षक और उप निरीक्षकों के तबादले

हरिद्वार (एजेंसी)। जनपद में कानून-व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने और पुलिसिंग व्यवस्था में कसावट लाने के उद्देश्य से पुलिस विभाग में बड़े स्तर पर फेरबदल किया गया है। जारी आदेश के तहत निरीक्षक और उपनिरीक्षक स्तर के कुल 92 पुलिस अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से नई तैनाती दी गई है। इस फेरबदल में कई कोतवाल और थानाध्यक्षों की जिम्मेदारियां बदली गई हैं।

स्थानांतरण सूची के अनुसार चन्द्रभान सिंह को कोतवाली नगर, अमरजीत सिंह को ज्वालापुर, केसी भट्ट को खानपुर, नन्द किशोर भट्ट को रुड़की, राजेन्द्र खोलिया को कलियर, विनोद गुसाईं को पथरी, मनोज मैनवाल को मंगलौर, भगवान महर को श्यामपुर, राकेश शाह को रानीपुर और अनिरुद्ध मैठाणी को सिडकुल का प्रभारी निरीक्षक बनाया गया है। इसी क्रम में संजय मिश्रा को प्रभारी निरीक्षक खानपुर, कुन्दन राम आर्य को झबरेड़ा और प्रदीप रावत को बहादराबाद की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

इसके अलावा उपनिरीक्षक स्तर पर भी व्यापक बदलाव किया गया है। कोतवाली नगर, ज्वालापुर, कनखल, रानीपुर, सिडकुल, गंगनहर, रुड़की, मंगलौर, लक्सर, पथरी, भगवानपुर, खानपुर, झबरेड़ा, कलियर और बहादराबाद समेत विभिन्न थानों और चौकियों में तैनात अधिकारियों को इधर से उधर किया गया है। वहीं कुछ अधिकारियों को सीआईयू रुड़की, सीआईयू हरिद्वार, पुलिस कार्यालय, पुलिस लाइन और चुनाव सेल समेत महत्वपूर्ण शाखाओं में नई जिम्मेदारी दी गई है।

पुलिस विभाग ने सभी स्थानांतरित अधिकारियों को तत्काल



प्रभाव से नवीन तैनाती स्थल पर कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए हैं। इस व्यापक फेरबदल को जनपद की पुलिसिंग व्यवस्था में बड़े बदलाव के तौर पर देखा जा रहा है।

सम्पादकीय

दल-बदल कानून में सुधार की जरूरत

भारत का संसदीय लोकतंत्र केवल चुनाव कराने और सरकारें बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसकी वास्तविक शक्ति जनता द्वारा दिए गए जनादेश के सम्मान, निर्वाचित प्रतिनिधियों की जवाबदेही और संवैधानिक संस्थाओं की निष्पक्षता में निहित है। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में देश की राजनीति में जिस तरह दल-बदल, विधायकों व सांसद के सामूहिक इस्तीफे और सरकारों के बहुमत को प्रभावित करने की घटनाएं सामने आई हैं, उन्होंने लोकतांत्रिक व्यवस्था की विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। संविधान की दसवीं अनुसूची के अंतर्गत लागू दल-बदल विरोधी कानून का उद्देश्य राजनीतिक अस्थिरता और अवसरवादी राजनीति पर अंकुश लगाना था, लेकिन समय के साथ इस कानून की सीमाएं भी उजागर हुई हैं। ऐसे में दल-बदल कानून में व्यापक सुधार की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट का केंद्र सरकार और चुनाव आयोग सहित संबंधित संस्थाओं को नोटिस जारी करना एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम है।

यह मुद्दा इसलिए चर्चा में आया है कि सुप्रीम कोर्ट में दायर जनहित याचिका ने एक ऐसी संवैधानिक खामी की ओर ध्यान आकर्षित किया है, जिसका इस्तेमाल राजनीतिक परिस्थितियों में सरकारों के बहुमत को प्रभावित करने के लिए किया जा सकता है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि कुछ सांसद और विधायक दल-बदल के मामलों में अयोग्यता की कार्रवाई से बचने के लिए इस्तीफे का रास्ता अपनाते हैं। यदि किसी जनप्रतिनिधि के विरुद्ध अयोग्यता की कार्यवाही लंबित है और वह फैसला आने से पहले इस्तीफा दे देता है, तो दल-बदल कानून की प्रभावशीलता पर सवाल उठना स्वाभाविक है। विशेष रूप से तब, जब ऐसे इस्तीफों के परिणामस्वरूप सदन की संख्या और सरकार के बहुमत का गणित बदल जाता है।

यहां सबसे महत्वपूर्ण सवाल यह है कि क्या कोई निर्वाचित प्रतिनिधि अपनी राजनीतिक जिम्मेदारी से बचने के लिए इस्तीफे को कानूनी ढाल के रूप में इस्तेमाल कर सकता है? लोकतंत्र में इस्तीफा देना किसी जनप्रतिनिधि का अधिकार है, लेकिन इस अधिकार का इस्तेमाल यदि संवैधानिक जवाबदेही से बचने या जनादेश को प्रभावित करने के लिए किया जाता है, तो उसकी निष्पक्ष जांच आवश्यक हो जाती है। इस्तीफा व्यक्तिगत राजनीतिक निर्णय हो सकता है, लेकिन उसके पीछे की परिस्थितियों और समय का संवैधानिक महत्व भी है। वर्ष 1985 में संविधान के 52वें संशोधन के माध्यम से दसवीं अनुसूची को जोड़ा गया था। इसका प्रमुख उद्देश्य निर्वाचित प्रतिनिधियों की राजनीतिक निष्ठा में अवसरवादी बदलाव को रोकना और सरकारों को अनावश्यक अस्थिरता से बचाना था। बाद में 91वें संविधान संशोधन के माध्यम से दल-बदल संबंधी प्रावधानों को और कठोर बनाया गया तथा मंत्रिपरिषद के आकार पर भी सीमा निर्धारित की गई। इसके बावजूद राजनीतिक दलों के बीच सत्ता हासिल करने की प्रतिस्पर्धा में नए-नए रास्ते तलाशे जाते रहे हैं। कभी सामूहिक इस्तीफे, कभी सदन से अनुपस्थिति और कभी अयोग्यता की कार्यवाही को लंबा खींचने जैसे मामलों ने इस कानून की व्यावहारिक प्रभावशीलता पर प्रश्नचिह्न लगाए हैं। इस कानून की सबसे बड़ी कमजोरी यह मानी जाती है कि अयोग्यता संबंधी मामलों पर प्रारंभिक निर्णय लेने का अधिकार सदन के अध्यक्ष अर्थात स्पीकर या सभापति के पास होता है। संवैधानिक रूप से यह व्यवस्था संसदीय संस्थाओं की स्वायत्तता और गरिमा को ध्यान में रखकर बनाई गई थी। लेकिन जब स्पीकर स्वयं किसी राजनीतिक दल से निर्वाचित होकर आते हैं, तब राजनीतिक निष्पक्षता को लेकर सवाल उठने लगते हैं। कई बार अयोग्यता याचिकाओं पर निर्णय में लंबी देरी होती है। परिणामस्वरूप संबंधित सदस्य सदन की कार्यवाही में भाग लेते रहते हैं और इस दौरान राजनीतिक समीकरण भी बदल सकते हैं। यह स्वीकार करना होगा कि स्पीकर का पद केवल सदन की कार्यवाही संचालित करने तक सीमित नहीं है, बल्कि उससे संवैधानिक निष्पक्षता और संस्थागत मयार्दा की अपेक्षा भी की जाती है।

भारत की बढ़ती ताकत से दुनिया में बदल रहा शक्ति संतुलन

कांतिलाल मांडोत



भारत की प्रगति और वैश्विक मंच पर उसकी बढ़ती भूमिका आज केवल आर्थिक उपलब्धियों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह दुनिया के बदलते शक्ति संतुलन का भी महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुकी है। भारत जिस गति से आर्थिक, तकनीकी, सामरिक और सामाजिक क्षेत्रों में आगे बढ़ने की कोशिश कर रहा है, उससे अंतरराष्ट्रीय राजनीति में उसकी स्थिति मजबूत हो रही है। लेकिन किसी देश की उन्नति केवल उसकी आर्थिक क्षमता या सैन्य शक्ति से नहीं मापी जाती, बल्कि उसके विचार, नीतियां, सामाजिक एकता और आत्मविश्वास भी उसकी विकास यात्रा का आधार होते हैं। इसी संदर्भ में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत का छत्रपति संभाजीनगर में दिया गया वक्तव्य भारत के भविष्य, वैश्विक प्रतिस्पर्धा और आंतरिक चुनौतियों पर व्यापक चर्चा का विषय बन गया है। पांचवें पद्मा फेस्टिवल के उद्घाटन समारोह में मोहन भागवत ने कहा कि दुनिया की कोई भी ताकत भारत को आगे बढ़ते हुए नहीं देखना चाहती, क्योंकि कई शक्तियां अपना वर्चस्व कायम रखना चाहती हैं। उनके अनुसार भारत यदि मजबूत और विकसित देश बनता है तो उन व्यवस्थाओं को चुनौती मिल सकती है, जो लंबे समय से वैश्विक स्तर पर अपना प्रभाव बनाए हुए हैं। भारत की विशेषता यह है कि वह केवल अपनी उन्नति तक सीमित रहने की सोच नहीं रखता, बल्कि दूसरे देशों की सहायता करने की भावना भी रखता है। भारत उन पड़ोसी देशों की मदद के लिए भी आगे आता है, जिनके साथ उसके संबंध कभी-कभी तनावपूर्ण रहते हैं। यही दृष्टिकोण भारत की विदेश नीति में सहयोग, मानवीय सहायता और साझा विकास की भावना को प्रतिबिंबित करता है।

आज दुनिया में आर्थिक और सामरिक शक्ति का संतुलन तेजी से बदल रहा है। एक समय वैश्विक निर्णयों में कुछ विकसित देशों का प्रभाव अधिक था, लेकिन अब एशिया, अफ्रीका और अन्य क्षेत्रों की उभरती अर्थव्यवस्थाएं भी अपनी भूमिका बढ़ा रही हैं। भारत की विशाल आबादी, युवा शक्ति, तकनीकी क्षमता, औद्योगिक विकास, डिजिटल व्यवस्था और मजबूत बाजार उसे वैश्विक अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण स्थान दिला रहे हैं। इस परिवर्तन को सभी देश एक समान दृष्टिकोण से नहीं देखते। कुछ देश भारत के साथ व्यापार, निवेश और रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करना चाहते हैं, वहीं कुछ देशों के लिए भारत का उभार प्रतिस्पर्धा का विषय भी हो सकता है। ऐसी परिस्थितियों में भारत को अपनी नीतियों, आर्थिक क्षमता और राष्ट्रीय हितों के प्रति सजग रहना होगा। पूर्व चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने भी बदलते वैश्विक शक्ति संतुलन के बीच विकसित देशों की ओर से संभावित बाधाओं का उल्लेख किया। हालांकि उन्होंने आंतरिक चुनौतियों को अधिक संवेदनशील बताया। यह बात गंभीरता से समझने योग्य है कि बाहरी दबावों का सामना करने के लिए देश का आंतरिक ढांचा मजबूत होना आवश्यक है। यदि देश के भीतर शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, बुनियादी सुविधाओं, तकनीकी प्रशिक्षण और सामाजिक समरसता की स्थिति बेहतर होगी, तो बाहरी चुनौतियों का सामना करने की क्षमता भी बढ़ेगी। किसी देश को कमजोर करने के लिए केवल सीमा पर खतरे ही पर्याप्त नहीं होते, बल्कि सामाजिक विभाजन, आर्थिक असमानता, अविश्वास और संस्थागत कमजोरियां भी उसकी प्रगति को प्रभावित कर सकती हैं।

मोहन भागवत ने युवाओं को लेकर भी महत्वपूर्ण विचार रखे।

बाल विवाह और जबरन विवाहः बचपन, स्वतंत्रता और सपनों पर सामाजिक प्रहार

सुरेश सिंह बैस शाश्वत



बचपन सीखने, खेलने, शिक्षा प्राप्त करने और अपने भविष्य के सपने संजोने की उम्र है। यह वह समय है, जब बच्चों को सुरक्षित वातावरण, उचित पोषण, परिवार का स्नेह और अपनी क्षमताओं को विकसित करने के अवसर मिलने चाहिए। लेकिन जब किसी बच्चे को कम उम्र में विवाह के बंधन में बांध दिया जाता है या उसकी इच्छा के विरुद्ध विवाह के लिए मजबूर किया जाता है, तब उसका बचपन, स्वतंत्रता और भविष्य गंभीर रूप से प्रभावित हो सकते हैं। बाल विवाह और जबरन विवाह केवल सामाजिक परंपरा या पारिवारिक निर्णय का विषय नहीं हैं। ये बच्चों के अधिकारों, शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और गरिमापूर्ण जीवन से जुड़े गंभीर प्रश्न हैं। किसी भी बच्चे के जीवन का इतना महत्वपूर्ण निर्णय उसकी सुरक्षा, परिपक्वता और अधिकारों की अनदेखी करके नहीं लिया जाना चाहिए।

बाल विवाह वह विवाह है, जिसमें विवाह के समय दोनों में से कोई एक पक्ष 18 वर्ष से कम आयु का हो। संयुक्त राष्ट्र की विभिन्न संस्थाएं बाल विवाह को मानवाधिकारों के उल्लंघन और लैंगिक असमानता से जुड़ी समस्या मानती हैं। कम उम्र में विवाह होने से बच्चों, विशेषकर लड़कियों, की शिक्षा बाधित होने, कम उम्र में गर्भधारण, स्वास्थ्य संबंधी जोखिमों तथा घरेलू हिंसा और आर्थिक निर्भरता की आशंका बढ़ सकती है। इसके पीछे गरीबी, शिक्षा की कमी, लैंगिक भेदभाव, सामाजिक दबाव, असुरक्षा की भावना और कुछ स्थानों पर लंबे समय से चली आ रही परंपराएं जैसे कारण हो सकते हैं। कभी-कभी परिवार आर्थिक कठिनाइयों या सामाजिक प्रतिष्ठा की चिंता में बाल विवाह को समाधान समझ लेते हैं। लेकिन इससे समस्या समाप्त नहीं होती; अक्सर बच्चे और अधिक कठिन परिस्थितियों में पहुंच जाते हैं। बाल विवाह को रोकने के लिए परिवारों को दोष देने भर से काम नहीं चलेगा। शिक्षा, सामाजिक सुरक्षा, रोजगार के अवसर, बालिकाओं की सुरक्षा और समुदाय की भागीदारी को मजबूत करना भी आवश्यक है। जबरन विवाह वह स्थिति है, जिसमें किसी व्यक्ति को उसकी स्वतंत्र और वास्तविक सहमति के बिना विवाह के लिए बाध्य किया जाता है। दबाव, धमकी, भावनात्मक ब्लैकमेल, हिंसा या पारिवारिक प्रतिष्ठा के नाम पर निर्णय थोपना व्यक्ति की स्वतंत्रता को प्रभावित कर सकता है। विवाह जैसे महत्वपूर्ण निर्णय में स्वतंत्र सहमति और व्यक्ति की गरिमा का सम्मान अनिवार्य है। किसी लड़की या लड़के को केवल परिवार की इच्छा, सामाजिक दबाव या आर्थिक लाभ के आधार पर विवाह के लिए विवश करना उचित नहीं है। बच्चों के मामले में उनकी सुरक्षा, कानूनी अधिकार और सर्वोत्तम हित को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। यह समझना भी आवश्यक है कि बाल विवाह और जबरन विवाह एक-दूसरे से जुड़े हो सकते हैं, लेकिन दोनों की अवधारणाएं अलग हैं। कम उम्र में विवाह बच्चों के अधिकारों को प्रभावित करता है, जबकि जबरन विवाह में स्वतंत्र सहमति का अभाव केंद्रीय प्रश्न है।

बाल विवाह की रोकथाम में शिक्षा की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। विद्यालयों में नियमित उपस्थिति, माध्यमिक शिक्षा पूरी करने के अवसर, छात्रवृत्ति, सुरक्षित परिवहन और परिवारों को आर्थिक सहायता जैसी व्यवस्थाएं बालिकाओं को शिक्षा से जोड़े रखने में मदद कर सकती हैं। शिक्षा बच्चों को अपने अधिकारों की जानकारी देती है और उन्हें भविष्य के बारे में निर्णय लेने की क्षमता विकसित करने का अवसर प्रदान करती है। शिक्षित और जागरूक समुदाय सामाजिक रूढ़ियों पर प्रश्न उठाने तथा बाल विवाह जैसी प्रथाओं को रोकने में अधिक सक्रिय भूमिका निभा सकते हैं शिक्षकों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, पंचायत प्रतिनिधियों, स्वास्थ्य कर्मियों और सामाजिक संगठनों को मिलकर ऐसे बच्चों की पहचान और सहायता करनी चाहिए, जिन पर कम उम्र में विवाह का दबाव हो। शिकायत या आशंका मिलने पर संबंधित बाल संरक्षण तंत्र तक जानकारी पहुंचाना महत्वपूर्ण है।

भारत में बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 के अंतर्गत बाल विवाह रोकने के लिए कानूनी प्रावधान किए गए हैं। इस



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को मुख्यमंत्री निवास पर केन्द्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेन्द्र सिंह का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। शिष्टाचार मुलाकात के दौरान दोनों के बीच प्रदेश में वैज्ञानिक नवाचारों एवं प्रौद्योगिकी विस्तार सहित विभिन्न मुद्दों पर विमर्श हुआ।



केन्द्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेन्द्र सिंह एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को जयपुर स्थित राजस्थान कॉन्स्टिट्यूशनल क्लब में संविधान गौरव दिवस कार्यक्रम को संबोधित किया । इससे पहले उन्होंने डॉ भीमराव अंबेडकर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की । साथ ही उन्होंने इस अवसर पर लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया ।कार्यक्रम में बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी, डॉ. प्रेमचंद बैरवा सहित अन्य जनप्रतिनिधि, प्रदेश भाजपा पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

शिक्षा वंचितों को मुख्यधारा से जोड़ रहा है एनआईओएस : सचिव, शिक्षा मंत्रालय

37वें स्थापना दिवस पर दो डिजिटल ऐप और छह रोजगारोन्मुख पाठ्यक्रमों का लोकार्पण

उत्तम भारत संवाददाता



नोएडा। राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (एनआईओएस) ने सोमवार को अपना 37वाँ स्थापना दिवस मनाया।इस अवसर पर नोएडा स्थित एनआईओएस क्षेत्रीय केंद्र के कल्याण सिंह सभागार में आयोजित समारोह में शिक्षा को अधिक समावेशी, सुलभ और रोजगारोन्मुख बनाने की दिशा में दो डिजिटल ऐप तथा छह नए पाठ्यक्रमों का लोकार्पण किया गया।कार्यक्रम में संस्थान की शैक्षिक उपलब्धियों,डिजिटल नवाचारों और कौशल विकास से जुड़ी पहलों को रेखांकित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि टी.के .अनिल कुमार, आईएएस,सचिव,स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, शिक्षा मंत्रालय,भारत सरकार ने अपने संबोधन में एनआईओएस के कार्यों की सराहना करते हुए डिजिटल साक्षरता,शिक्षा से वंचित वर्गों को मुख्यधारा से जोड़ने तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की पहुँच बढ़ाने पर जोर दिया।उन्होंने कहा कि एनआईओएस विभिन्न सामाजिक वर्गों और कार्यक्षेत्रों से जुड़े ऐसे लोगों तक शिक्षा पहुँचा रहा है, जो किसी कारणवश औपचारिक शिक्षा व्यवस्था से नहीं जुड़ पाए।यह संस्था उनके उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। एनआईओएस के शिक्षार्थियों का वैश्विक मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करना भी गौरव का विषय है।

पद्मश्री श्री चमू कृष्ण शास्त्री,अध्यक्ष,भारतीय भाषा समिति,शिक्षा मंत्रालय,भारत सरकार, सम्मानित अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।उन्होंने एनआईओएस की डिजिटल पहलों की सराहना करते हुए कहा कि संस्थान का कार्यक्षेत्र और संभावनाएं असीमित हैं। एनआईओएस व्यावसायिक शिक्षा के साथ-साथ शिक्षक-शिक्षा के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय कार्य कर रहा है।उन्होंने कहा कि शिक्षा के माध्यम से ही विकसित भारत 2047 के संकल्प को साकार किया जा सकता है। प्राची पाण्डेय, आईए एंड एएस,संयुक्त सचिव(संस्थाएँ एवं प्रशिक्षण),स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग,शिक्षा मंत्रालय,भारत सरकार, विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं।उन्होंने कहा कि एनआईओएस व्यावसायिक शिक्षा के माध्यम से शिक्षार्थियों को रोजगारपरक शिक्षा एवं कौशल प्रदान कर रहा है। विभिन्न भाषाओं में शिक्षा प्राप्त करने की सुविधा शिक्षार्थियों को अपनी क्षमता विकसित करने और बेहतर भविष्य बनाने के अवसर उपलब्ध करा रही है।एनआईओएस के अध्यक्ष प्रो.अखिलेश मिश्र ने स्वागत भाषण में सभी अतिथियों का अभिनंदन करते हुए कहा कि एनआईओएस ने भारत ही नहीं,विदेशों में भी मुक्त विद्यालयी शिक्षा की विशिष्ट पहचान स्थापित की है। संस्थान ने शिक्षा को समावेशी,लचीला और शिक्षार्थी-केंद्रित बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। एनआईओएस शिक्षा को कक्षाओं तक सीमित न रखकर समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुँचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

डिजिटल शिक्षा एवं निगरानी व्यवस्था को सशक्त बनाने की पहलः-

इस अवसर पर एनआईओएस की दो महत्वपूर्ण डिजिटल पहल एनआईओएस मित्र और एनआईओएस नेत्र ऐप का लोकार्पण किया गया। एनआईओएस मित्र का उद्देश्य शिक्षा से वंचित व्यक्तियों,विद्यालय छोड़ चुके विद्यार्थियों,प्रवासी श्रमिकों,प्रथम पीढ़ी के शिक्षार्थियों तथा समाज के अन्य वंचित वर्गों तक मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा की पहुँच सुनिश्चित करना है।यह पहल अधिक से अधिक लोगों को शिक्षा से जोड़ने और उन्हें आगे बढ़ने के अवसर उपलब्ध कराने में सहायक होगी।वहीं, एनआईओएस नेत्र ऐप परीक्षा केंद्रों के निरीक्षण एवं निगरानी व्यवस्था को पारदर्शी,व्यवस्थित और प्रभावी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।इसके माध्यम से निरीक्षण अधिकारी वास्तविक समय में अपनी लोकेशन,समय, फोटो एवं वीडियो साक्ष्य दर्ज कर सकेंगे,निर्धारित चेकलिस्ट भर सकेंगे तथा परीक्षा केंद्रों पर घटित किसी भी घटना की तत्काल रिपोर्ट कर सकेंगे।

शिक्षा एवं व्यावसायिक कौशल के छह नए पाठ्यक्रमों का शुभारंभः-

स्थापना दिवस के अवसर पर शैक्षिक विभाग द्वारा तीन नए पाठ्यक्रमों का लोकार्पण किया गया। इनमें भारतीय ज्ञान परंपरा पर आधारित प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम ह्यभारताभिज्ञानम्, माध्यमिक स्तर का ह्यआयुर्वेदशास्त्र पाठ्यक्रम तथा छह माह का विशेष प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम ह्यकस्टमर रिलेशनशिप मैनेजमेंट शामिल हैं।इस अवसर पर डी-व्यू रिपोर्ट का भी लोकार्पण किया गया।

व्यावसायिक शिक्षा विभाग द्वारा रोजगार एवं कौशल विकास की बढ़ती आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए तीन एनसीवीईटी (एनसीवीईटी)अनुमोदित पाठ्यक्रमों का शुभारंभ किया गया।इनमें ह्यएआई असिस्टेंटह्ल,ह्यआईटी हेल्पडेस्क अटेंडेंट और फायर मार्शल पाठ्यक्रम शामिल हैं।इन पाठ्यक्रमों के माध्यम से शिक्षार्थियों को आधुनिक कार्यक्षेत्रों की आवश्यकताओं के अनुरूप व्यावहारिक कौशल एवं रोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में पहल की गई है।

37वें स्थापना दिवस समारोह में राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए एनआईओएस के तीन क्षेत्रीय केंद्रों– गांधीनगर, हैदराबाद और गुवाहाटी को राजभाषा शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया। समारोह में एनआईओएस के अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में एनआईओएस के सचिव ने सभी अतिथियों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

झालावाड़ में भाजपा के कुशवंत नागर बने उप जिला प्रमुख

कांग्रेस के बालचन्द को 3 मतों से हराया

झालावाड़ (एजेंसी)। झालावाड़ जिला परिषद के उप जिला प्रमुख चुनाव में भाजपा के 27 वर्षीय कुशवंत नागर ने कांग्रेस के बालचन्द को तीन मतों से हराया। नागर को 18 और बालचन्द को 15 मत मिले। नागर एमकॉम और एलएलबी तक शिक्षित हैं।

पंचायती राज संस्थाओं के आम चुनाव के तहत गुरुवार को जिला परिषद में उप जिला प्रमुख पद के लिए निर्वाचन प्रक्रिया संपन्न हुई। इसमें भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी कुशवंत नागर ने कांग्रेस के प्रत्याशी बालचन्द को तीन मतों से हराकर जीत दर्ज की। कुशवंत नागर को कुल 18 मत मिले, जबकि कांग्रेस प्रत्याशी बालचन्द को 15 मत प्राप्त हुए।

जिला निर्वाचन अधिकारी अजय सिंह राठौड़ ने बताया कि निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार मतदान कराया गया। इसके बाद मतगणना पूरी पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ संपन्न कराई गई। मतगणना के बाद भाजपा प्रत्याशी कुशवंत नागर को विजेता घोषित किया गया।



27 साल के कुशवंत नागर सबसे अधिक शिक्षित जनप्रतिनिधि

झालावाड़ के नवनिर्वाचित उप जिला प्रमुख कुशवंत नागर जिले के जनप्रतिनिधियों में सबसे अधिक शिक्षित बताए जा रहे हैं। अलावा गांव निवासी नागर की उम्र महज 27 साल है। उन्होंने एमकॉम और एलएलबी तक शिक्षा प्राप्त की है। वे अविवाहित हैं और छात्र राजनीति से अपने राजनीतिक सफर की शुरूआत की है।कुशवंत नागर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) से जुड़े रहे हैं। वे संगठन में जिला संयोजक की जिम्मेदारी निभा चुके हैं। इसके अलावा भवानीमंडी स्थित बिरला कॉलेज में एबीवीपी की ओर से छात्रसंघ अध्यक्ष भी रह चुके हैं। छात्र राजनीति में सक्रिय रहने के बाद अब भाजपा ने उन्हें जिला परिषद में उप जिला प्रमुख की जिम्मेदारी सौंपी है। फिलहाल नागर अपने पिता के साथ भवानीमंडी कृषि उपज मंडी में मर्चेंट का काम देखते हैं। उनके दादा भंवरलाल नागर भी लंबे समय से भाजपा में सक्रिय रहे हैं। परिवार की राजनीतिक पृष्ठभूमि और छात्र संगठन में सक्रियता ने उनके राजनीतिक सफर को आगे बढ़ाने में भूमिका निभाई है।

क्रॉस वोटिंग से भाजपा ने कांग्रेस के वोट बैंक में लगाई सेंध

झालावाड़ जिला परिषद चुनाव में भाजपा ने 17 सीटें और कांग्रेस ने 16 सीटें जीती थीं। दोनों दलों के बीच मुकाबला लगभग बराबरी का रहा था। जिला प्रमुख के चुनाव में भाजपा ने 17 मत हासिल कर एक मत के अंतर से जीत दर्ज की थी।

राजस्थान में एयरगन साफ करते समय चली गोली, नागौर की नव निर्वाचित सरपंच की मौत

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान में नागौर के टुंकलिया गांव की नव निर्वाचित सरपंच शैलू राजपुरोहित की मंगलवार को एयरगन के छर्रे लगने से मौत हो गई। बताया जा रहा है कि शैलू एयरगन साफ कर रही थीं। इसी दौरान अचानक ट्रिगर दबने से छर्रे उनके सीने में जा लगे।



स्वजन उन्हें उपचार के लिए जोधपुर ले जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। गोटन पुलिस थाना अधिकारी सुमन चौधरी ने बताया कि शैलू ने हाल ही में हुए पंचायत चुनाव में 155 मतों से सरपंच का चुनाव जीता था। नागौर सांसद और राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के अध्यक्ष हनुमान बेनीवाल ने शैलू की गोली मारकर हत्या करने की आशंका जताई है। उन्होंने पुलिस से मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। हालांकि शैलू के स्वजन ने हत्या की आशंका को खारिज किया है।

गांव में दूषित पानी से पीलिया का कहर, 70 लोगों में मिले लक्षण

कोटा। राजस्थान के कोटा जिले के गिरधरपुरा गांव में दूषित पानी पीने से पीलिया फैलने की आशंका ने ग्रामीणों की चिंता बढ़ा दी है। गांव में करीब 70 लोगों में पीलिया के लक्षण सामने आए हैं। इनमें 19 बच्चे भी शामिल हैं। लगातार मरीज सामने आने के बाद चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग अलर्ट हो गया है। प्रशासन ने गांव में एहतियाती कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। शुरूआती जांच में बोरिंग और जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग (पीएचईडी) की सरकारी नल लाइन से घरों तक पहुंच रहे पानी के दूषित होने की आशंका जताई गई है।

स्वामीः गायत्री मीडिया, प्रकाशक व संपादकः शैलेन्द्र कुमार शर्मा, मुद्रकः रजनी कुमारी द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रैस, डी-85, सेक्टर 06, नोएडा गौतमबुद्धनगर, उत्तर प्रदेश से मुद्रित व 74ए आशीर्वाद एन्क्लेव, टीएचडीसीए देहराखास, देहरादून, उत्तराखंड. 248001 से प्रकाशित किया। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र देहरादून होगा। RNI.No. UAHIN/26/A3885

बाबा साहब का सम्मान और क्षेत्र का विकास ही मुख्य संकल्प: ओम कुमार

संविधान दिवस पर नहटौर के दस गांवों में माल्यार्पण, 10 लाख की लागत से संवरेगा प्रतिमा स्थल; नए वोट बनवाने की अपील



उत्तम भारत संवाददाता

नहटौर। राष्ट्रीय संविधान दिवस के अवसर पर नहटौर विधायक ओम कुमार ने विधानसभा क्षेत्र के दस गांवों–बल्लाशेरपुर, खेतापुर, कुण्डाबगैन, सलेमपुर, चकगोवर्धन, मंडोरी, शादीकाबाद, पालीजट, फलोदा तथा अलीनगर पालनी–का दौरा किया। इस दौरान ओम कुमार ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आशीर्वाद एवं अपने प्रयासों से 'डॉ. भीमराव अंबेडकर मूर्ति विकास योजना' के अंतर्गत लगभग 10 लाख रुपये की लागत से होने वाले प्रतिमा स्थल के सौंदर्यीकरण कार्य का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने दलित समाज के लोगों व स्थानीय ग्रामीणों के साथ बैठकर लखनऊ में आयोजित मुख्यमंत्री के राज्यस्तरीय कार्यक्रम का वर्चुअल माध्यम से लाइव प्रसारण भी देखा।

ग्रामवासियों को संबोधित करते हुए विधायक ओम कुमार ने सभी को संविधान दिवस की शुभकामनाएं दीं तथा प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी और विकास योजनाओं की जानकारी साझा की। उन्होंने भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया और श्रद्धासुमन अर्पित किए।

कार्यक्रम के दौरान विधायक ओम कुमार ने कहा कि बाबा साहब के विचार, उनका संघर्ष तथा संविधान में निहित समानता, न्याय व अधिकारों के आदर्श सदैव प्रेरणास्रोत रहेंगे। बाबा साहब का सम्मान, सामाजिक समरसता और क्षेत्र का विकास ही उनका मुख्य संकल्प है।

कार्यक्रमों में पहुंचीं भाजपा महिला मोर्चा बिजनौर की जिला उपाध्यक्ष एवं विधायक ओम कुमार की धर्मपत्नी ने भी क्षेत्रवासियों को राष्ट्रीय संविधान दिवस की बधाई दी। उन्होंने ग्रामीणों को बाबा साहब द्वारा दिए गए मताधिकार के महत्व के प्रति जागरूक करते हुए अपील की कि जिन पात्र लोगों के वोट अभी तक नहीं बने हैं, वे जल्द से जल्द अपना वोट अवश्य बनवाएं।

इस मौके पर राकेश प्रमुख नहटौर, भाजपा मंडल अध्यक्ष भाटियान हिमांशु पाराशर, वैभव गोयल, डॉ. उर्मिला पाल, आकाश कुमार, गुल अहमद, संकेश, मनीराम प्रधान, पंकज चेयरमैन, रामकेश, पदम, सोनू, दलीप एवं तरुण कुमार सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

संविधान दिवस पर अपना दल (एस) की बैठक

संविधान की रक्षा, सामाजिक न्याय और समान अधिकारों के लिए अपना दल (एस) प्रतिबद्धः शैलेंद्र चौधरी



उत्तम भारत संवाददाता

नगीना। संविधान दिवस के अवसर पर अपना दल (एस) के जिला कैंप कार्यालय पर आयोजित बैठक में जिलाध्यक्ष एडवोकेट शैलेंद्र चौधरी ने भारतीय संविधान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संविधान देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था की आत्मा है। यह प्रत्येक नागरिक को समानता, स्वतंत्रता, न्याय और सम्मान के साथ जीवन जीने का अधिकार प्रदान करता है।

बैठक को संबोधित करते हुए शैलेंद्र चौधरी ने कहा कि भारतीय संविधान केवल एक कानूनी दस्तावेज नहीं, बल्कि करोड़ों देशवासियों के अधिकारों, आशाओं और सामाजिक न्याय का आधार है। संविधान ने समाज के प्रत्येक वर्ग को आगे बढ़ने का अवसर दिया है। हमें संविधान में निहित मूल्यों को आत्मसात करते हुए आपसी भाईचारे, समरसता और लोकतांत्रिक मर्यादाओं को मजबूत करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि अपना दल (एस) के संस्थापक डॉ. सोनेलाल पटेल ने सामाजिक न्याय, समान अधिकार और वंचित वर्गों के सम्मान की जो विचारधारा स्थापित की, वह संविधान की मूल भावना से जुड़ी हुई है। पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल के नेतृत्व में अपना दल (एस) संविधानसम्मत अधिकारों और जनहित के मुद्दों को मजबूती से उठाने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर वकील अहमद, अंश चौधरी, अभिषेक, नगीना नगर अध्यक्ष डॉ शादाब, दुष्यंत कुमार, किशोर कुमार, नरेश कुमार, मोहम्मद आरिफ, शाहनवाज,रोहन शर्मा, सूर्य प्रताप सिंह, शेख फिरोज, आदि उपस्थित रहे।

अवैध तमंचा कारतूस सहित युवक गिरफ्तार, कार भी बरामद

उत्तम भारत संवाददाता

स्योहारा। पुलिस ने अवैध हथियारों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक युवक को अवैध तमंचे और जिंदा कारतूस के साथ किया गिरफ्तार। आरोपी के कब्जे से एक लाल रंग की टाटा एल्ट्रोज कार भी बरामद। प्राप्त जानकारी के अनुसार 25/26 नवंबर की रात्रि थाना स्योहारा पुलिस को मुखबिर खास से सूचना मिली कि फव्वारा चौक से ठाकुरद्वारा मार्ग पर एक लाल रंग की टाटा एल्ट्रोज कार खड़ी है जिसमें एक व्यक्ति अवैध हथियार और कारतूस लेकर मौजूद है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर संदिग्ध व्यक्ति को हिरासत में लेकर उसकी तलाशी ली। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम अभिषेक पुत्र विशम्बर निवासी ग्राम रामनगर थाना अफजलगढ़ बताया। तलाशी के दौरान पुलिस ने उसके कब्जे से एक तमंचा 32 बोर और एक जिंदा कारतूस 32 बोर बरामद किया। पुलिस ने मौके से लाल रंग की टाटा एल्ट्रोज कार संख्या वढ20उह5791 को भी अपने कब्जे में ले लिया है। मामले में थाना स्योहारा पर मुकदमा अपराध संख्या 440/2026 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट के तहत अभियोग पंजीकृत कर आरोपी को अवैध तमंचे कारतूस और कार सहित गिरफ्तार कर लिया गया पुलिस द्वारा आरोपी को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है थाना अध्यक्ष प्रवेश कुमार के निर्देशन में स्योहारा पुलिस द्वारा की गई इस कार्रवाई को अवैध हथियारों के विरुद्ध पुलिस की सक्रियता के रूप में देखा जा रहा है। थाना अध्यक्ष प्रवेश कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम क्षेत्र में अपराध और आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए लगातार कार्रवाई कर रही है। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक कृष्ण कुमार, कां. सुमित कुमार, कां. फैयाज शामिल रहे।

दहेज हत्या के मामले में एक आरोपी गिरफ्तार

पुलिस ने कब्रिस्तान के पास से दबोचा एक आरोपी, पहले ही जा चुका है जेल

उत्तम भारत संवाददाता



स्योहारा। दहेज हत्या के मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए फरार चल रहे एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश करने की कार्रवाई शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बीती 6 नवंबर 2026 को मुरादाबाद जनपद के थाना कांठ क्षेत्र के मोहल्ला पट्टीवाला निवासी साविया पत्नी सल्लू ने थाने में तहरीर देकर अपनी पुत्री की दहेज के लिए हत्या किए जाने का आरोप लगाया था। तहरीर में आरोप लगाया गया था कि उनकी पुत्री को उसके पति आसिफ अहमद देवर इरफान तथा ननद शबनम द्वारा दहेज के लिए प्रताड़ित किया जा रहा था। आरोप है कि इसी के चलते उनकी पुत्री को जहर देकर एवं गला दबाकर मौत के घाट उतार दिया गया। मामले में थाना पर मुकदमा अपराध संख्या 417/2026 के अंतर्गत बीएनएस की धारा 85, 80(2), 92 तथा दहेज प्रतिषेध अधिनियम की धारा 3/4 में मुकदमा दर्ज कर पुलिस द्वारा विवेचना की जा रही थी। इसी क्रम में गुरुवार को पुलिस ने मुकदमे में वांछित आरोपी इरफान पुत्र पीर मोहम्मद उर्फ पीरू निवासी ग्राम अकबरपुर आशा उर्फ हरौली थाना स्योहारा को मंगलखेड़ा रोड स्थित कब्रिस्तान के पास से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश किया। गौरतलब है कि इसी इसी मुकदमे में नामजद एक अन्य आरोपी आसिफ अहमद को पुलिस द्वारा पूर्व में 7 नवंबर 2026 को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। थाना अध्यक्ष प्रवेश कुमार के नेतृत्व में की गई इस कार्रवाई में उपनिरीक्षक अरुण कुमार, कां. आरिफ शामिल रहे पुलिस द्वारा मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

जनस्वराज रैली के लिए नजीबाबाद से 10 बसें लखनऊ रवाना



उत्तम भारत संवाददाता

नजीबाबाद। आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) की लखनऊ स्थित जनस्वराज रैली में शामिल होने के लिए नजीबाबाद विधानसभा क्षेत्र से 10 बसों का काफिला रवाना हुआ। साहनपुर चेयरमैन खुर्शीद मंसूरी के नेतृत्व में रवाना हुए इस काफिले में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता व समर्थक शामिल रहे।

मंसूरी ने कहा कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद के नेतृत्व में आयोजित यह रैली बहुजन समाज के अधिकारों और सामाजिक न्याय की आवाज बुलंद करेगी। इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष अशोक कुमार, सुखबीर प्रधान, वीरेंद्र सिंह, अब्दुल्ला गुलजार, अयाज अंसारी और विष्णु गौतम मौजूद रहे।

छह दिन से बंद कोतवाली वाला रेलवे फाटक तुरंत खोलने की मांग

पूर्व विधायक ने डीआरएम को भेजा पत्र

उत्तम भारत संवाददाता



नगीना। नगीना विधानसभा के पूर्व विधायक सतीश गौतम के नेतृत्व में नागरिकों ने पिछले छह दिन से बंद कोतवाली वाला फाटक तुरंत खोलने की मांग की है। रेलवे के डीआरएम मुरादाबाद को संबोधित मांग पत्र में पूर्व विधायक सतीश गौतम व भाजपा के प्रांतीय पार्षद रोहित कुमार रवि एडवोकेट ने कहा है कि नगीना बुदकी रेलवे स्टेशनों के बीच स्थित फाटक संख्या 471 बी को रेल ट्रैक की मरम्मत व स्लीपर बदलने के लिए 20 नवंबर की सुबह 6 बजे से बंद कर दिया गया था और 24 नवंबर की शाम 6 बजे खोलने की बात कही गई थी। लेकिन 6 दिन बाद भी कार्य पूरा नहीं हुआ है।

मुख्य फाटक होने के कारण यातायात की समस्या का प्रयोग करने वाले लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मांग पत्र में रेलवे फाटक को तत्काल खोलने की मांग की गई है। मांग पत्र पर पूर्व विधायक सतीश नगरवासियों एवं इस मार्ग का गौतम, भाजपा के प्रांतीय पार्षद रोहित रवि एडवोकेट, सचिन शर्मा, संजय शर्मा, धर्मेंद्र राठी, अमूल, देशराज सैनी, मुकंदी,सौराज सैनी, हरमीत सिंह,तिलकराज आदि के हस्ताक्षर थे।

28 नवंबर को आयोजित होगी मोटर वाहन चालान के मामलों के निस्तारण के लिए विशेष लोक अदालत

बिजनौर। माननीय राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निदेशों के अनुपालन में आगामी 28 नवंबर 2026 को जनपद न्यायालय बिजनौर एवं बाह्य स्थित न्यायालयों में मोटर वाहन अधिनियम (एमवी एक्ट) के अंतर्गत चालान से संबंधित मामलों के निस्तारण के लिए विशेष लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं जनपद न्यायाधीश श्री संजय कुमार सप्तम के मार्गदर्शन में आयोजित होने वाली इस विशेष लोक अदालत के माध्यम से आमजन अपने वाहनों के लंबित चालानों का निस्तारण संबंधित न्यायालय में उपस्थित होकर करा सकते हैं। इस संबंध में सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बिजनौर श्रीमती स्वाति चंद्रा ने आमजन से अपील की है कि जिन वाहन स्वामियों के चालान लंबित हैं, वे आगामी 28 नवंबर को आयोजित विशेष लोक अदालत में उपस्थित होकर अपने चालानों का निस्तारण कराएं और इस अवसर का लाभ उठाएं।

ब्राइट फ्यूचर पब्लिक स्कूल में लगा निशुल्क नेत्र जांच शिविर

100 से अधिक विद्यार्थियों और 50 से ज्यादा अभिभावकों ने उठाया लाभ, बच्चों को आंखों की देखभाल के प्रति किया जागरूक

उत्तम भारत संवाददाता



चांदपुर। हल्दौर चौक स्थित ब्राइट फ्यूचर पब्लिक स्कूल में गुरुवार को विद्यार्थियों और अभिभावकों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए निशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में नेत्र विशेषज्ञ डॉ. सुमैया (ऑप्टोमेट्रिस्ट) ने विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों की आंखों की जांच कर उन्हें जरूरी परामर्श दिया। शिविर के दौरान दोपहर 12 बजे तक 100 से अधिक बच्चों और 50 से ज्यादा अभिभावकों ने निशुल्क नेत्र परीक्षण का लाभ उठाया। इस अवसर पर बच्चों को आंखों की नियमित देखभाल, साफ-सफाई और समय-समय पर नेत्र जांच कराने के महत्व के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही मोबाइल और डिजिटल स्क्रीन का अधिक समय तक इस्तेमाल करने से आंखों पर पड़ने वाले संभावित दुष्प्रभावों के प्रति भी जागरूक किया गया।

नेत्र विशेषज्ञ डॉ. सुमैया ने बताया कि बच्चों में आंखों से जुड़ी समस्याओं की समय रहते पहचान होना बेहद जरूरी है। इसके लिए नियमित जांच और सावधानी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि उनकी ओर से पहले भी निशुल्क नेत्र जांच शिविर आयोजित किए जाते रहे हैं और भविष्य में भी इस तरह के शिविर लगातार लगाए जाते रहेंगे, ताकि अधिक से अधिक लोगों को इसका लाभ मिल सके।

नगीना में पुलिस और आरटीओ की साठगांठ से बेखौफ दौड़ रहे डग्गामार वाहन

नगीना। उत्तर प्रदेश के लोकप्रिय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के स्पष्ट आदेश हैं की डग्गामार गाड़ियों तथा बिना परमिट की बसो का संचालन किसी भी कीमत पर होने नहीं दिया जाएगा। इनके संचालन पर रोक लगाने के मुख्यमंत्री के सख्त आदेश हैं। लेकिन नगीना में शायद यह आदेश लागू नहीं होता। आरटीओ विभाग तथा पुलिस प्रशासन की साठगांठ के चलते नगीना से दिल्ली, हरिद्वार देहरादून के लिए डग्गा मार गाड़ियों तथा बसो का संचालन बदसतूर जारी है। ऐसा नहीं है कि यह गाड़ियां तथा बसे चोरी छुपे चल रही हो यह गाड़ियां खुलेआम रोडवेज बस स्टैंड के सामने मंडी समिति गांधी मूर्ति चौक, तथा चित्तौड़गढ़ पुलिस चौकी के सामने पुलिस की मौजूदगी मे खुलेआम सवारियों को भरकर दिल्ली तथा उत्तराखंड के हरिद्वार, देहरादून रोजाना लेकर जा रही है इनके संचालन से परिवहन विभाग को रोजाना लाखों रुपए का नुकसान हो रहा है।

फादरसन पब्लिक स्कूल में उत्साह के साथ मनाया गया संविधान दिवस

शिक्षक-शिक्षिकाओं ने संविधान के महत्व, मौलिक अधिकारों और नागरिक कर्तव्यों पर रखे विचार, विद्यार्थियों को भी किया जागरूक

उत्तम भारत संवाददाता



चांदपुर। फादरसन पब्लिक स्कूल में बुधवार को संविधान दिवस बड़े उत्साह और सम्मान के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं ने कार्यक्रम में सहभागिता करते हुए भारतीय संविधान के महत्व, उसके मूल्यों तथा नागरिकों के अधिकारों और कर्तव्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

कार्यक्रम का शुभारंभ संविधान के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए किया गया। कार्यक्रम का संचालन सोशल साइंस के शिक्षक हर्ष त्यागी ने प्रभावशाली ढंग से किया। इस दौरान शिक्षिका आलिया, सीतु, दिव्या और शिक्षक जितेंद्र कुमार ने अपने विचार प्रस्तुत करते हुए भारतीय संविधान की विशेषताओं और लोकतांत्रिक व्यवस्था में उसकी महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान प्रत्येक नागरिक को समानता, स्वतंत्रता और न्याय का अधिकार प्रदान करता है। साथ ही प्रत्येक नागरिक को अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने की भी प्रेरणा देता है।

इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य अमन कुमार सूर्यवंशी ने सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं को संबोधित करते हुए कहा कि संविधान हमारे लोकतंत्र की मजबूत नींव है। प्रत्येक नागरिक को देश के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझना चाहिए और उनका ईमानदारी से पालन करना चाहिए। उन्होंने शिक्षकों से विद्यार्थियों में संवैधानिक मूल्यों, अनुशासन, समानता और राष्ट्रप्रेम की भावना विकसित करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि संविधान केवल नागरिकों को अधिकार ही नहीं देता, बल्कि एक जिम्मेदार और जागरूक नागरिक बनने का मार्ग भी प्रशस्त करता है। अंत में कार्यक्रम को ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायक बताते हुए संविधान के आदर्शों को जीवन में अपनाने का संकल्प लिया गया।

जमीनी विवाद को लेकर दो पक्षों में खूनी संघर्ष, बुजुर्ग समेत दो महिलाएं घायल

नहटौर। क्षेत्र के गांव सीकरी खुर्द में गुरुवार को जमीनी विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच हिंसक झड़प और मारपीट हो गई। इस घटना में एक बुजुर्ग समेत दो महिलाएं घायल हो गईं। पुलिस ने सभी घायलों को उपचार के लिए नहटौर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया, जहां बुजुर्ग की हालत गंभीर देखते हुए उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, गुरुवार को गांव सीकरी खुर्द में जमीन और रास्ते को लेकर दोनों पक्षों के लोग आमने-सामने आ गए। एक पक्ष के सुरेश कुमार का आरोप है कि उन्होंने दिनेश, राकेश और विरेश से जमीन खरीदी थी। वहीं, दूसरे पक्ष के अर्जुन का कहना है कि संबंधित मामला न्यायालय में विचाराधीन है और उनका रास्ता बंद कर दिया गया था।

नगर पालिका परिषद, बिजनौर

सूचना

जनगणना-2027 (द्वितीय चरण) के सफल क्रियान्वयन एवं स्व-गणना के सम्बन्ध में आज दिनांक 26 नवम्बर 2026 को (द्वितीय चरण) के क्रम में नगर पालिका परिषद, बिजनौर के डा. भीमराव अम्बेडकर सभागार में समस्त सुपरवाइजरों की बैठक आहुत की गई जिसमें उपजिलाधिकारी श्रीमती स्मृति मिश्रा ने स्व-गणना एवं जनगणना के कार्य धीमी गति से करने पर नाराजगी जाहिर करते हुए कार्य को समयन्तर्गत पूर्ण कराने के दिशा निर्देश दिए। तथा उपजिलाधिकारी महोदया द्वारा सभी सुपरवाइजरों से उनके द्वारा किए गए कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई तथा यह भी निर्देश दिए गए कि जो प्रगणक ठीक से कार्य नहीं कर रहे हैं उनकी सूची उपलब्ध कराएं। जिसमें श्री रामपाल अधिशासी अधिकारी स्वयं, तथा श्री नरेन्द्र पाल सिंह यादव कर अधीक्षक व श्री गौरव शर्मा अपर अभियन्ता (जलकल), श्री जसवन्त सिंह अपर अभियन्ता (निर्माण), श्री नदीम अहमद (जनगणना लिपिक) उपस्थित रहे।

चार्ज अधिकारी/अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद, बिजनौर

संविधान केवल अधिकारों का दस्तावेज नहीं: पंकज

कर्तव्यों, आदर्शों और राष्ट्रीय एकता का आधार: डीजे



उत्तम भारत संवाददाता

अलीगढ़। संविधान दिवस के अवसर पर गुरुवार को नौरंगीलाल इंटर कॉलेज परिसर में संविधान के प्रति सम्मान, जागरूकता और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता का संदेश दिया गया।

इस अवसर पर जिला न्यायाधीश पंकज कुमार अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय संविधान हमारे लोकतंत्र की आत्मा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता का मजबूत आधार है। संविधान प्रत्येक नागरिक को अधिकार प्रदान करने के साथ ही उसके प्रति कुछ महत्वपूर्ण दायित्व भी निर्धारित करता है। संविधान में निहित न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के आदर्श केवल प्रस्तावना तक सीमित न रहें, बल्कि हमारे दैनिक जीवन और व्यवहार का हिस्सा बनें। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे संविधान के मूल्यों को समझें, अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहें और अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक पालन करते हुए एक जिम्मेदार नागरिक बनें।

कार्यक्रम के प्रारंभ में विद्वान न्यायिक अधिकारियों ने छात्र-छात्राओं द्वारा संविधान दिवस के उपलक्ष्य में तैयार की गई आकर्षक रंगोली का अवलोकन किया और उनकी रचनात्मकता एवं प्रयासों की सराहना की। इसके उपरांत न्यायिक अधिकारियों ने जागरूकता के संदेश के साथ आयोजित साइकिल रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली के माध्यम से विद्यार्थियों ने संविधान के प्रति सम्मान और नागरिक जागरूकता का संदेश दिया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के सामूहिक गायन के साथ हुआ। इस अवसर पर न्यायिक अधिकारीगण, विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। साक्षी गर्ग सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

इस अवसर पर विपिन कुमार-प्प अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, प्रतिभा सक्सेना-प्प विशेष न्यायाधीश (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम) तोष कुमार शर्मा अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, राकेश वशिष्ठ विशेष न्यायाधीश (आवश्यक वस्तु अधिनियम), अभिषेक कुमार बगरिया अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (पॉक्सो), गुलाम मुस्तफा अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, अंकित राज सिंह रेलवे न्यायालय, अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (उत्तर रेलवे), प्रदीप कुमार जायंत अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, अनिल कुमार-टप्प अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (सांसद/विधायक न्यायालय), नितिन श्रीवास्तव अपर जिला एवं सत्र, श्रीमती तारकेश्वरी सिंह अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, कमलकांत गुप्ता अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (त्वरित न्यायालय), 14वां वित्त आयोग, अशोक कुमार सिंह-प लघुवाद न्यायालय के न्यायाधीश, संगीता-प सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, गजेंद्र सिंह अपर सिविल जज (वरिष्ठ खंड)/अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, कृति सिंह सिविल जज (वरिष्ठ खंड, अखिल कुमार निजहावन अपर सिविल जज (वरिष्ठ खंड)/अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, प्रीति-प अपर सिविल जज (वरिष्ठ खंड)/अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, शुभांगी गुप्ता अपर सिविल जज (वरिष्ठ खंड)/अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, नम्रता सिंह-प्प अपर सिविल जज (वरिष्ठ खंड)/अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, विधि सिंघल सिविल जज (वरिष्ठ खंड), त्वरित न्यायालय (14वां वित्त आयोग), मीना अख्तर सिविल जज (कनिष्ठ खंड), कोल, विजय चौधरी न्यायिक मजिस्ट्रेट, मोहित निर्वाल ग्राम न्यायालय के न्यायाधिकारी, गभाना-अलीगढ़, अलका सिंह न्यायिक मजिस्ट्रेट, मोहम्मद फरहान सिविल जज (कनिष्ठ खंड), त्वरित न्यायालय (महिलाओं के विरुद्ध अपराध), आशीष सिंह सिविल जज (कनिष्ठ खंड), इगलास-अलीगढ़, करिश्मा यादव सिविल जज (कनिष्ठ खंड), त्वरित न्यायालय (14वां वित्त आयोग) सहित जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ0 पूरन सिंह, सह जिला विद्यालय निरीक्षक मनोज कुमार, प्रधानाचार्य राजकीय इंटर कॉलेज सहित अन्य न्यायिक विद्वान एवं अधिकारीगण उपस्थित रहे।

इस अवसर पर संविधान दिवस के अवसर पर कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी अविनाश कुमार ने प्रशासनिक अधिकारियों एवं कलेक्ट्रेट के पटल सहायकों को भारतीय संविधान में उल्लिखित मूल कर्तव्यों के पालन की शपथ दिलाई। इस दौरान सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने संविधान के आदर्शों, संवैधानिक संस्थाओं, राष्ट्रध्वज एवं राष्ट्रीय प्रतीकों के प्रति सम्मान बनाए रखने तथा देश की संप्रभुता, एकता और अखंडता की रक्षा करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा करने, व्यक्तिगत एवं सामूहिक गतिविधियों में उत्कृष्टता लाने, सभी को शिक्षा के अवसर उपलब्ध कराने और स्वतंत्रता आंदोलन के आदर्शों को आत्मसात करने का भी संकल्प लिया गया।

जिलाधिकारी ने संविधान की उद्देशिका के मूल भाव को रेखांकित करते हुए सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक न्याय, विचार एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, समानता और व्यक्ति की गरिमा को लोकतंत्र की आधारशिला बताया। उन्होंने संविधान के मूल्यों और कर्तव्यों को अपने आचरण में उतारने का संदेश दिया। इस अवसर पर एडीएम संगीता देवी, प्रमोद कुमार, अनिल कुमार सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी एवं पटल सहायक उपस्थित रहे।

अंबेडकर पार्क बदहाल, कांग्रेस नेता ने पानी से की पार्क की सफाई

उत्तम भारत संवाददाता

अलीगढ़। पूर्व भारत सरकार अनुसूचित जाति आयोग के जिला कोऑर्डिनेटर एवं कांग्रेस नेता सागर सिंह तोमर संविधान दिवस के अवसर पर घंटाघर स्थित अंबेडकर पार्क में बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित करने पहुंचे। इस दौरान पार्क की बदहाल स्थिति देखकर नगर निगम के प्रति नाराजगी जताई, और कहा कि पार्क में न तो समुचित सफाई की गई थी और न ही बाबा साहेब की प्रतिमा एवं उनके चित्रों की उचित देखरेख हो रही थी। पूरे पार्क में धूल-मिट्टी और सूखे पत्तों का अंबार लगा हुआ था।

उल्लेखनीय है कि पार्क के जीर्णोद्धार, सौंदर्यीकरण एवं शहर के



पहले संविधान पार्क के रूप में विकसित करने के लिए लगभग डेढ़ करोड़ रुपये खर्च किए जाने की जानकारी है। इसके बावजूद संविधान दिवस जैसे महत्वपूर्ण अवसर पर पार्क की ऐसी स्थिति बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने बताया कि पार्क में स्थापित संविधान की पुस्तक की प्रतिकृति के कुछ हिस्से क्षतिग्रस्त हो रहे हैं। वहीं, हाल ही में लगाए गए चित्रों की स्थिति भी खराब होने लगी है। इससे स्पष्ट होता है कि पार्क के निर्माण और सौंदर्यीकरण के बाद उसके नियमित रखरखाव पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

सागर सिंह तोमर ने नगर निगम प्रशासन से सवाल करते हुए कहा कि जब इस पार्क के विकास पर लगभग डेढ़ करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं, तो फिर इसकी नियमित सफाई और देखरेख क्यों नहीं हो रही है? संविधान दिवस के दिन भी यदि संविधान निमार्ता बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के नाम पर बने पार्क की सफाई नहीं हो सकती, तो यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।

ईसीआईनेट ऐप से निर्वाचन संबंधी सुविधाएं मोबाइल पर

उत्तम भारत संवाददाता

अलीगढ़। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाताओं की सुविधा, निर्वाचन प्रक्रिया में पारदर्शिता और नागरिकों की सहभागिता बढ़ाने के उद्देश्य से विकसित ईसीआईनेट मोबाइल ऐप को जन-जन तक पहुंचाने के लिए जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अविनाश कुमार ने जनपदवासियों से अपने मोबाइल में ऐप डाउनलोड करने की अपील की है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि ईसीआईनेट ऐप के माध्यम से मतदाता घर बैठे मतदाता सूची में अपना और अपने परिवार के सदस्यों का नाम देख सकते हैं। इसके साथ ही पात्र नागरिक नए मतदाता के रूप में पंजीकरण कराने, मतदाता पहचान पत्र में नाम, पता एवं अन्य विवरणों में संशोधन करने और अपने आवेदन की



स्थिति जानने जैसी निर्वाचन संबंधी सुविधाओं का लाभ एक ही डिजिटल प्लेटफॉर्म पर प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि ऐप के माध्यम से पात्र मतदाता डिजिटल वोटर कार्ड डाउनलोड करने, अपने मतदान केंद्र एवं विधानसभा क्षेत्र की जानकारी प्राप्त करने, बीएलओ से संपर्क करने और निर्वाचन संबंधी शिकायत दर्ज कराने की सुविधा भी प्राप्त कर सकते हैं। दिव्यांग मतदाताओं के लिए सक्षम मॉड्यूल के माध्यम से आवश्यक सहायता का अनुरोध करने की सुविधा उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त निर्वाचन प्रक्रिया एवं उम्मीदवारों से संबंधित जानकारी भी प्राप्त की जा सकती है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने जिले के समस्त विद्यालयों, डिग्री कॉलेजों, विश्वविद्यालयों एवं अन्य शिक्षण संस्थानों के प्रबंधकों, प्रधानाचार्यों, प्राचार्यों और शिक्षकों से विशेष अपील की है कि वे इस डिजिटल पहल को विद्यार्थियों और अभिभावकों तक पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभाएं। विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में प्रार्थना सभा, कक्षा शिक्षण और अभिभावक बैठकों के दौरान ऐप की उपयोगिता की जानकारी देकर विद्यार्थियों एवं उनके परिवारों को इसे डाउनलोड करने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने विशेष रूप से 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके युवाओं, निकट भविष्य में मतदाता बनने के पात्र युवाओं, सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों से ऐप डाउनलोड करने की अपील की। साथ ही विद्यार्थियों से कहा कि वे अपने माता-पिता एवं परिवार के अन्य पात्र सदस्यों का नाम मतदाता सूची में अवश्य जांचें तथा जिन पात्र सदस्यों का नाम सूची में दर्ज नहीं है, उनका नियमानुसार पंजीकरण कराने में सहयोग करें।

ईसीआईनेट ऐप एंड्रॉयड मोबाइल में गूगल प्ले स्टोर के माध्यम से डाउनलोड किया जा सकता है। ऐप डाउनलोड करते समय डेवलपर का नाम म्समबजपवद ब्वउउपेपवद वि प्दकपं अवश्य जांच लें। उप जिला निर्वाचन अधिकारी सौरभ भट्ट ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती में प्रत्येक नागरिक की सहभागिता महत्वपूर्ण है। मतदाता सूची में नाम दर्ज होना और निर्वाचन संबंधी जानकारी से जागरूक रहना प्रत्येक पात्र नागरिक के लिए आवश्यक है।

भाजपा में रार: महानगर अध्यक्ष और मंडल अध्यक्ष आमने-सामने

अलीगढ़। भाजपा महानगर संगठन में बैठक के आयोजन स्थल को लेकर महानगर अध्यक्ष इंजीनियर राजीव शर्मा और मडराक मंडल अध्यक्ष अनिल कुमार तोमर मं रार पैंदा हो गई। दोनों की अलग-अलग सूचनाएं सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। महानगर अध्यक्ष राजीव शर्मा ने 26 नवंबर को श्रवक कैंप कार्यालय में चार मंडलों की अलग-अलग बैठकें निर्धारित की थीं। जारी कार्यक्रम के अनुसार मडराक मंडल की बैठक सुबह 10 बजे, जयगंज मंडल की 11:30 बजे, महावीरगंज मंडल की दोपहर 1 बजे और रघुवीरपुरी मंडल की दोपहर 2 बजे होनी थी। इनमें संबंधित मंडलों के शक्ति केंद्र संयोजक, प्रभारी और बूथ अध्यक्षों को बुलाया गया था।

2 जनवरी को कई ट्रेनें प्रभावित गाजियाबाद तक ही चलेंगी

उत्तम भारत संवाददाता

अलीगढ़। 2 जनवरी 2027 को कई ट्रेनें प्रभावित, गाजियाबाद तक ही चलेंगी। ट्रैफिक ब्लॉक का सीधा असर अलीगढ़-हाथरस-टूंडला रूट के यात्रियों पर पड़ेगा। दिल्ली-गाजियाबाद रेलखंड के दिल्ली शाहदरा यार्ड में ट्रैफिक ब्लॉक के चलते 2 जनवरी 2027 को रेल यातायात प्रभावित रहेगा। इसके चलते कई ट्रेनों को निरस्त करने के साथ कुछ का संचालन गाजियाबाद तक सीमित किया जाएगा। वहीं, कई ट्रेनों के मार्ग में भी बदलाव किया गया है। इसका असर अलीगढ़, हाथरस और टूंडला से दिल्ली आने-जाने वाले यात्रियों पर पड़ेगा। उत्तर मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी डॉ शिवम शर्मा ने बताया कि ट्रेन संख्या 64152 दिल्ली-अलीगढ़ पैसेंजर गाजियाबाद स्टेशन पर ही शॉर्ट टर्मिनेट होगी। यानी यह ट्रेन गाजियाबाद से आगे दिल्ली तक नहीं जाएगी। वहीं, ट्रेन संख्या 64112 शकूरबस्ती-दनकौर गाजियाबाद से ही संचालित होगी। इसके अलावा हाथरस किला-दिल्ली ट्रेन संख्या 64581 गाजियाबाद से चलेगी, जबकि दिल्ली-हाथरस किला ट्रेन संख्या 64582 गाजियाबाद पर ही समाप्त होगी। टूंडला-दिल्ली ट्रेन संख्या 64583 भी गाजियाबाद से ही अपनी यात्रा शुरू करेगी।

दो जनवरी को प्रारंभिक स्टेशन से निरस्त रहेंगी। इसके अलावा दिल्ली-खुर्जा की ट्रेन संख्या 64106 और 64108 गाजियाबाद तक ही चलेंगी। दनकौर-दिल्ली ट्रेन संख्या 64107 भी गाजियाबाद से संचालित होगी। इसके अलावा ट्रेन संख्या 64903 मथुरा-गाजियाबाद, 64904 गाजियाबाद-मथुरा, 64111 खुर्जा-शकूरबस्ती और 15483 अलीपुरद्वार-दिल्ली के मार्ग में भी बदलाव किया है।

अनअकेडमी का सेंटर हुआ बंद

अलीगढ़। एजूकेशनल प्लेटफॉर्म अनअकेडमी ने अलीगढ़ स्थित अपने सेंटर को स्थायी रूप से बंद कर दिया है। मैनेजमेंट ने बताया कि अब सेंटर बंद होने के बाद से अलीगढ़ में अनअकेडमी के नाम से किसी भी तरह का नामांकन या कोई भी गतिविधि संचालित नहीं की जाएगी। इसके साथ ही सेंटर बंद होने के बाद अलीगढ़ में उसके नाम पर किए गए किसी भी नामाकंन, संचालन या दावे के लिए वह जिम्मेदार नहीं होगी और न ही वह उससे किसी रूप से जुड़ी होगी। अनअकेडमी मैनेजमेंट ने छात्रों, अभिभावकों से कहा है कि वे अलीगढ़ सेंटर में कंपनी से जुड़ी किसी भी जानकारी या दावे से सतर्क रहें।

वार्ड संख्या 20, जोन-03 में जीआईएस आधारित प्रॉपर्टी टैक्स सर्वे पूर्ण

उत्तम भारत संवाददाता

अलीगढ़। नगर निगम अलीगढ़ द्वारा नगर निगम सीमा के अंतर्गत वार्ड संख्या 20, जोन संख्या 03 में जीआईएस आधारित प्रॉपर्टी टैक्स सर्वे का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। सर्वे के अंतर्गत दर्ज किए गए भवनों एवं संपत्तियों के विवरण के संबंध में संबंधित भवन स्वामियों को आपत्ति दर्ज कराने का अवसर प्रदान किया जा रहा है। नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने बताया कि नगर निगम द्वारा संबंधित वार्ड के भवन स्वामियों को सूचित किया गया है कि सर्वे में दर्ज उनके भवनों एवं संपत्तियों का विवरण नगर निगम की आधिकारिक वेबसाइट दर्दसपहंती.पद, नगर निगम कार्यालय के हेल्प डेस्क तथा नगर निगम के नोटिस बोर्ड पर देखा जा सकता है। उन्होंने बताया कि यदि किसी भवन स्वामी को सर्वे में दर्ज विवरण में किसी प्रकार की त्रुटि, विसंगति अथवा अन्य कोई आपत्ति है, तो वह 26 नवंबर से 10 दिसम्बर 2026 तक नगर निगम कार्यालय के हेल्प डेस्क पर अपनी आपत्ति दर्ज करा सकता है। नगर निगम द्वारा प्राप्त आपत्तियों का परीक्षण एवं आवश्यक सत्यापन कराया जाएगा। आपत्तियों के निस्तारण के उपरांत भवनों एवं संपत्तियों के विवरण को अंतिम रूप देते हुए नियमानुसार प्रॉपर्टी टैक्स की वसूली की प्रक्रिया प्रारंभ की जाएगी। उन्होंने कहा कि नगर निगम ने संबंधित वार्ड के समस्त भवन स्वामियों से अपील की है कि वे निर्धारित अवधि के भीतर अपने भवन एवं संपत्ति से संबंधित सर्वे विवरण का अवलोकन अवश्य कर लें। यदि विवरण में कोई त्रुटि हो, तो निर्धारित समय सीमा के भीतर अपनी आपत्ति दर्ज कराकर उसके निराकरण की प्रक्रिया में सहयोग करें।

हाऊस टैक्स जमा कराने के नाम पर स्कूल से 3.22 लाख ठगे

उत्तम भारत संवाददाता

अलीगढ़। नगर निगम कर्मचारी बनकर स्कूल पहुंचे आरोपियों ने हाउस टैक्स जमा कराने के नाम पर 3,22,236 रुपए ठग लिए। आरोपियों ने टैक्स जमा होने का भरोसा दिलाने के लिए स्कूल प्रबंधन को व्हाट्सएप पर रसीद की पीडीएफ भी भेजी थी। बाद में जांच में पता चला कि रकम नगर निगम के खाते में जमा ही नहीं हुई।

जाकिर हुसैन मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल के सेक्रेटरी-कम-मैनेजर और एएमयू के पूर्व प्रॉक्टर प्रो. मोहम्मद नवेद खान की शिकायत पर सिविल लाइंस थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। एफआईआर के मुताबिक, मार्च 2026 में जोहरा बाग निवासी मो. अकील अपने एक साथी के साथ स्कूल पहुंचा। उसने खुद को नगर निगम कर्मचारी बताया और परिचय पत्र दिखाया। स्कूल के टैक्स दस्तावेजों के आधार पर हाउस टैक्स, वाटर टैक्स और ड्रेनेज टैक्स के करीब 3.50 लाख रुपए बकाया बताए।

शिकायत के अनुसार, 28 मार्च को प्रो. नवेद खान ने नगर आयुक्त के नाम 2,01,063 रुपए का चेक दिया था। आरोप है कि 31 मार्च को मौ अकील ने चेक फटकर नष्ट होने की बात कही। उसने पेनल्टी लगने का डर दिखाकर नकद भुगतान करने के लिए कहा। शिकायत में बताया गया है कि 2 अप्रैल को स्कूल के मैनेजर कार्यालय में मोहम्मद असद जहीर और अन्य लोगों की मौजूदगी में आरोपी को 3,22,236 रुपए नकद दिए गए। इसके बाद उसने इसी रकम की रसीद पीडीएफ के रूप में व्हाट्सएप पर भेज दी। स्कूल प्रबंधन को लगा कि टैक्स जमा हो गया है।

कुछ दिन पहले नगर निगम कर्मचारियों द्वारा करीब 37 लाख रुपए के गबन की खबर प्रकाशित हुई थी। इसके बाद स्कूल प्रबंधन ने अपने टैक्स भुगतान की जांच कराई। तब पता चला कि आरोपियों को दी गई रकम नगर निगम के खाते में जमा नहीं हुई थी। शिकायतकर्ता के मुताबिक, इसके बाद आरोपियों के मोबाइल नंबर भी बंद मिले। प्रो. नवेद खान ने शिकायत में फर्जी पहचान, धोखाधड़ी और कूटरचित दस्तावेज तैयार करने का आरोप लगाया है। सिविल लाइंस थाने में 25 नवंबर की देर रात एफआईआर दर्ज की गई। एफआईआर में मौ अकील के साथ उसके अज्ञात साथी और एक अन्य व्यक्ति का भी जिक्र है। मामले की जांच उपनिरीक्षक मनीष कुमार को सौंपी गई है।

ड्रोन प्लांट की स्थापना का रास्ता साफ करने की पहल, यूपीडा ने तय की प्रक्रिया

उत्तम भारत संवाददाता

अलीगढ़। अलीगढ़ डिफेंस कॉरिडोर में 550 करोड़ रुपये के प्रस्तावित निवेश से अत्याधुनिक ड्रोन, इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर एवं रडार सिस्टम निर्माण प्लांट की स्थापना के संबंध में यूपीडा द्वारा आवश्यक प्रक्रिया स्पष्ट कर दी गई है। एंकर रिसर्च लैब्स एलएलपी को आवंटित भूखंड के संबंध में बैंक के पक्ष में परमिशन टू मॉर्गेज के लिए एनओसी जारी करने और लीज डीड हस्तांतरित करने के लिए आवश्यक शर्तें निर्धारित की गई हैं।

इस संबंध में यूपीडा के अधिशासी अभियंता एस पी सिंह द्वारा अवगत कराया गया है कि निवेशक के प्रस्ताव पर परमिशन टू मॉर्गेज के लिए विचार किया जा चुका है। निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार, यदि बैंक द्वारा यूपीडा को भूखंड की लीज डीड उपलब्ध कराए



जाने के 30 दिनों के भीतर लैंड सब्सिडी के रूप में 1 करोड़ 31 लाख 32 हजार 500 रुपये और उस पर देय ब्याज एवं समय विस्तार शुल्क के रूप में एक करोड़ रुपये व 18 प्रतिशत जीएसटी अतिरिक्त के समतुल्य बैंक गारंटी उपलब्ध कराने पर सहमति दी जाती है, तो बैंक के पक्ष में परमिशन टू मॉर्गेज की एनओसी जारी करने के साथ ही लीज डीड का हस्तांतरण कर दिया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि अलीगढ़ डिफेंस कॉरिडोर के अंतर्गत अंडला में एंकर रिसर्च लैब्स एलएलपी को लगभग 10.12 हेक्टेयर भूमि आवंटित की गई है। कंपनी द्वारा यहां 550 करोड़ रुपये के निवेश से अत्याधुनिक रक्षा उपकरणों एवं ड्रोन निर्माण इकाई स्थापित करने का प्रस्ताव दिया गया है। यूपीडा की ओर से स्पष्ट की गई प्रक्रिया से परियोजना के संबंध में बैंकिंग औपचारिकताओं को पूरा करने का मार्ग निर्धारित हुआ है।

बैंक की सहमति एवं निर्धारित बैंक गारंटी उपलब्ध कराए जाने के बाद आवश्यक एनओसी और लीज डीड हस्तांतरण की कार्रवाई की जा सकेगी। इससे परियोजना को आगे बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया जा सकेगा। अलीगढ़ डिफेंस कॉरिडोर में रक्षा क्षेत्र से जुड़े उद्योगों की स्थापना से जनपद में औद्योगिक विकास, निवेश संवर्धन और रोजगार सृजन की व्यापक संभावनाएं हैं। ऐसे में प्रस्तावित परियोजना की औपचारिकताएं पूरी होने और निर्माण कार्य आगे बढ़ने से अलीगढ़ को रक्षा विनिर्माण के महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में विकसित करने के प्रयासों को गति मिलेगी।

तीन यात्रियों के गुम हुए 6.5 लाख रुपये के जेवर और आईफोन

उत्तम भारत संवाददाता



अलीगढ़। दो अलग-अलग ट्रेनों में सफर कर रहे तीन यात्रियों के आईफोन और जेवरात व रुपये के सामान गुम हो गए थे। मिलने पर जीआरपी ने यात्रियों को लौटा दिया है। इसमें दो लाख रुपये का आईफोन भी शामिल हैं। ये यात्री कैफियत और फरक्का एक्सप्रेस से सफर कर रहे थे।

जिला आजमगढ़ के थाना अहरौला के गांव सुखीपुर के रमाकांत मौर्य कैफियत एक्सप्रेस के कोच नंबर बी-5 थर्ड एसी सीट नंबर 31 पर इटावा आ रहे थे। वे इटावा उतर गए थे। इस बीच उनका बैग गुम हो गया था। बैग में सोने और चांदी के आभूषण रखे थे। उन्होंने हेल्पलाइन नंबर से सूचना दी। ट्रेन में तैनात जीआरपी के हेडकांस्टेबल सोवरन सिंह व आशीष यादव ने यात्री का बैग तलाशा। बैग मिलने पर यात्री रमाकांत मौर्य को फोन पर सूचना देकर वापस कर दिया। बैग में एक जोड़ी चांदी की पायल, एक कमर कर्दनी, एक टीका सोने का, एक नथनी, कपड़े व जरूरी कागजात सहित तीन लाख रुपये का सामान था।

दूसरी घटना में जिला इटावा के थाना व मुहल्ला सिविल लाइन के दीपांशु अग्रवाल ने जीआरपी को सूचना दी कि इटावा के प्रोफेसर कालोनी निवासी उनकी सास अनीता कैफियत एक्सप्रेस कोच नंबर ए-टू सेकंड एसी में शाहगंज से इटावा जा रही थीं। उनका हैंडबैग ट्रेन में गुम हो गया था। इसमें मोबाइल और आभूषण रखे थे। एक जोड़ी सोने की ईयर रिंग व एक सोने की नोज पिन, एक सोनाटा कंपनी की हाथ की घड़ी व अन्य सामान की कीमत 1.5 लाख रुपये बताई गई है। इस सूचना पर जीआरपी के हेड कांस्टेबल आशीष यादव और सोवरन सिंह ने गुम हुए बैग को तलाशने के बाद सूचना देने वाले दीपांशु अग्रवाल के सिपुर्द कर दिया। तीसरी घटना में हरियाणा के जिला जींद के रानी तालाब मुहल्ला रानी तालाब के प्रेमचंद्र फरक्का एक्सप्रेस से लखनऊ जा रहे थे। इस दौरान उनका मोबाइल आईफोन 17, जिसकी कीमत दो लाख रुपये थी, खो गया था। सूचना पर हेडकांस्टेबल राजकुमार और नीतेश कुमार ने मोबाइल को खोजने के बाद यात्री के सिपुर्द कर दिया।

पात्र मतदाता का नाम छूटे नहीं, अपात्र का जुड़े नहीं

मंडलायुक्त ने मारहरा के बूथों पर परखी पुनरीक्षण की हकीकत

उत्तम भारत संवाददाता



एटा/मारहरा। मतदाता सूची में शुद्धता बनाए रखने के लिए चल रहे विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान में किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। पात्र मतदाता का नाम सूची में शामिल होना चाहिए और अपात्र का नाम किसी भी स्थिति में नहीं जुड़ना चाहिए। यह निर्देश गुरुवार को मंडलायुक्त एवं रोल प्रेक्षक ओपी आर्य ने मारहरा विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न बूथों के निरीक्षण के दौरान दिए।

उन्होंने प्राथमिक विद्यालय गिरौरा स्थित बूथ संख्या 304, 305 और 306 पर पहुंचकर बीएलओ सहदेव सिंह, कृतिका और नीरज प्रतिहार से फॉर्म-6, 7 और 8 के संकलन एवं जमा कराने की स्थिति जानी। मतदाता सूची में नाम, आयु, लिंग और अन्य विवरणों का सावधानी से मिलान करने के निर्देश दिए। मृतक, स्थानांतरित और दूसरी जगह रहने वाले मतदाताओं का सत्यापन करने के साथ संदिग्ध प्रविष्टियों की विशेष जांच पर जोर दिया।

इसके बाद असरौली उच्च प्राथमिक विद्यालय के बूथ संख्या 271 से 274 तक का निरीक्षण किया। यहां उन्होंने 85 वर्ष से अधिक आयु के मतदाताओं का सत्यापन कराने, स्थायी रूप से स्थानांतरित मतदाताओं की सही स्थिति दर्ज करने और प्राप्त प्रपत्रों का रजिस्टर में नियमित अंकन करने के निर्देश दिए। पिता-पुत्र की आयु में असामान्य अंतर वाले मामलों की भी जांच करने को कहा।

निरीक्षण के बाद कलेक्ट्रेट सभागार में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक हुई। मंडलायुक्त ने बूथ लेवल एजेंटों के माध्यम से घर-घर जाकर पात्र मतदाताओं को जोड़ने में सहयोग मांगा। उन्होंने कहा कि एक जनवरी 2027 को 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले युवाओं का नाम चार जनवरी 2027 को प्रकाशित होने वाली अंतिम मतदाता सूची में शामिल कराने के लिए विशेष प्रयास किए जाएं।

जिलाधिकारी एम. अरुन्मोली ने आश्वस्त किया कि पुनरीक्षण कार्य की नियमित समीक्षा की जा रही है और निर्वाचन आयोग के निदेर्शों का पालन कराया जा रहा है। बैठक में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक इला मारन, अपर आयुक्त प्रशासन प्रदीप कुमार, उप जिला निर्वाचन अधिकारी अजय नारायण सिंह, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी विपिन कुमार मोरल सहित संबंधित अधिकारी और विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

पुलिस लाइन में गूंजी संविधान की प्रस्तावना एसएसपी ने पुलिसकर्मियों को दिलाई एकता-अखंडता की शपथ



उत्तम भारत संवाददाता

एटा। संविधान दिवस पर गुरुवार को पुलिस लाइन और पुलिस कार्यालय में कार्यक्रम आयोजित किए गए। पुलिस लाइन में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. इलामारन ने पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को संविधान की प्रस्तावना का पाठ कराया। साथ ही देश की संप्रभुता और अखंडता बनाए रखने की शपथ दिलाई। इस दौरान एसएसपी ने कहा कि 26 नवंबर का दिन संविधान दिवस के रूप में मनाया जाता है। संविधान ने देश के प्रत्येक नागरिक को समान अधिकार दिए हैं। इसकी महत्ता को समझते हुए सभी को आपसी भाईचारा बनाए रखना चाहिए और अपने सामाजिक दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन करना चाहिए। उन्होंने भारतीय संविधान की विशेषताओं की जानकारी भी दी। कार्यक्रम में अपर पुलिस अधीक्षक अपराध सच्चिदानंद और क्षेत्राधिकारी लाइन संकल्पदीप कुशवाहा सहित पुलिस विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। वहीं, अपर पुलिस अधीक्षक श्वेताभ पांडेय ने पुलिस कार्यालय में कर्मचारियों को संविधान की प्रस्तावना पढ़कर सुनाई और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता बनाए रखने की शपथ दिलाई।

जुए की फड़ पर पुलिस का छापा छह गिरफ्तार

एटा/नयागांव। थाना क्षेत्र में जुए के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पुलिस ने छह लोगों को गिरफ्तार किया है। मौके से 76,470 रुपये और ताश के पत्ते बरामद किए गए। जुआ खेलने में इस्तेमाल किए जा रहे तीन चारपहिया वाहनों को भी सीज किया गया है। अभियान चलाकर नयागांव पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर जुए की फड़ पर छापा मारा। पुलिस ने मौके से योगेश कुमार और अखिलेश निवासी कैल्ठा, जितेंद्र और फिरोज निवासी कटिया थाना कंपिल जनपद फरुर्खाबाद, मोहम्मद आसिफ निवासी मेवाती तथा लोकपाल निवासी विजयदेपुर थाना अलीगंज को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 76,470 रुपये और ताश के पत्ते बरामद किए। मामले में थाना नयागांव पर मुकदमा संख्या 135/2026 धारा 13 जुआ अधिनियम के तहत रिपोर्ट दर्ज की गई है।

मेडिकल छात्रों ने रंगोली और नाटक से समझाया संविधान का महत्व

उत्तम भारत संवाददाता



एटा। रंगोली, कविता, भाषण और नाट्य प्रस्तुतियों के जरिए मेडिकल छात्र-छात्राओं ने संविधान के मूल आदर्शों और लोकतांत्रिक मूल्यों का संदेश दिया। गुरुवार को वीरांगना अवंतीबाई लोधी स्वायत्त राज्य चिकित्सा महाविद्यालय में संविधान दिवस समारोह आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य डॉ. बलवीर सिंह ने भारत माता और संविधान निमार्ता डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर किया। इसके बाद दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत हुई। प्राचार्य ने संकाय सदस्यों, चिकित्सकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों को संविधान की प्रस्तावना का पाठ कराते हुए उसके मूल आदर्शों के प्रति निष्ठा की शपथ दिलाई।

एमबीबीएस के छात्र-छात्राओं ने कविता पाठ, भाषण और नाटक के माध्यम से समानता, स्वतंत्रता, न्याय, बंधुत्व तथा मौलिक अधिकारों एवं कर्तव्यों पर विचार रखे। विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों के माध्यम से संविधान के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया।

इस दौरान लोक भवन लखनऊ से प्रसारित राज्यस्तरीय कार्यक्रम का सजीव प्रसारण भी देखा गया। प्राचार्य डॉ. बलवीर सिंह ने कहा कि संविधान प्रत्येक नागरिक को समानता और गरिमापूर्ण जीवन का अधिकार देता है। विद्यार्थियों को संवैधानिक आदर्शों को अपने व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन में अपनाना चाहिए, जिससे वे जिम्मेदार चिकित्सक और संवेदनशील नागरिक बन सकें।

मंदिर से चोरी किए घंटे समेत दो आरोपी गिरफ्तार



उत्तम भारत संवाददाता

एटा/जैथरा। क्षेत्र में मंदिर का ताला तोड़कर पीतल के घंटे चोरी करने के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से चोरी किए गए दो घंटे बरामद हुए हैं। इनमें एक का वजन करीब 20 किलो और दूसरे का पांच किलो बताया गया है।

कस्बा जैथरा के कृष्णगंज निवासी राजेश कुमार ने 25 नवंबर को थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया था कि वह मंदिर की देखभाल करते हैं। 19 नवंबर की रात अज्ञात चोर मंदिर का ताला तोड़कर पीतल के घंटे चोरी कर ले गए थे। पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की।

मैक्स पिकअप की टक्कर से पिता और दो मासूम बच्चों की मौत



उत्तम भारत संवाददाता

एटा। कोतवाली देहात क्षेत्र में तेज रफ्तार मैक्स पिकअप ने बाइक सवार पिता और उनके दो मासूम बच्चों को टक्कर मार दी। हादसे में तीनों की मौत हो गई। एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत से गांव में मातम पसरा है, वहीं परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। जानकारी के अनुसार, गांव कठोली निवासी 30 वर्षीय तेजवीर शाक्य पुत्र कन्हई लाल अपने पांच वर्षीय बेटी गीता और तीन वर्षीय बेटे युवराज को बाइक से दवाई दिलाने वाहनपुर जा रहे थे। रास्ते में उलायतपुर गांव के पास पुराने शिव मंदिर के सामने तेज रफ्तार मैक्स पिकअप ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी।

प्रभारी मंत्री ने की विकास कार्यों की समीक्षा

उत्तम भारत संवाददाता

एटा। जनपद के प्रभारी मंत्री एवं ऊर्जा तथा अतिरिक्त ऊर्जा स्रोत राज्यमंत्री कैलाश सिंह राजपूत ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में विकास कार्यों एवं निमार्णाधीन परियोजनाओं की समीक्षा बैठक की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्य निर्धारित समयसीमा में गुणवत्ता के साथ पूरे कराए जाएं। जनहित से जुड़े कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

प्रभारी मंत्री ने कहा कि केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचाना प्राथमिकता है। इसके लिए अधिकारी अभियान चलाकर पात्र लाभार्थियों को शत-प्रतिशत लाभान्वित करें। उन्होंने मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, दिव्यांगजन पेंशन, पिछड़ा वर्ग शादी अनुदान और मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना सहित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा करते हुए पात्र लोगों को समय से लाभ दिलाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के तहत छात्र-छात्राओं को बेहतर शैक्षिक सुविधाएं उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया।

उन्होंने गौशालाओं, सामुदायिक एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों का नियमित निरीक्षण करने के निर्देश दिए। अस्पतालों में दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता और मरीजों को बेहतर उपचार सुनिश्चित करने को कहा। धान क्रय केंद्रों पर किसानों का धान समय से खरीदने तथा खरीद प्रक्रिया को बिचौलियों से मुक्त रखते हुए पारदर्शी ढंग से संचालित करने के निर्देश दिए।

प्रभारी मंत्री ने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना से अधिक से अधिक पात्र युवाओं को जोड़ने तथा राशन की दुकानों का नियमित निरीक्षण कर पात्र परिवारों को निर्धारित मात्रा में खाद्यान्न उपलब्ध कराने को कहा।

कानून व्यवस्था की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए सतर्कता बरती जाए। सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति के तहत अपराधियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई की जाए। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी आपसी समन्वय से जनसुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दें।

लाखों खर्च के बाद भी ग्रामीणों को नहीं मिला पानी

एटा/अलीगंज। सरकारी धन खर्च होने के बावजूद ग्रामीणों की प्यास नहीं बुझ पा रही है। अमरोली रतनपुर गांव में वर्ष 2014 में सांसद निधि से लाखों रुपये खर्च कर बनवाई गई पानी की टंकी वर्षों से ग्रामीणों के लिए उपयोगी साबित नहीं हो रही है। ग्रामीणों का दावा है कि निर्माण के बाद करीब एक साल तक ही पानी की आपूर्ति हुई। इसके बाद टंकी और पाइपलाइन से पानी आना बंद हो गया। ग्रामीणों के मुताबिक, पेयजल की समस्या दूर करने के उद्देश्य से गांव में टंकी का निर्माण कराया गया था। शुरूआत में कुछ समय तक पानी मिला, लेकिन इसके बाद आपूर्ति ठप हो गई। तब से टंकी गांव में खड़ी है, जबकि ग्रामीणों को पेयजल के लिए दूसरे साधनों पर निर्भर रहना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि जब लाखों रुपये खर्च कर पेयजल व्यवस्था तैयार की गई थी तो उसका लाभ भी लोगों को मिलना चाहिए। इतने वर्षों बाद भी समस्या का समाधान नहीं होना जिम्मेदार विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करता है।

कार्यकर्ताओं की समस्याएं सुन प्रभारी मंत्री ने दिए निस्तारण के निर्देश



उत्तम भारत संवाददाता

एटा। संविधान गौरव दिवस पर गुरुवार को भाजपा कार्यालय में संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई। इसमें प्रदेश सरकार के ऊर्जा राज्यमंत्री एवं जनपद के प्रभारी मंत्री कैलाश सिंह राजपूत ने कार्यकताओं की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों के माध्यम से उनके शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए।

बैठक की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष प्रमोद गुप्ता ने की। प्रभारी मंत्री ने कार्यकताओं और पदाधिकारियों को संविधान दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि संविधान के मूल्यों का सम्मान, लोकतांत्रिक आदर्शों का पालन और राष्ट्रहित के प्रति समर्पण सभी की प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने और आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों की तैयारियों पर भी चर्चा की।

बैठक के बाद प्रभारी मंत्री ने पार्टी कार्यालय पर मौजूद पदाधिकारियों और कार्यकताओं से उनके प्रार्थना पत्र प्राप्त किए। उन्होंने समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए जिलाधिकारी और संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों के माध्यम से शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण समाधान कराने का आश्वासन दिया।

इसके बाद प्रभारी मंत्री ने जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर जनपद में चल रहे विकास कार्यों और केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

बैठक में विधायक सत्यपाल सिंह राठौर, विधायक संजीव दिवाकर, विधान परिषद सदस्य आशीष यादव, पूर्व विधायक प्रजापालन वर्मा और सुधाकर वर्मा, पूर्व जिलाध्यक्ष पंकज गुप्ता, जिला महामंत्री सुशील गुप्ता और पीयूष शाक्य सहित पार्टी के विभिन्न पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। अंत में जिलाध्यक्ष प्रमोद गुप्ता ने सभी का आभार व्यक्त किया।

किताबों से ही विचार और व्यक्तित्व को मिलती है नई दिशा



उत्तम भारत संवाददाता

एटा। मोबाइल और इंटरनेट के बढ़ते दौर में भी पुस्तकों की अहमियत कम नहीं हुई है। किताबें न केवल ज्ञान बढ़ाती हैं, बल्कि व्यक्ति की सोच, निर्णय क्षमता और व्यक्तित्व को भी नई दिशा देती हैं। यह बात गुरुवार को जीआईसी मैदान में 11वें भव्य पुस्तक मेले का शुभारंभ करते हुए जिलाधिकारी एम. अरुन्मोली ने कही।

डीएम ने फीता काटकर पुस्तक मेले का उद्घाटन किया। इसके बाद उन्होंने विभिन्न प्रकाशकों और पुस्तक विक्रेताओं के स्टॉलों का निरीक्षण कर उपलब्ध पुस्तकों और शैक्षिक सामग्री की जानकारी ली।

जिलाधिकारी ने कहा कि पुस्तकें ज्ञान, विचार और संस्कारों की अमूल्य धरोहर हैं। पुस्तक मेले विद्यार्थियों, युवाओं, शिक्षकों और साहित्य प्रेमियों को एक ही स्थान पर विभिन्न विषयों की पुस्तकें उपलब्ध कराने का बेहतर माध्यम हैं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम की पुस्तकों के साथ महापुरुषों की जीवनियां, प्रेरणादायक साहित्य, सामान्य ज्ञान और रचनात्मक पुस्तकों को भी पढ़ना चाहिए।

उन्होंने जनपदवासियों से पुस्तक मेले में पहुंचकर अपनी रुचि के अनुसार पुस्तकें खरीदने और नियमित अध्ययन की आदत विकसित करने की अपील की।

मेडिकल छात्रों को डिजिटल लाइब्रेरी से जोड़ने की पहल

ई-बुक, जर्नल और शैक्षणिक वीडियो के उपयोग का दिया प्रशिक्षण

उत्तम भारत संवाददाता

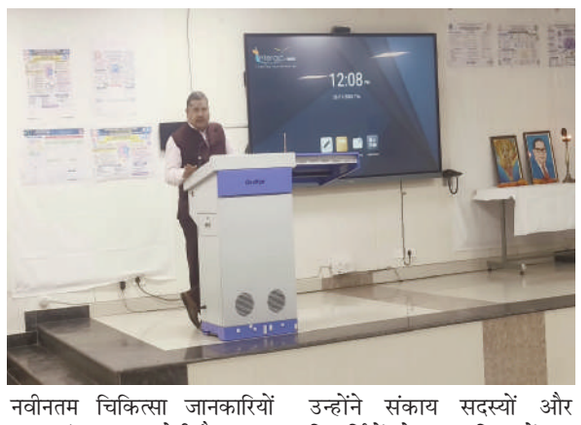

एटा। चिकित्सा शिक्षा में अब डिजिटल संसाधनों की उपयोगिता लगातार बढ़ रही है। इसी को ध्यान में रखते हुए वीरांगना अवंतीबाई लोधी स्वायत्त राज्य चिकित्सा महाविद्यालय में गुरुवार को अटल बिहारी वाजपेयी चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ के डिजिटल लाइब्रेरी प्लेटफॉर्म के उपयोग पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

एल्सेवियर पब्लिकेशन के प्रतिनिधि रवि शर्मा ने चिकित्सकों, संकाय सदस्यों और मेडिकल विद्यार्थियों को डिजिटल लाइब्रेरी की सुविधाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एक ही प्लेटफॉर्म के माध्यम से ई-बुक, ई-जर्नल, पॉइंट ऑफ केयर और शैक्षणिक वीडियो जैसी सुविधाओं का लाभ लिया जा सकता है। इससे चिकित्सा अध्ययन, शोध और नवीनतम चिकित्सा जानकारियों तक पहुंच आसान होती है।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. बलवीर सिंह ने कहा कि डिजिटल प्लेटफॉर्म चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान को अधिक प्रभावी बनाने में सहायक हैं। इनके माध्यम से विद्यार्थियों और चिकित्सकों को आधुनिक चिकित्सा पद्धतियों, शोध पत्रों और नवीन वैज्ञानिक जानकारियों का लाभ मिलता है। उन्होंने संकाय सदस्यों और विद्यार्थियों से इन सुविधाओं का अधिकाधिक उपयोग करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में डॉ. मनोज कुमार, डॉ. प्रशांत भारद्वाज, डॉ. मंजरी कुमारी, डॉ. मंजेश कुमार, डॉ. प्रिया सिंह, डॉ. निधि शर्मा और डॉ. रविंद्र कुमार सहित सीनियर-जूनियर रेजिडेंट, इंटर्न और एमबीबीएस के विद्यार्थी मौजूद रहे।

संविधान की मूल भावना पर चलें अधिकारी-कर्मचारी

डीएम ने दिलाई प्रस्तावना की शपथ, लखनऊ के कार्यक्रम का हुआ सजीव प्रसारण

उत्तम भारत संवाददाता



एटा। संविधान केवल अधिकारों का दस्तावेज नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक को उसके कर्तव्यों का बोध कराने वाला मार्गदर्शक भी है। अधिकारियों और कर्मचारियों को संविधान की मूल भावना के अनुरूप निष्पक्षता, पारदर्शिता और ईमानदारी से काम करना चाहिए। यह बात गुरुवार को संविधान दिवस पर जिलाधिकारी एम. अरुन्मोली ने कलेक्ट्रेट स्थित एनआईसी सभागार में आयोजित कार्यक्रम में कही।

डीएम ने अपर जिलाधिकारी प्रशासन अजय नारायण सिंह, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व सीपी पाठक, एसडीएम न्यायिक अनवर राशिद फारूकी सहित उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों को भारतीय संविधान की प्रस्तावना का पाठ कराया। सभी को देश की संप्रभुता, एकता और अखंडता बनाए रखने की शपथ भी दिलाई। जिलाधिकारी ने कहा कि संविधान लोकतंत्र की आधारशिला है। यह प्रत्येक नागरिक को समानता, स्वतंत्रता, न्याय और बंधुत्व का अधिकार देता है। संविधान दिवस हमें अधिकारों के साथ मौलिक कर्तव्यों के प्रति भी जागरूक करता है। जाति, धर्म, भाषा और क्षेत्र के भेदभाव से ऊपर उठकर सामाजिक समरसता तथा राष्ट्रीय एकता को मजबूत करना सभी की जिम्मेदारी है।

उन्होंने बताया कि 26 नवंबर 1949 को संविधान सभा ने भारतीय संविधान को अंगीकृत किया था, जबकि 26 जनवरी 1950 को इसे लागू किया गया। इस अवसर पर संविधान निमार्ता डॉ. भीमराव आंबेडकर सहित संविधान सभा के सदस्यों के योगदान को याद किया गया। कार्यक्रम में लखनऊ स्थित लोक भवन से आयोजित राज्यस्तरीय समारोह का सजीव प्रसारण भी देखा गया।

नाले के निर्माण में पक्षपात का आरोप व्यापारियों ने डीएम को सौंपा ज्ञापन

दोनों तरफ नाला निर्माण कराने की मांग, मांग पूरी न होने पर नगर निगम घेराव की चेतावनी

उत्तम भारत संवाददाता



फिरोजाबाद। ककरऊ की कोठी शनि देव मंदिर बाजार समिति के नेतृत्व में शुक्रवार को व्यापारियों का विशाल प्रतिनिधिमंडल फिरोजाबाद उद्योग व्यापार मंडल के महानगर अध्यक्ष अम्बेश शर्मा के नेतृत्व में जिलाधिकारी से मिलने जिला मुख्यालय पहुंचा। व्यापारियों ने मुख्य गेट से जिलाधिकारी कार्यालय तक पदयात्रा निकालकर धरना-प्रदर्शन किया और नगर निगम के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। साथ ही डीएम से दोनो तरफ नाला निर्माण कराएं जाने की मांग की है।

व्यापारियों ने आरोप लगाया कि नगर निगम द्वारा अर्बन फ्लड एवं स्टॉर्म वॉटर ड्रेनेज योजना के तहत दाऊदयाल स्टेडियम से ककरऊ की कोठी तक जल निकासी के लिए करीब 15 फुट चौड़ा नाला बनाया जा रहा है, लेकिन निर्माण में पक्षपात किया जा रहा है। एक तरफ विशाल नाले का निर्माण कराया जा रहा है, जबकि दूसरी तरफ ग्रीन बेल्ट और खाली जमीन उपलब्ध होने के बावजूद नाला नहीं बनाया जा रहा है। व्यापारियों ने मांग की कि निर्माण कार्य तत्काल रोका जाए और दोनों तरफ समान रूप से नाले का निर्माण कराया जाए, ताकि जल निकासी की उचित व्यवस्था हो सके। प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर समस्या के समाधान की मांग की। व्यापारियों ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो नगर निगम कार्यालय पर धरना-प्रदर्शन कर घेराव किया जाएगा। इसकी जिम्मेदारी नगर निगम और शासन-प्रशासन की होगी। ज्ञापन देने वालों में क्षेत्रपाल बघेल, रमाशंकर दादा, आलोक नारायण यादव एडवोकेट, आलोक यादव, देवेंद्र सिंह, रामनरेश, बालकिशन, अशोक कुमार, दिनेश यादव, नरसिंह यादव, मुलायम सिंह, कुमार पाल सिंह, सरनाम सिंह, देवेंद्र बघेल, रोहित शर्मा, भूरी सिंह यादव, जयप्रकाश, मुकेश कुमार, राहुल कुमार सहित सैकड़ों व्यापारी मौजूद रहे।

पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को दिलाई संविधान दिवस की शपथ



उत्तम भारत संवाददाता

फिरोजाबाद। संविधान दिवस के अवसर पर गुरुवार को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आदित्य लांग्हे ने पुलिस कार्यालय में पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भारतीय संविधान की प्रस्तावना का पाठ कराते हुए संविधान दिवस की शपथ दिलाई। इस दौरान उन्होंने संविधान में निहित न्याय, स्वतंत्रता, समानता एवं बंधुत्व के मूल सिद्धांतों पर प्रकाश डालते हुए सभी को इनके प्रति निष्ठावान रहने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि संविधान की गरिमा, संप्रभुता, एकता एवं अखंडता बनाए रखना सभी का दायित्व है। पुलिसकर्मी संविधान के आदर्शों के अनुरूप निष्पक्षता, पारदर्शिता एवं पूर्ण निष्ठा से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें तथा आमजन के अधिकारों की रक्षा करते हुए कानून का शासन मजबूत बनाएं। कार्यक्रम में सहायक पुलिस अधीक्षक जयबिन्द कुमार गुप्ता (आईपीएस), अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण, प्रतिसार निरीक्षक पुलिस लाइन, एसएसपी के पीआरओ सहित पुलिस कार्यालय के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

आईवी इंटरनेशनल स्कूल में गर्ल्स खो-खो चौंपियनशिप का हुआ शुभारंभ

उत्तम भारत संवाददाता



फिरोजाबाद। आईवी इंटरनेशनल स्कूल में बालिकाओं की खेल प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से इंट्रा-स्कूल गर्ल्स खो-खो चौंपियनशिप का शुभारंभ प्रधानाचार्या डॉ. नंदिनी यादव ने किया। पहले दिन चार रोमांचक मुकाबले खेले गए।

पहले मुकाबले में आईवी रॉयल्स ने आईवी टाइटंस को 32-14 से हराया। दूसरे मुकाबले में आईवी फाइटर्स ने आईवी पैंथर्स को 16-11 से पराजित किया। तीसरे मुकाबले में आईवी रॉयल्स ने आईवी फाइटर्स को 24-11 से शिकस्त दी। वहीं चौथे मुकाबले में आईवी चौलेंजर्स ने आईवी टाइटंस को कड़े संघर्ष के बाद 11-10 से हराया। प्रतियोगिता में आईवी पैंथर्स की कलश, आईवी चौलेंजर्स की मानवी गुर्जर, आईवी टाइटंस की श्रेया वर्मा, आईवी रॉयल्स की अद्रिक यादव तथा आईवी फाइटर्स की मानवी यादव ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

प्रधानाचार्या डॉ. नंदिनी यादव ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। खेलों से अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना का विकास होता है। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को खेल भावना के साथ बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया।

युवक पर पत्नी और बेटी को ले जाने का आरोप, मुकदमा दर्ज

शिकोहाबाद। थाना क्षेत्र के गांव निवासी व्यक्ति ने आरोप लगाया है कि उसके पड़ोस में रहने वाला एक युवक उसकी पत्नी और 17 वर्षीय बेटी को बहला फुसला कर ले गया है। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर युवक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थाना क्षेत्र के गांव निवासी उमेश ने थाने में तहरीर दी है। जिसमें उसने कहा है कि 18 नवंबर को उसकी पत्नी नीतू और बेटी प्रिया (17) बिना बताए कहीं चले गए हैं। काफी तलाशने के बाद भी कोई सुराग नहीं लगाया है। उसका आरोप है कि जिस दिन से उसकी बेटी और पत्नी गायब हुई हैं तभी से पडोस में किराये पर रहने वाला युवक भी गायब है। उसने आशंका व्यक्त की है कि उसकी पत्नी और बेटी को वही युवक बहला फुसला कर ले गया है। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर बबलू निवासी गढ़ी राठौर सेमरा आगरा के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नगर आयुक्त ने जेड़ाझाल नहर की सफाई कार्य का किया निरीक्षण, 15 किमी की सफाई पूरी

उत्तम भारत संवाददाता



फिरोजाबाद। शहर में पेयजलापूर्ति व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए नगर आयुक्त ने जलकल एवं सिंचाई विभाग के सहायक अभियंता के संग जेड़ाझाल नहर की सफाई कार्य का स्थलीय निरीक्षण किया।

नगर आयुक्त प्रशांत नागर ने ग्राम जेड़ाझाल के पास नहर के आठ किलोमीटर पर सफाई कार्य का जायजा लिया। मौके पर एक पोकलेन मशीन और दो ट्रैक्टरों से सिल्ट निकालने का कार्य होता मिला। सिंचाई विभाग के सहायक अभियंता ने बताया कि प्रत्येक दो किलोमीटर के पैच पर एक पोकलेन मशीन और दो ट्रैक्टर लगाकर सफाई कराई जा रही है। कुल 25.35 किलोमीटर लंबी नहर में से लगभग 15 किलोमीटर की सफाई पूरी हो चुकी है। शेष कार्य चार दिसंबर से पहले पूरा कराने का प्रयास किया जा रहा है।

जलकल विभाग के सहायक अभियंता ने बताया कि जीरो पॉइंट झालगोपालपुर से नंदपुर इंटेक तक सफाई कार्य में कुल 14 पोकलेन मशीन और 28 ट्रैक्टर लगाए गए हैं। नगर आयुक्त ने निर्देश दिए कि पेयजलापूर्ति प्रभावित होने की समस्या को देखते हुए नहर की सफाई युद्धस्तर पर कराई जाए। जलकल विभाग के अधिकारी प्रतिदिन कार्य का निरीक्षण करें और गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय में सफाई पूरी कराएं, ताकि कच्चे पानी की आपूर्ति शुरू होते ही शहर में पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराया जा सके।

संविधान के आदर्शों को जीवन में आत्मसात करने का लिया संकल्प

फिरोजाबाद। संविधान दिवस पर भारतीय जनता पार्टी महानगर की ओर से जिला कार्यालय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान संविधान के महत्व और लोकतांत्रिक मूल्यों पर विचार व्यक्त किए गए। भाजपा महानगर अध्यक्ष डॉ. सतीश दिवाकर ने कहा कि भारतीय संविधान लोकतंत्र की आत्मा तथा देश की एकता और अखंडता का मजबूत आधार है। बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर ने संविधान निर्माण में ऐतिहासिक योगदान दिया, जिसे सदैव याद रखा जाएगा। उन्होंने सभी से संविधान में निहित न्याय, समानता, स्वतंत्रता और सामाजिक समरसता के आदर्शों को जीवन में अपनाने का आह्वान किया। संचालन केशवदेव शंखवार ने किया। कार्यक्रम में रामनरेश कटारा, योगेंद्र यादव, सत्यवीर गुप्ता, महामंत्री आनंद अग्रवाल, देवेश भारद्वाज, सुनील शर्मा, विश्वदीप सिंह, सोबरन जाटव, कोषाध्यक्ष दीपक गुप्ता कालू, मीडिया प्रभारी आकाश गुप्ता, शैलेंद्र कुमार गुप्ता शालू सहित मंडल अध्यक्ष, मोर्चों के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सब जूनियर सॉफ्टबॉल क्रिकेट चौंपियनशिप में जम्मू कश्मीर की महिला टीम बनी विजेता

फिरोजाबाद। उत्तर प्रदेश सॉफ्टबॉल क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वावधान में जिला सॉफ्टबॉल क्रिकेट संगठन मथुरा द्वारा अमरनाथ गर्ल्स डिग्री कॉलेज के मैदान पर 22 से 24 नवंबर तक सब जूनियर सॉफ्टबॉल क्रिकेट चौंपियनशिप आयोजित की गई। प्रतियोगिता में आठ राज्यों की महिला एवं पुरुष टीमों ने प्रतिभाग किया। उत्तर प्रदेश सॉफ्टबॉल क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव अनिल लहरी ने बताया कि महिला वर्ग का फाइनल मुकाबला जम्मू-कश्मीर और उत्तर प्रदेश की टीमों के बीच खेला गया, जिसमें जम्मू-कश्मीर की टीम विजेता रही। गीता लहरी की स्मृति में विजेता ट्रॉफी जम्मू-कश्मीर की कप्तान को मुख्य अतिथि इंडियन सॉफ्टबॉल क्रिकेट फेडरेशन के अध्यक्ष विश्वदीप सिंह एवं उत्तर प्रदेश सॉफ्टबॉल क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष अनिल गर्ग ने प्रदान की। उपविजेता ट्रॉफी उत्तर प्रदेश की कप्तान कुमारी शिल्पी को दी गई।

संविधान गौरव दिवस पर भाजपा जिलाध्यक्ष ने बाबा साहब को किया नमन

उत्तम भारत संवाददाता



फिरोजाबाद। संविधान गौरव दिवस के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी जिला की ओर से जिला भाजपा कार्यालय मोड़ा कनेटा पर गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर जिलेभर में बाबा साहेब की 85 प्रतिमाओं पर पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने माल्यार्पण किया तथा संविधान के प्रति निष्ठा की शपथ ली।

जिलाध्यक्ष उदय प्रताप सिंह ने बाबा साहेब के राष्ट्र निर्माण में योगदान, संविधान निर्माण में उनकी भूमिका और सामाजिक न्याय के प्रति प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। उन्होंने आपातकाल से मिले लोकतांत्रिक सबक, संविधान की मूल भावना तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बाबा साहेब के पंचतीर्थों के विकास और उनके विचारों को मिले राष्ट्रीय सम्मान की चर्चा की। क्षेत्रीय सह मीडिया प्रभारी डॉ. अमित गुप्ता ने कहा कि संविधान को केवल पढ़ना ही नहीं, बल्कि उसके आदर्शों को अपने आचरण में भी उतारना चाहिए। अधिकारों के प्रति सजगता और कर्तव्यों के प्रति प्रतिबद्धता ही सशक्त लोकतंत्र की पहचान है। उन्होंने बाबा साहेब के मंत्र ह्यशिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करोह्न को राष्ट्र निर्माण का जीवन दर्शन बताया। इस दौरान पूर्व विधायक रामगोपाल पप्पू लोधी, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष प्रमोद कुमार, एससी मोर्चा जिलाध्यक्ष अखिलेश गौतम, एका चेयरमैन माया देवी सागर, ब्लॉक प्रमुख कमलेश राजपूत, नीलम दिवाकर, पवन चक, प्रदीप कुमार, सतीश चंद्र प्रजापति, अनंत प्रताप सिंह सहित भाजपा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पाली इंटर कॉलेज में सात हजार विद्यार्थियों ने ली संविधान की शपथ

उत्तम भारत संवाददाता



फिरोजाबाद/शिकोहाबाद। संविधान दिवस के अवसर पर पाली इंटर कॉलेज शिकोहाबाद में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें विभिन्न कॉलेजों के लगभग सात हजार छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग कर संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन किया और उसके आदर्शों के प्रति निष्ठा की शपथ ली। जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा ने विद्यार्थियों को संविधान की संरचना, लोकतांत्रिक मूल्यों, मौलिक अधिकारों एवं कर्तव्यों की जानकारी दी। उन्होंने विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान में इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब की भूमिका बताते हुए मतदाता सूची को शुद्ध बनाने में युवाओं की सहभागिता पर जोर दिया। जिला जज मनोज कुमार तृतीय ने संविधान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों से उसके आदर्शों को जीवन में अपनाने और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया। कार्यक्रम में हजारों विद्यार्थियों की सहभागिता ने संविधान के प्रति जागरूकता और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने का संदेश दिया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) कल्पना जायसवाल, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण योगेश शिवा, नगर पालिका परिषद की पालिकाध्यक्ष के प्रतिनिधि राजीव गुप्ता, सभासद योगेश कुमार रमन, जूनियर इंजीनियर प्रियंका कुमारी, मुंशीलाल, खेमचंद मैनेजर, रमेश फौजी, डा. पीएस राना, डॉ लालाराम, डॉ महाराज सिंह, सब इंस्पेक्टर जयराम सिंह, डिप्टी सिंह, सुरेश फौजी, भीकमपाल, मदनलाल, ओम प्रकाश के अलावा शिक्षकगण मौजूद रहे।

संविधान दिवस पर 50 अम्बेडकर पार्कों के जीर्णोद्धार का शुभारंभ



उत्तम भारत संवाददाता

फिरोजाबाद। संविधान दिवस के अवसर पर गुरुवार को प्रदेश में मुख्यमंत्री द्वारा डॉ. बी.आर.अम्बेडकर मूर्ति विकास योजना के अंतर्गत पार्कों के विकास कार्यों का शिलान्यास किया गया। इसी क्रम में सदर तहसील के अम्बेडकर नगर स्थित अम्बेडकर पार्क में भूमि पूजन कर जीर्णोद्धार एवं विकास कार्यों का शुभारंभ किया गया।

जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा ने बताया कि योजना के तहत जनपद के 50 पार्कों का जीर्णोद्धार कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार की यह पहल बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के योगदान तथा संविधान निर्माण में सहभागी रहे सभी महापुरुषों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। उन्होंने संविधान की प्रस्तावना हम भारत के लोग का उल्लेख करते हुए मतदान के महत्व पर प्रकाश डाला।

संविधान की प्रस्तावना का वाचन कर दिलाई कर्तव्य पालन की शपथ

उत्तम भारत संवाददाता



फिरोजाबाद। संविधान दिवस के अवसर पर प्रज्ञान संस्थान, प्रेमश्री भवन, निकट डीपीआरसी, निरीक्षण भवन दबरई में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें विद्यार्थियों एवं अतिथियों ने संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन करते हुए एक स्वर, एक संविधान की भावना के साथ कर्तव्य पालन की शपथ ली।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वीरेंद्र शाक्य ने कहा कि संविधान दिवस नागरिकों को न्याय, स्वतंत्रता, समता और बंधुत्व के आदर्शों के साथ मौलिक कर्तव्यों की याद दिलाता है। विशिष्ट अतिथि राज्य कर्मचारी महासंघ के जिलाध्यक्ष प्रेम प्रकाश कुशवाहा ने कहा कि सभी को संविधान में दिए गए मूल कर्तव्यों का पालन करते हुए देश की संप्रभुता एवं अखंडता की रक्षा, सामासिक संस्कृति के संवर्धन और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेना चाहिए। गुरु चरण गौतम एवं राधेश्याम कुशवाहा ने संयुक्त रूप से कहा कि संविधान निमार्ता डॉ. भीमराव आंबेडकर के ऐतिहासिक योगदान को स्मरण करते हुए हमारा संविधान, हमारा स्वाभिमान की भावना से आने वाली पीढ़ियों का उज्ज्वल भविष्य सुरक्षित किया जा सकता है।

संस्थान की संचालिका डॉ. प्राजंलि कुशवाहा प्रज्ञा ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर एडवोकेट रविंद्र कुमार, डॉ. शिव कुमार, रामश्री, मुंशीलाल, महेश कडैरिया, शिव कुमार, आशीष बघेल सहित शिक्षक लव्यांश राठौर, राशिद खान एवं विद्यार्थी रितु, शिवानी, ज्योति, संजना, माधुरी, नीतू, पूनम, आकाश, अंकुश, यशपाल, सुशांत, ऋषभ, जयकिशोर, विकास, शिवकांत और हिमांशु आदि मौजूद रहे।

महिला पर अश्लील फब्तियां कसने का विरोध करने पर उसके पति को पीटा, गाड़ी फोड़ी

उत्तम भारत संवाददाता

शिकोहाबाद। थाना क्षेत्र की एक कालोनी निवासी महिला ने आरोप लगा है कि जब वह 23 नवंबर शाम को साढ़े सात बजे अपने निजी कार्य से घर से बाहर जा रही थी, तभी कालोनी के दो युवकों और दो अन्य युवकों ने उसे देख कर अश्लील फब्तियां कसीं। जब उसने विरोध किया तो उसके साथ गाली गलौज करने लगे। इसी बीच उसके पति आ गये, जब उन्होंने युवकों से पूछा तो उन्होंने उसके पति के साथ मारपीट की और उनकी गाड़ी को तोड़ दिया। पुलिस ने इस मामले में चार लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

महिला ने थाने में तहरीर दी है। जिसमें उसने कहा है कि 23 नवंबर को जब वह अपने निजी कार्य से घर से बाहर जा रही थी। तभी मोहल्ले के ही अविनाश यादव उर्फ मयंक, आकाश यादव निवासी लेबर कालोनी व ईश निवासी बंशीपुरम और भूरा निवासी अरमरा ने उसे देख कर कमेंटबाजी व फब्तियां कसने लगे। जब उसने विरोध किया तो उसे गाली देने लगे। इसी बीच उसके पति आ गए और उन्होंने युवकों से गाली गलौज करने की बात पूछी। इस पर उक्त लोगों ने ईंट, पत्थर व लाठी डंडों से मारपीट कर दी। जिससे उनकी गाड़ी का शीशा टूट गया। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर चारों युवकों अविनाश उर्फ मयंक, आकाश, ईश व भूरा के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

आईएमएस-बीएचयू में सांस्कृतिक मूल्यों और समग्र मनोदैहिक उत्कर्ष पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन शुरू

भारत, नेपाल और श्रीलंका सहित विभिन्न देशों के प्रतिनिधि प्रस्तुत करेंगे 150 शोधपत्र, होंगे 12 वैज्ञानिक सत्र



वाराणसी, एजेंसी।

उत्तर प्रदेश के वाराणसी स्थित काशी हिन्दू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के चिकित्सा विज्ञान संस्थान आयुर्वेद संकाय के संहिता एवं संस्कृत विभाग तथा सिद्धांत दर्शन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में गुरुवार को के.एन. उडुपा सभागार में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ हुआ। ह्यनई पीढ़ी के समग्र मनोदैहिक उत्कर्ष हेतु सांस्कृतिक मूल्यों के समावेश की अनिवार्यताह्व विषय पर आयोजित इस सम्मेलन में भारत, नेपाल और श्रीलंका सहित विभिन्न देशों के प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। सम्मेलन में कुल 150 वैज्ञानिक शोधपत्र प्रस्तुत किए जाएंगे। 27 नवंबर तक चलने वाले इस सम्मेलन में दो पूर्ण सत्र (प्लेनरी सेशन) और 12 वैज्ञानिक सत्र आयोजित होंगे। इससे पूर्व बुधवार को प्री-कॉन्फ्रेंस ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया था। सम्मेलन का उद्घाटन राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के गायन के साथ हुआ। इसके बाद भारत रत्न महामना पंडित मदन मोहन मालवीय की प्रतिमा पर माल्यार्पण, मंगलाचरण और पारंपरिक दीप प्रज्वलन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलगीत के गायन के साथ उद्घाटन समारोह की औपचारिक शुरूआत हुई। आयोजन अध्यक्ष प्रो. रानी सिंह ने अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया। आयोजन अध्यक्ष प्रो. पी.के. गोस्वामी ने सम्मेलन की रूपरेखा, विषय की प्रासंगिकता और अकादमिक उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने समकालीन स्वास्थ्य सेवाओं, विज्ञान और शिक्षा के क्षेत्र में सांस्कृतिक मूल्यों तथा भारतीय ज्ञान परंपरा के व्यवस्थित समावेश की आवश्यकता पर जोर दिया।

बतौर मुख्य अतिथि एवं आईएमएस-बीएचयू के निदेशक प्रो. एस.एन. शंखवार ने कहा कि इक्कीसवीं सदी की स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों का प्रभावी समाधान पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक चिकित्सा विज्ञान के बीच अंतरविषयक समन्वय से संभव है। उन्होंने चिकित्सा के क्षेत्र में दोनों ज्ञान प्रणालियों के बीच सार्थक संवाद और सहयोग को महत्वपूर्ण बताया। विशिष्ट अतिथि नेपाल के प्रो. शिव मंगल प्रसाद ने युवा पीढ़ी में मनोदैहिक सुदृढ़ता के विकास के लिए पारंपरिक मूल्य प्रणालियों की महत्ता और उनकी अंतर-सांस्कृतिक प्रासंगिकता को रेखांकित किया। आयुर्वेद संकाय के संकाय प्रमुख प्रो. के. एच. एच. वी. एस. एस. एन. मूर्ति ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

खादी महोत्सव में उमड़ रही भीड़, ग्रामोद्योगी उत्पाद बने आकर्षण का केंद्र

बनारस रेल इंजन कारखाना में महाप्रबंधक ने कराया भारतीय संविधान की उद्देशिका का सामूहिक पाठन

वाराणसी, एजेंसी।

वाराणसी में बनारस रेल इंजन कारखाना (बरेका) में गुरुवार को संविधान दिवस को उत्साह, गरिमा और राष्ट्रप्रेम की भावना के साथ मनाया गया। बनारस रेल इंजन कारखाना में महाप्रबंधक आशुतोष पंत के मौजूदगी में प्रशासन भवन स्थित स्वागती हॉल में अधिकारियों और कर्मचारियों ने भारतीय संविधान की उद्देशिका का सामूहिक पठन किया गया।



बरेका के महाप्रबंधक आशुतोष पंत ने अधिकारियों और कर्मचारियों को संविधान में वर्णित स्वतन्त्रता, समानता, न्याय और बंधुत्व के मूल्यों पर जोर देते हुए राष्ट्र की एकता और अखंडता के संवर्धन हेतु निरंतर प्रयास करने का संदेश दिया। इस अवसर पर प्रमुख मुख्य यांत्रिक इंजीनियर विवेक शील, प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक आलोक अग्रवाल, प्रधान वित्त सलाहकार मुक्तेश मित्तल, प्रमुख मुख्य इंजीनियर राम जन्म, प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी लालजी चौधरी, प्रमुख मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ सुनील कुमार, मुख्य सतर्कता अधिकारी अंकुर चंद्रा, उप महाप्रबंधक सागर तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण, कर्मचारी परिषद के सदस्य नवीन कुमार सिन्हा तथा सुशील कुमार सिंह, जनसंपर्क अधिकारी राजेश कुमार सहित बड़ी संख्या में कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

भाजपा छोड़कर प्रवीण सिंह सैकड़ों कार्यकर्ताओं संग बसपा में शामिल



अमेठी, एजेंसी।

उत्तर प्रदेश में अमेठी जिले की अमेठी विधानसभा में संविधान दिवस के अवसर पर बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की ओर से गुरुवार को विशाल कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन में बसपा प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल, एमएलसी सहित पार्टी के तमाम पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। इस दौरान भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और समाजवादी पार्टी (सपा) से छोड़कर बसपा ज्वाइन की है।

मीडिया से बातचीत करते हुए विश्वनाथ पाल ने कहा कि अमेठी में भाजपा को बड़ा झटका लगा है। भाजपा नेता नेता व भादर के ब्लॉक प्रमुख प्रवीण सिंह के नेतृत्व में कई हजार लोगों ने भाजपा और सपा छोड़कर बसपा की सदस्यता ग्रहण की है। इससे पार्टी को अमेठी में बड़ी राजनीतिक ताकत मिलेगी। संविधान दिवस पर देशवासियों को बधाई देते हुए विश्वनाथ पाल ने कहा कि भारतीय संविधान के प्रति पूरी ईमानदारी से चलने वाली पार्टी बसपा है। उन्होंने कहा कि दूसरी राजनीतिक पार्टियां चुनाव के समय अपना-अपना घोषणा पत्र जारी करती हैं, लेकिन बसपा का मानना है कि सत्ता में आने पर बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर द्वारा बनाए गए भारतीय संविधान को ही अपना घोषणा पत्र मानकर लागू किया जाएगा।भाजपा पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 के चुनाव में विदेश से काला धन वापस लाने, लोगों के खाते में 15-20 लाख रुपये भेजने, बुलेट ट्रेन चलाने, अच्छे दिन लाने और दो करोड़ नौकरियां देने जैसे वादे किए गए थे। लेकिन जब इन वादों को लेकर सवाल उठाए जाते हैं तो उन्हें जुमला बता दिया जाता है।

पीवीवीएनएल में संविधान दिवस पर अधिकारियों-कर्मचारियों ने ली शपथ

उत्तम भारत संवाददाता

मेरठ। पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (पीवीवीएनएल) कार्यालय में 26 नवंबर को संविधान दिवस गरिमापूर्ण ढंग से मनाया गया। प्रबंध निदेशक रवीश गुप्ता की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन कर संवैधानिक मूल्यों के प्रति निष्ठा की शपथ ली।

इस दौरान न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुता के आदर्शों को अपनाने तथा लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाने का संकल्प लिया गया। अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने निष्पक्षता, पारदर्शिता और जनसेवा की भावना से कार्य करने की प्रतिबद्धता भी दोहराई। कार्यक्रम में निदेशक आशु कालिया, संजय जैन, एनके मिश्रा, स्वतंत्र कुमार तोमर, मुख्य अभियंता मो. सगीर सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।



स्वास्थ्य सेवाओं में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, मरीजों से अच्छा व्यवहार करें अधिकारी: डीएम

मेरठ। विकास भवन सभागार में जिलाधिकारी डॉ. वीके सिंह की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति एवं पोषण समिति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिलाधिकारी ने सीएम डैशबोर्ड पर स्वास्थ्य विभाग की खराब रैंकिंग पर नाराजगी जताते हुए सीएमओ को नियमित समीक्षा और प्रभावी निगरानी के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मरीजों को बेहतर उपचार के साथ सम्मानजनक व्यवहार भी मिलना चाहिए। अस्पतालों में अनावश्यक रेफरल पर रोक लगाकर स्थानीय स्तर पर उपचार सुनिश्चित किया जाए। बैठक में टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत जांच और सैंपलिंग बढ़ाने तथा शत-प्रतिशत टीकाकरण के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने जननी सुरक्षा योजना के लाभार्थियों को तीन दिन में शत-प्रतिशत भुगतान सुनिश्चित करने को कहा।

संविधान के आदर्शों को आत्मसात कर निष्ठा से निभाएं दायित्व: डीएम

औरैया, एजेंसी।

उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में संविधान दिवस के अवसर पर गुरुवार को कलेक्ट्रेट स्थित मानस सभागार में जिलाधिकारी बृजेश कुमार ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भारतीय संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक पाठ कराकर संविधान के प्रति निष्ठा एवं समर्पण की शपथ दिलाई। इस दौरान उन्होंने संविधान में निहित आदर्शों, मूल्यों एवं लोकतांत्रिक सिद्धांतों को आत्मसात कर अपने शासकीय दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने का आह्वान किया।

जिलाधिकारी ने कहा कि भारतीय संविधान देश के लोकतंत्र की आधारशिला है। यह प्रत्येक नागरिक को समानता, स्वतंत्रता, न्याय एवं बंधुता का अधिकार प्रदान करने के साथ ही देश की एकता, अखंडता और सामाजिक समरसता बनाए रखने की प्रेरणा देता है। संविधान की प्रस्तावना में उल्लेखित संप्रभुता, समाजवाद, पंथनिरपेक्षता, लोकतंत्र एवं गणराज्य जैसे आदर्श राष्ट्र की मूल भावना को प्रदर्शित करते हैं।

उन्होंने कहा कि संविधान दिवस हमें अपने संवैधानिक अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति जागरूक होने का अवसर प्रदान करता है। प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि वह संविधान के आदर्शों का सम्मान करे और लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाने में सक्रिय भूमिका निभाए। अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भी संविधान के मूल्यों को अपनी कार्यशैली में शामिल करना चाहिए।

अस्सीघाट पर 29 नवंबर को सजेगी कथक की महफिल, नटराज संगीत अकादमी का 31वां महोत्सव

मुंबई की निधि प्रभु पहली बार बनारस में देंगी एकल कथक प्रस्तुति, दिल्ली की गौरी दिवाकर भी करेंगी नृत्य

वाराणसी, एजेंसी।

उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी काशी में कथक की समृद्ध परंपरा को समर्पित नटराज संगीत अकादमी का 31वां कथक महोत्सव आगामी 29 नवंबर (रविवार) को अस्सीघाट पर आयोजित होगा। सुबहे बनारस के सहयोग से आयोजित इस महोत्सव का शुभारंभ शाम चार बजे होगा। इस वर्ष महोत्सव 'विरासत : पंडित बिरजू महाराज परंपरा' को समर्पित रहेगा। अकादमी की निदेशक संगीता सिन्हा ने गुरुवार को बताया कि नटराज संगीत अकादमी पिछले 30 वर्षों से निरंतर कथक महोत्सव का आयोजन कर रही है। इस मंच के माध्यम से अकादमी की छात्राओं के साथ ही देश के उभरते और प्रतिष्ठित कथक कलाकारों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर दिया जाता है। उन्होंने बताया कि महोत्सव का आयोजन लगातार 22 वर्षों तक वाराणसी के डॉ. राजेंद्र प्रसाद घाट पर हुआ। इसके बाद पिछले दो वर्षों से अस्सीघाट पर इसका आयोजन किया जा रहा है। संगीता सिन्हा ने कहा कि उनके गुरु पद्म विभूषण पंडित बिरजू महाराज इस महोत्सव में नियमित रूप से उपस्थित रहते थे। उनकी स्मृतियों और कथक की विशिष्ट परंपरा को आगे बढ़ाना ही इस आयोजन का प्रमुख उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि वह अपने गुरु की विरासत और कथक की समृद्ध परंपरा को आगे ले जाने के लिए संकल्पित हैं। इस वर्ष महोत्सव में नटराज संगीत अकादमी की वाराणसी और मुंबई शाखाओं की छात्राएं भी अपनी प्रस्तुतियां देंगी। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण मुंबई से पहली बार बनारस आ रहीं निधि प्रभु का एकल कथक नृत्य होगा। वहीं, दिल्ली की प्रतिष्ठित कथक नृत्यांगना गौरी दिवाकर भी अपने एकल नृत्य की प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध करेंगी।



समय से घोषित होंगे परीक्षा परिणाम, निष्पक्षता से करें उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन : कुलपति

जौनपुर, एजेंसी।

उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले में वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में विषम सेमेस्टर सत्र 2026-27 की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन गुरुवार को विधि-विधान से पूजा-अर्चना के साथ शुरू हुआ। बाला साहब देवरस केंद्रीय मूल्यांकन भवन में कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने पूजन-अर्चन कर मूल्यांकन कार्य के सफल संचालन की कामना की। इसके बाद उन्होंने स्वयं शिक्षकों को मूल्यांकन के लिए उत्तर पुस्तिकाएं सौंपीं। इस अवसर पर कुलपति ने कहा कि उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन परीक्षा व्यवस्था का महत्वपूर्ण और जिम्मेदारीपूर्ण कार्य है। इसकी गुणवत्ता से ही विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रतिभा और परिश्रम का सही आकलन होता है। सभी परीक्षक पूरी निष्पक्षता, पारदर्शिता और गंभीरता के साथ मूल्यांकन करें। विश्वविद्यालय का प्रयास है कि निर्धारित समयावधि में परीक्षा परिणाम घोषित किए जाएं, ताकि विद्यार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।



परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनोद कुमार सिंह ने कहा कि मूल्यांकन की निष्पक्षता और शुद्धता विद्यार्थियों के शैक्षणिक भविष्य से जुड़ी है। सभी परीक्षक निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए पूरी निष्ठा और सावधानी से कार्य करें। मूल्यांकन समन्वयक डॉ. योगेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि मूल्यांकन कार्य को सुचारु और समयबद्ध ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं। पूजन-अर्चन शशिकांत त्रिपाठी ने कराया।

इस दौरान प्रो. गिरिधर मिश्र, डॉ. अमरेंद्र कुमार सिंह, डॉ. अजय कुमार, डॉ. ममता सिंह, डॉ. श्याम सुंदर उपाध्याय सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

रेलवे ओवरब्रिज से गिरकर युवक की मौत

मीरजापुर, एजेंसी।

उत्तर प्रदेश के मीरजापुर जिले में विंध्याचल थाना क्षेत्र स्थित गैपुरा चौकी से करीब पांच सौ मीटर उत्तर रेलवे ओवरब्रिज पर बुधवार रात बाइक असंतुलित होकर डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में बाइक पर पीछे बैठा 28 वर्षीय युवक पुल से नीचे गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। अस्पताल में उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही बारात में शामिल लोगों में शोक छा गया। भदोही जिले के कोइरौना थाना क्षेत्र के चैनपट्टी भीखीपुर गांव निवासी अंशुल यादव बुधवार रात करीब दस बजे बाइक से खम्हरिया दमुआन गांव में बारात में शामिल होने जा रहा था। बाइक रतन यादव चला रहा था। रतन के मुताबिक, ओवरब्रिज की टर्निंग पर बाइक अचानक असंतुलित होकर डिवाइडर से टकरा गई, जिससे पीछे बैठा अंशुल पुल के नीचे जा गिरा। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल अंशुल को पीएचसी सरोंई पहुंचाया।

आंबेडकर की प्रतिमा क्षतिग्रस्त पुलिस ने किया केस

देवरिया, एजेंसी।

उत्तर प्रदेश में देवरिया जिले के गौरी बाजार थाना क्षेत्र स्थित कठोरा गांव में स्थापित डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा क्षतिग्रस्त किए जाने का मामला सामने आया है। मामले में ग्राम प्रधान की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि प्रतिमा क्षतिग्रस्त करने वाले आरोपितों की तलाश की जा रही है और जल्द ही घटना का खुलासा कर लिया जाएगा।

क्षेत्राधिकारी रुद्रपुर राजेश चतुर्वेदी ने बताया कि कठोरा गांव में स्थापित आंबेडकर प्रतिमा को किसी व्यक्ति द्वारा क्षतिग्रस्त किए जाने की सूचना प्राप्त हुई थी। सूचना मिलने के बाद मामले को गंभीरता से लेते हुए आवश्यक कार्रवाई की गई। ग्राम प्रधान कठोरा की तहरीर के आधार पर थाना गौरी बाजार में सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया है। उन्होंने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है। प्रतिमा को किसने और किन परिस्थितियों में क्षतिग्रस्त किया, इसकी जानकारी जुटाई जा रही है। घटना में शामिल लोगों की पहचान करने के लिए पुलिस टीम प्रयासरत है।



सीओ ने कहा कि दोषियों को चिह्नित कर उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी, जल्द ही मामले का अनावरण कर लिया जाएगा। घटना के बाद गांव में प्रतिमा की सुरक्षा और मामले के शीघ्र खुलासे को लेकर लोगों में चर्चा है। पुलिस ने मामले में आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मंडलायुक्त एस. राजलिंगम ने कलेक्ट्रेट में परखी प्रशासनिक व्यवस्था

फरुर्खाबाद, एजेंसी।

कलेक्ट्रेट की कार्य प्रणाली को पारदर्शी, जवाबदेह और व्यवस्थित बनाए रखने के उद्देश्य से गुरुवार को कानपुर मंडलायुक्त एस. राजलिंगम ने फतेहगढ़ स्थित कलेक्ट्रेट का सघन निरीक्षण किया। जिलाधिकारी डॉ. अंकुर लाठर के साथ उन्होंने राजस्व विभाग के विभिन्न अनुभागों में पहुंचकर कामकाज की हकीकत परखी। ई-गवर्नेंस सेल, आयुध अनुभाग, संग्रह अनुभाग, संयुक्त कार्यालय, निर्वाचन कार्यालय और राजस्व अभिलेखागार का निरीक्षण करते हुए अभिलेखों, पत्रावलियों और पंजिकाओं की स्थिति देखी।

मंडलायुक्त ने पटल सहायकों से कार्यों की जानकारी लेकर स्पष्ट निर्देश दिए कि शासकीय कामकाज में लापरवाही की कोई गुंजाइश न रहे और लंबित प्रकरणों का समयबद्ध निस्तारण किया जाए। निरीक्षण के दौरान मंडलायुक्त ने प्रत्येक अनुभाग में उपलब्ध अभिलेखों और महत्वपूर्ण दस्तावेजों का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने पत्रावलियों के रखरखाव, पंजिकाओं के अद्यतन होने और कार्यों के निष्पादन की स्थिति की जानकारी ली। संबंधित पटल सहायकों से पूछा कि उनके अनुभाग में किस तरह के कार्य संपादित किए जा रहे हैं और लंबित मामलों के निस्तारण की क्या स्थिति है।



उन्होंने निर्देशित किया कि सभी कर्मचारी अपने दायित्वों को गंभीरता से निभाएं और अभिलेखों को इस तरह व्यवस्थित रखें कि जरूरत पड़ने पर कोई भी महत्वपूर्ण दस्तावेज तत्काल उपलब्ध हो सके। लंबित मामलों पर नियमित नजर रखने के निर्देश मंडलायुक्त ने कहा कि सरकारी कार्यालयों में पारदर्शिता और जवाबदेही तभी प्रभावी होगी, जब प्रत्येक कार्य निर्धारित प्रक्रिया और समयसीमा के अनुरूप पूरा किया जाए। पटल सहायकों को निर्देश दिए कि लंबित प्रकरणों की नियमित निगरानी करें और अनावश्यक रूप से किसी भी पत्रावली को रोके न रखें। अभिलेखों को अद्यतन रखने के साथ कार्यालयों की कार्यप्रणाली को अधिक सुव्यवस्थित और प्रभावी बनाया जाए।

उन्होंने ई-गवर्नेंस से जुड़े कार्यों को भी निर्धारित प्रक्रिया के तहत समयबद्ध ढंग से संपादित करने पर जोर दिया। निर्वाचन और राजस्व अभिलेखागार की व्यवस्था भी जांची निरीक्षण के दौरान मंडलायुक्त ने निर्वाचन कार्यालय में उपलब्ध अभिलेखों और राजस्व अभिलेखागार के रखरखाव का भी जायजा लिया। उन्होंने महत्वपूर्ण दस्तावेजों की सुरक्षा और व्यवस्थित रखरखाव सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कहा कि अभिलेखों की उपलब्धता और उनकी सुरक्षित व्यवस्था प्रशासनिक कामकाज का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसलिए इस कार्य में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए।

जिलाधिकारी डॉ. अंकुर लाठर की मौजूदगी में हुए इस निरीक्षण में मुख्य विकास अधिकारी विनोद कुमार गौड़, अपर जिलाधिकारी न्यायिक दिनेश कुमार, नगर मजिस्ट्रेट पारुल तरार, उप जिलाधिकारी सदर संजय कुमार, जिला विकास अधिकारी श्याम कुमार तिवारी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

अरुणाचल प्रदेश मामले पर चीन को भारत ने सुनाई खरी-खोटी

उत्तम भारत न्यूज डेस्क

भारत और चीन के बीच वास्तविक नियंत्रण रेखा पर तनाव भले ही फिलहाल नियंत्रण में दिखाई दे रहा हो, लेकिन अरुणाचल प्रदेश के सीमावर्ती इलाकों में दोनों देशों की सेनाओं की गतिविधियां इस बात का संकेत दे रही हैं कि सीमा पर स्थिति अब भी बेहद संवेदनशील है। चीन की ओर से लगातार विवादित दावे, गश्त के निर्धारित तौर-तरीकों से अलग गतिविधियां और भारतीय क्षेत्रों में घुसपैठ की कोशिशों के बीच भारत ने सीमा प्रबंधन को लेकर अपना रुख पूरी मजबूती से सामने रखा है। इसी कड़ी में अरुणाचल प्रदेश के सीमावर्ती क्षेत्र में भारत और चीन के वरिष्ठ सैन्य कमांडरों के बीच हुई दूसरी दौर की बातचीत बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है। बताया जा रहा है कि करीब 10 दिनों तक चली इस बातचीत का मकसद केवल मौजूदा तनाव को कम करना नहीं, बल्कि सीमा पर दोनों सेनाओं के बीच टकराव की आशंका को रोकने के लिए स्पष्ट नियम और संवाद की व्यवस्था तैयार करना भी था।



भारतीय विदेश मंत्रालय ने 26 नवंबर को पहली बार आधिकारिक तौर पर इन सैन्य वार्ताओं की पुष्टि की। मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि पूर्वी सेक्टर में दोनों देशों के वरिष्ठ सैन्य कमांडरों की बैठक हुई, जिसमें वास्तविक नियंत्रण रेखा पर सीमा प्रबंधन बेहतर बनाने और लंबित मुद्दों को सुलझाने पर चर्चा की गई। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत और चीन के बीच राजनयिक तथा सैन्य स्तर पर नियमित संवाद की व्यवस्था मौजूद है और इन बैठकों का उद्देश्य सीमावर्ती इलाकों में शांति बनाए रखना तथा किसी भी तरह के तनाव को बढ़ने से रोकना है।

देखा जाये तो इस बातचीत की अहमियत इसलिए भी बढ़ जाती है क्योंकि यह बैठक ऐसे समय हुई है जब अरुणाचल प्रदेश के कई इलाकों में भारतीय और चीनी सैनिकों की बड़ी संख्या में तैनाती है। रिपोर्ट के मुताबिक, दिवाली के तत्काल बाद 8 नवंबर से शुरू हुई यह बातचीत बीच में थोड़े अंतराल के साथ करीब 10 दिनों तक चली। भारतीय पक्ष का नेतृत्व सेना की थ्री कॉर्प्स यानी स्पीयर कॉर्प्स के जनरल ऑफिसर कमांडिंग लेफ्टिनेंट जनरल गिरिश कालिया ने किया। उनके साथ विदेश मंत्रालय का एक अधिकारी भी मौजूद था। दूसरी ओर चीनी सेना के उनके समकक्ष अधिकारी और अन्य सैन्य प्रतिनिधि बातचीत में शामिल हुए।

इस बैठक का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह था कि दोनों सेनाओं के बीच जमीनी स्तर पर टकराव रोकने के लिए संवाद के स्पष्ट नियम तय करने पर जोर दिया गया। सीमा पर गश्त के दौरान सैनिकों के आमने-सामने आने, एक-दूसरे की गतिविधियों को लेकर गलतफहमी पैदा होने और स्थानीय स्तर पर तनाव बढ़ने की आशंका को देखते हुए दोनों पक्षों के बीच संचार व्यवस्था को खुला रखने पर चर्चा हुई। सर्दियों के पूरी तरह शुरू होने से पहले सीमा पर तनाव कम करना भी इस बातचीत का एक प्रमुख उद्देश्य था। अरुणाचल के ऊंचाई वाले इलाकों में सर्दियों के दौरान मौसम बेहद कठोर हो जाता है और सैन्य रसद तथा सैनिकों की तैनाती अपने आप में बड़ी चुनौती बन जाती है।

सुप्रीम कोर्ट ने एफएसएसएआई को दिया सख्त निर्देश

पैकेटबंद खाद्य पदार्थों पर हाई शुगर, हाई सॉल्ट और हाई फैट चेतावनी लेबल लगवाएं



नई दिल्ली, एजेंसी। पैकेटबंद खाद्य और पेय पदार्थों की बढ़ती खपत तथा उससे जुड़े स्वास्थ्य जोखिमों को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को एक महत्वपूर्ण निर्णय में केंद्र सरकार और भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) को चेतावनी लेबलिंग संबंधी नियमों को जल्द अंतिम रूप देने का निर्देश दिया है। अदालत ने कहा है कि जिन खाद्य उत्पादों में नमक, चीनी या सैचुरेटेड फैट की मात्रा निर्धारित सीमा से अधिक होगी, उनके पैकेट के सामने वाले हिस्से पर स्पष्ट चेतावनी दी जानी चाहिए, ताकि उपभोक्ता खरीदारी से पहले सही निर्णय ले सकें।

सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि चेतावनी लेबल



तय करते समय केवल अतिरिक्त मिलाई गई चीनी या फैट को आधार नहीं बनाया जाना चाहिए, बल्कि उत्पाद में मौजूद कुल शुगर और सैचुरेटेड फैट को ध्यान में रखा जाए। अदालत का मानना है कि उपभोक्ताओं को किसी खाद्य पदार्थ की वास्तविक पोषण स्थिति की सही जानकारी मिलनी चाहिए।

कोर्ट ने निर्देश दिया कि पैकेट के मुख्य डिस्प्ले क्षेत्र पर तीन अलग-अलग षट्कोण (हेक्सागोन) बनाए जाएं, जिन पर क्रमशः हाई सुगर, हाई सॉल्ट और हाई फैट लिखा हो। प्रत्येक चेतावनी चिन्ह पैकेट के सामने के हिस्से का कम से कम 4-5 प्रतिशत हिस्सा घेरे और उसमें इस्तेमाल किया गया फॉन्ट इतना बड़ा और स्पष्ट हो कि ग्राहक उसे आसानी से पढ़ सकें।

जनहित याचिका पर सुनवाई

अदालत ने यह भी कहा कि नमक, चीनी और सैचुरेटेड फैट की सीमा वैज्ञानिक अध्ययनों के आधार पर तय की जानी चाहिए। यह सीमा न तो इतनी कम हो कि लगभग हर पैकेज्ड उत्पाद पर चेतावनी लगानी पड़े और न ही इतनी अधिक हो कि स्वास्थ्य के लिए हानिकारक उत्पाद चेतावनी के दायरे से बाहर रह जाएं।

सुनवाई के दौरान कोर्ट ने बच्चों और आम नागरिकों में पोषण संबंधी जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। पीठ ने सुझाव दिया कि स्कूलों और कॉलेजों के पाठ्यक्रम में पोषण संबंधी शिक्षा को अधिक महत्व दिया जाना चाहिए ताकि लोग कम उम्र से ही स्वस्थ भोजन संबंधी निर्णय लेना सीख सकें।

सुप्रीम कोर्ट ने एफएसएसएआई को निर्देश दिया है कि वह इन दिशा-निर्देशों के आधार पर नए ड्राफ्ट नियम तैयार करे, संबंधित पक्षों से सुझाव और आपत्तियां आमंत्रित करे तथा नियमों को जल्द से जल्द अधिसूचित करे।

अदालत ने मामले की अगली सुनवाई 10 सप्ताह बाद तय की है, जिसमें यह देखा जाएगा कि ड्राफ्ट नियम तैयार हुए हैं या नहीं और उनके क्रियान्वयन की दिशा में क्या प्रगति हुई है।

यह मामला 3एस एंड आवर हेल्थ सोसाइटी नामक एक सार्वजनिक चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा दायर जनहित याचिका से जुड़ा है। याचिका में मांग की गई थी कि पैकेटबंद खाद्य पदार्थों पर स्पष्ट और अनिवार्य चेतावनी लेबल लगाए जाएं, ताकि उपभोक्ताओं को अधिक नमक, चीनी और वसा वाले उत्पादों के बारे में पहले से जानकारी मिल सके।

यादों में हरिवंश : कभी श्यामा के प्यार में लिखी कविता, तो कभी मधुशाला से जीता दिल

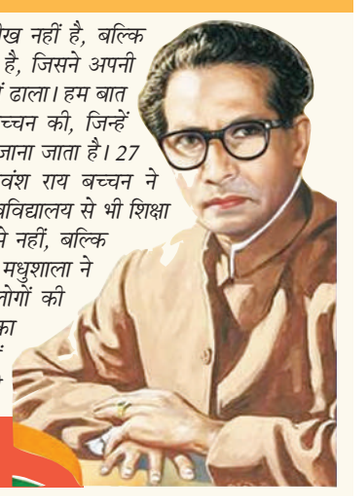

नई दिल्ली, एजेंसी। *27 नवंबर केवल कैलेंडर की एक तारीख नहीं है, बल्कि हिंदी साहित्य के उस महान रचनाकार को याद करने का अवसर है, जिसने अपनी लेखनी से प्रेम, विरह, पीड़ा, आशा और जीवन-दर्शन को शब्दों में ढाला। हम बात कर रहे हैं हिंदी के विख्यात कवि और लेखक हरिवंश राय बच्चन की, जिन्हें साहित्य जगत में विशेष रूप से मधुशाला के रचयिता के रूप में जाना जाता है। 27 नवंबर 1907 को इलाहाबाद (अब प्रयागराज) में जन्मे हरिवंश राय बच्चन ने इलाहाबाद विश्वविद्यालय से पढ़ाई की और बाद में कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय से भी शिक्षा हासिल की। लेकिन बच्चन की असली पहचान उनकी डिग्रियों से नहीं, बल्कि उनकी कविताओं से बनी। साल 1935 में प्रकाशित उनकी रचना मधुशाला ने उन्हें रातोंरात लोकप्रियता दिला दी। इस किताब की पंक्तियां लोगों की जुबान पर चढ़ गईं और देखते ही देखते बच्चन हिंदी साहित्य का बड़ा नाम बन गए। दिलचस्प बात यह है कि जिस मधुशाला ने उन्हें इतनी शोहरत दिलाई, उसके रचयिता हरिवंश राय बच्चन ने कभी*

मंदिर-मस्जिद बैर कराते...मेल कराती मधुशाला

शराब को हाथ तक नहीं लगाया। उनके बेटे और बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन ने भी एक इंटरव्यू में बताया था कि उनके पिता ने जीवन में कभी मदिरापान नहीं किया। अक्सर लोग उनसे सवाल करते थे कि जब उन्होंने शराब पी ही नहीं, तो मधुशाला कैसे लिख दी?

मधुशाला को लेकर उस दौर में काफी विवाद भी हुआ था। कुछ लोगों का मानना था कि यह रचना युवाओं को गलत दिशा में ले जा सकती है। बात महात्मा गांधी तक पहुंची। बताया जाता है कि गांधीजी ने बच्चन को बुलाकर उनकी रचना सुनने की इच्छा जताई। जब बच्चन ने उन्हें मधुशाला सुनाई, तो गांधीजी ने उसमें कोई बुराई नहीं देखी। इसके बाद कवि को काफी राहत मिली।

हरिवंश राय बच्चन की जिंदगी में प्रेम और विरह का भी गहरा स्थान रहा। उनकी पहली शादी श्यामा से हुई थी, लेकिन बीमारी के कारण कम उम्र में ही उनका निधन हो गया। इस घटना ने बच्चन को अंदर तक तोड़ दिया। श्यामा की बीमारी और उनसे बिछड़ने का दर्द उनकी कविताओं में साफ झलकता है। उनकी पंक्तियां रात आधी खींचकर मेरी हथेली, एक उंगली से लिखा था प्यार तुमने आज भी प्रेम और जुदाई का एहसास कराती हैं। बाद में 1942 में उन्होंने तेजी सूरी से दूसरी शादी की। तेजी उनके जीवन में नई उम्मीद बनकर आईं। उनके दो बेटे हुए, अमिताभ और अजिताभ। बच्चन ने मधुबाला, मधुकलश, क्या भूलूं क्या याद करूं, नीड़ का निर्माण फिर और बसेरे से दूर जैसी कई यादगार रचनाएं दीं। उनकी कविता जो बीत गई सो बात गई आज भी मुश्किल समय में लोगों को आगे बढ़ने की हिम्मत देती है। साहित्य में उनके योगदान के लिए उन्हें 1968 में साहित्य अकादमी पुरस्कार और 1976 में पद्म भूषण से सम्मानित किया गया। साल 1966 में उन्हें राज्यसभा के लिए भी मनोनीत किया गया था। 18 जनवरी 2003 को मुंबई में उन्होंने अंतिम सांस ली, लेकिन उनकी कविताएं आज भी जीवित हैं।

काठमांडू के एक होटल से 50.50 लाख नेपाली रुपये के साथ एक विदेशी सहित दो गिरफ्तार

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल की राजधानी काठमांडू के ठमेल स्थित एक होटल से पुलिस ने करीब 50.50 लाख नेपाली रुपये और बड़ी मात्रा में विदेशी मुद्रा के साथ एक विदेशी सहित दो लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें चितवन की रहने वाली 20 वर्षीय स्नेहा रिमाल और मालदीव का नागरिक युटिथ इब्राहिम है।



जिला पुलिस परिसर काठमांडू के एसपी दानबहादुर थापा के अनुसार दोनों को ठमेल स्थित स्नोलाइन होटल से गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने उनके पास से 50 लाख 50 हजार नेपाली रुपये, 4,215 ओमानी रियाल और 55 अरब अमीराती दिरहम बरामद किए हैं। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। बरामद रकम और विदेशी मुद्रा के स्रोत तथा दोनों आरोपितों की गतिविधियों के संबंध में विस्तृत जानकारी सामने आनी बाकी है।

26/11 की बरसी: इजरायल ने आतंकवाद के खिलाफ भारत के साथ एकजुटता दोहराई

उत्तम भारत न्यूज डेस्क



इजरायल ने गुरुवार को 26/11 मुंबई आतंकी हमलों के पीड़ितों को श्रद्धांजलि दी और भारतीय लोगों के साहस तथा मुश्किल समय में दूसरों की जान बचाने के लिए अपनी जान जोखिम में डालने वाले लोगों को सम्मान दिया। इजरायल के विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, इजरायल भारतीय लोगों के मजबूत हौसले, दूसरों की रक्षा के लिए अपनी जान जोखिम में डालने वाले बहादुर लोगों और 26/11 मुंबई आतंकी हमलों में मारे गए निर्दोष लोगों की याद को सम्मान देता है। आतंकवाद की कोई सीमा नहीं होती और इसे हराने के हमारे साझा संकल्प की भी कोई सीमा नहीं है। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में इजरायल मजबूती से भारत के साथ खड़ा है।

इससे पहले दिन में भारत में मौजूद इजरायली राजनयिकों ने भी 26/11 हमलों के पीड़ितों को श्रद्धांजलि अर्पित की और आतंकवाद के खिलाफ संयुक्त लड़ाई के अपने संकल्प को दोहराया। हमलों की 18वीं बरसी पर पश्चिमी भारत के लिए इजरायल के महावाणिज्य दूत यानिव रेवाच मुंबई के लियोपोल्ड कैफे पहुंचे। यह उन जगहों में से एक था, जिसे 26 नवंबर 2008 के आतंकी हमलों के दौरान निशाना बनाया गया था। रेवाच ने कहा, ह्लमैं यहां भारत के प्रति अपनी एकजुटता दिखाने आया हूं। जो कुछ यहां हुआ, उसे हम कभी नहीं भूलेंगे। सिर्फ इस जगह को नहीं, बल्कि पूरे मुंबई



शहर को हम याद रखते हैं। हम भारत का समर्थन करते हैं, भारत के साथ खड़े हैं। हम न कभी भूलेंगे, न माफ करेंगे, और आतंकवाद के खिलाफ मिलकर लड़ाई जारी रखेंगे।ह्व उन्होंने कहा कि भारत और इजरायल को आतंकवाद के खिलाफ और ज्यादा मिलकर काम करना चाहिए। इसमें सिर्फ आतंकवादी संगठनों का ही नहीं, बल्कि उन्हें समर्थन देने वाली सरकारों और देशों का भी मुकाबला करना शामिल है। रेवाच ने कहा, भारत कई क्षेत्रों में काफी आगे है और इन मुद्दों पर हमें भारत से बहुत कुछ सीखने की जरूरत है। आतंकवाद से निपटने के मामले में हमें मिलकर काम करते रहना चाहिए। सिर्फ आतंकवादी समूहों के खिलाफ ही नहीं, बल्कि उन देशों और सरकारों के खिलाफ भी जो इन संगठनों के पीछे खड़े होते हैं।ह्व भारत में इजरायल के राजदूत रूवेन अजार ने भी 26/11 हमलों के पीड़ितों को याद करते हुए निर्दोष लोगों को श्रद्धांजलि दी।

डीयू में राष्ट्र निर्माण में भारतीय संविधान की भूमिका विषय पर सेमिनार

उत्तम भारत संवाददाता

नई दिल्ली। फोरम ऑफ एकेडमिक्स फॉर सोशल जस्टिस (शिक्षक संगठन) के तत्वावधान में दिल्ली विश्वविद्यालय के कला संकाय, उत्तरी परिसर में राष्ट्र निर्माण में भारतीय संविधान की भूमिका विषय पर एक सेमिनार किया गया। सेमिनार की अध्यक्षता फोरम के चेयरमैन प्रोफेसर हंसराज सुमन ने की, मुख्य वक्ता प्रोफेसर कैलाश प्रकाश सिंह यादव व मंच संचालन डॉ. नरपत सिंह नैनवाल ने किया। सेमिनार में काफी संख्या में उपस्थित शिक्षाविदों, बुद्धिजीवियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं विद्यार्थियों ने भाग लिया। सभी वक्ताओं ने भारतीय संविधान के महत्व, उसकी मूल भावना तथा राष्ट्र निर्माण में उसकी भूमिका पर विस्तार से चर्चा की।



अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में प्रोफेसर हंसराज सुमन ने कहा कि - भारतीय संविधान केवल शासन संचालन का दस्तावेज नहीं है, बल्कि यह भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था, सामाजिक समरसता, समानता, स्वतंत्रता, न्याय और बंधुत्व का आधार स्तंभ है। संविधान ने देश के प्रत्येक नागरिक को समान अधिकार प्रदान करते हुए एक न्यायपूर्ण, समतामूलक और लोकतांत्रिक समाज के निर्माण का मार्ग प्रशस्त किया है। संविधान में उल्लिखित धाराओं का पालन करते हुए ही भारत को एक मजबूत, समावेशी, लोकतांत्रिक और प्रगतिशील राष्ट्र बनाया जा सकता है। प्रोफेसर कैलाश प्रकाश सिंह यादव ने बाबा साहेब डॉ.भीमराव अम्बेडकर के संविधान निर्माण में योगदान का उल्लेख करते हुए बताया कि बाबा साहेब ने भारत की बहुसंख्यक अभावग्रस्त, उपेक्षित समाज को ध्यान में रखते हुए संविधान में विशिष्ट धाराएँ जोड़ी थीं। सेमिनार में यह भी विचार व्यक्त किया गया कि राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया केवल आर्थिक विकास तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें सामाजिक समानता, मानवीय मूल्यों की गरिमा, न्यायपूर्ण व्यवस्था और सभी नागरिकों की सक्रिय भागीदारी भी होना आवश्यक है।

यरुशलम की कोर्ट के रुख से नेतान्याहू के बेदाग होने की उम्मीद

यरुशलम। इजराइल के कार्यवाहक प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के लिए यरुशलम जिला अदालत का रुख राहत देने वाला है। अदालत ने रिश्वत लेने और अन्य आरोपों के मुकदमे की सुनवाई के दौरान कहा कि अभियोजन के लिए यह साबित करना बहुत मुश्किल होगा। अभियोजन को सलाह है कि वह नेतन्याहू से समझौता कर ले। अदालत की इस टिप्पणी के तत्काल बाद नेतन्याहू ने मुकदमे को खत्म करने की मांग की। कार्यवाहक प्रधानमंत्री ने गुस्से भरे भाषण में कहा कि भ्रष्टाचार के मुकदमे ने उनके परिवार और स्टाफ की जिंदगी 'बर्बाद' कर दी है।

हिंद महासागर की सुरक्षा को भारत ने बताया जरूरी



नई दिल्ली, एजेंसी। हिंद महासागर क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा, आतंकवाद और साइबर खतरों से निपटने के लिए भारत ने क्षेत्रीय सहयोग मजबूत करने पर जोर दिया है। मालदीव में आयोजित कोलंबो सिक्योरिटी कॉन्क्लेव (सीएससी) की आठवीं राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) स्तर की बैठक में सदस्य देशों ने वर्ष 2026-27 के लिए सहयोग का रोडमैप अपनाया। बैठक में भारत की ओर से राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने हिस्सा लिया।

विदेश मंत्रालय (एमईए) ने इस बैठक के संपन्न होने पर गुरुवार को एक बयान जारी कर सीएससी के अहम फैसलों से रूबरू कराया। बयान में बताया गया कि मालदीव ने 25 नवंबर को विला नौटिका पैराडाइज आइलैंड में इस उच्चस्तरीय बैठक की मेजबानी की। इसमें भारत, मालदीव, श्रीलंका और बांग्लादेश के प्रतिनिधिमंडलों ने भाग लिया। भारत का प्रतिनिधित्व एनएसए अजीत डोभाल ने किया।

मालदीव के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार इब्राहिम लतीफ, श्रीलंका के रक्षा मंत्रालय के सचिव एयर वाइस मार्शल संपथ थुयाकोन्था और बांग्लादेश के नेशनल डिफेंस कॉलेज के कमांडेंट लेफ्टिनेंट जनरल एमडी फैजुर रहमान भी बैठक में शामिल हुए।

अगले 6 महीने ऊखीमठ में होंगे बाबा केदार के दर्शन, ओंकारेश्वर मंदिर में स्थापित हुई पंचमुखी उत्सव डोली

उत्तराखंड, एजेंसी। उत्तराखंड की वादियों में स्थित बाबा केदारनाथ का धाम सर्दियों में बर्फ से ढक जाता है लेकिन भक्तों की आस्था कभी नहीं रुकती। जब केदारनाथ धाम के कपाट शीतकाल के लिए बंद हो जाते हैं, तब बाबा की पंचमुखी चल विग्रह उत्सव डोली रुद्रप्रयाग जिले के ऊखीमठ स्थित ओंकारेश्वर मंदिर में स्थापित की जाती है। गुरुवार को उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंदिर को लेकर अपने विचार साझा किए। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर मंदिर का एक वीडियो पोस्ट किया, जिसके साथ उन्होंने लिखा, ह्लरुद्रप्रयाग जिल के उखीमठ में स्थित श्री ओंकारेश्वर मंदिर भगवान केदारनाथ का शीतकालीन निवास है और उत्तराखंड की समृद्ध धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं का प्रतीक है। सर्दियों के लिए जब श्री केदारनाथ धाम के कपाट बंद हो जाते हैं, तो बाबा केदारनाथ के पंचमुखी चल विग्रह को इसी मंदिर में स्थापित किया जाता है, जहां पूजा-अर्चना की जाती है। अपनी शीतकालीन यात्रा के दौरान बाबा केदारनाथ के इस पवित्र शीतकालीन निवास के दर्शन जरूर करें।

ऊखीमठ का ओंकारेश्वर मंदिर सिर्फ एक मंदिर नहीं बल्कि सदियों पुरानी परंपरा और आस्था का प्रतीक है। हाल ही में नवंबर



2026 में कपाट बंद होने के बाद यह डोली ऊखीमठ पहुंच चुकी है और अगले सीजन में यात्रा खुलने पर इसे वापस केदारनाथ लाया जाता है। यह बाबा केदार की उत्सव मूर्ति है, जिसे डोली में रखकर मौसम के अनुसार केदारनाथ धाम और शीतकालीन

केदारनाथ धाम पहुंचने पर वैदिक मंत्रोच्चार और परंपरागत अनुष्ठानों के साथ पंचमुखी विग्रह को मंदिर में स्थापित किया जाता है, जिसके बाद नियमित पूजा-अर्चना और दर्शन का क्रम चलता है। ओंकारेश्वर शिवलिंग की पूजा पूरे वर्ष होती है और यह पंच केदारों के मुख्य पुजारियों (रावल) का भी शीतकालीन निवास स्थल है।



गद्दीस्थल के बीच लाया-ले जाया जाता है। जब गर्मियों में केदारनाथ धाम के कपाट खुलने का समय आता है, तो ऊखीमठ के ओंकारेश्वर मंदिर में विशेष पूजा और पंच स्नान के बाद पंचमुखी डोली केदारनाथ के लिए रवाना होती है।

केदारनाथ धाम पहुंचने पर वैदिक मंत्रोच्चार और परंपरागत अनुष्ठानों के साथ पंचमुखी विग्रह को मंदिर में स्थापित किया जाता है, जिसके बाद नियमित पूजा-अर्चना और दर्शन का क्रम चलता है। ओंकारेश्वर शिवलिंग की पूजा पूरे वर्ष होती है और यह पंच केदारों के मुख्य पुजारियों (रावल) का भी शीतकालीन निवास स्थल है। मान्यता है कि सूर्यवंशी राजा मानधाता ने यहां भगवान शिव के लिए एक पैर पर खड़े होकर 12 वर्षों तक तपस्या की थी। शिव ने ओंकार ध्वनि के रूप में दर्शन दिए, जिससे नाम ओंकारेश्वर पड़ा।